RNI-MPHIN/2005/14721
Malwa Div./244/2020-21
Desp. Date - 02 June- 2020

अंक – 12 (मासिक) वर्ष – 15 जून 2020 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

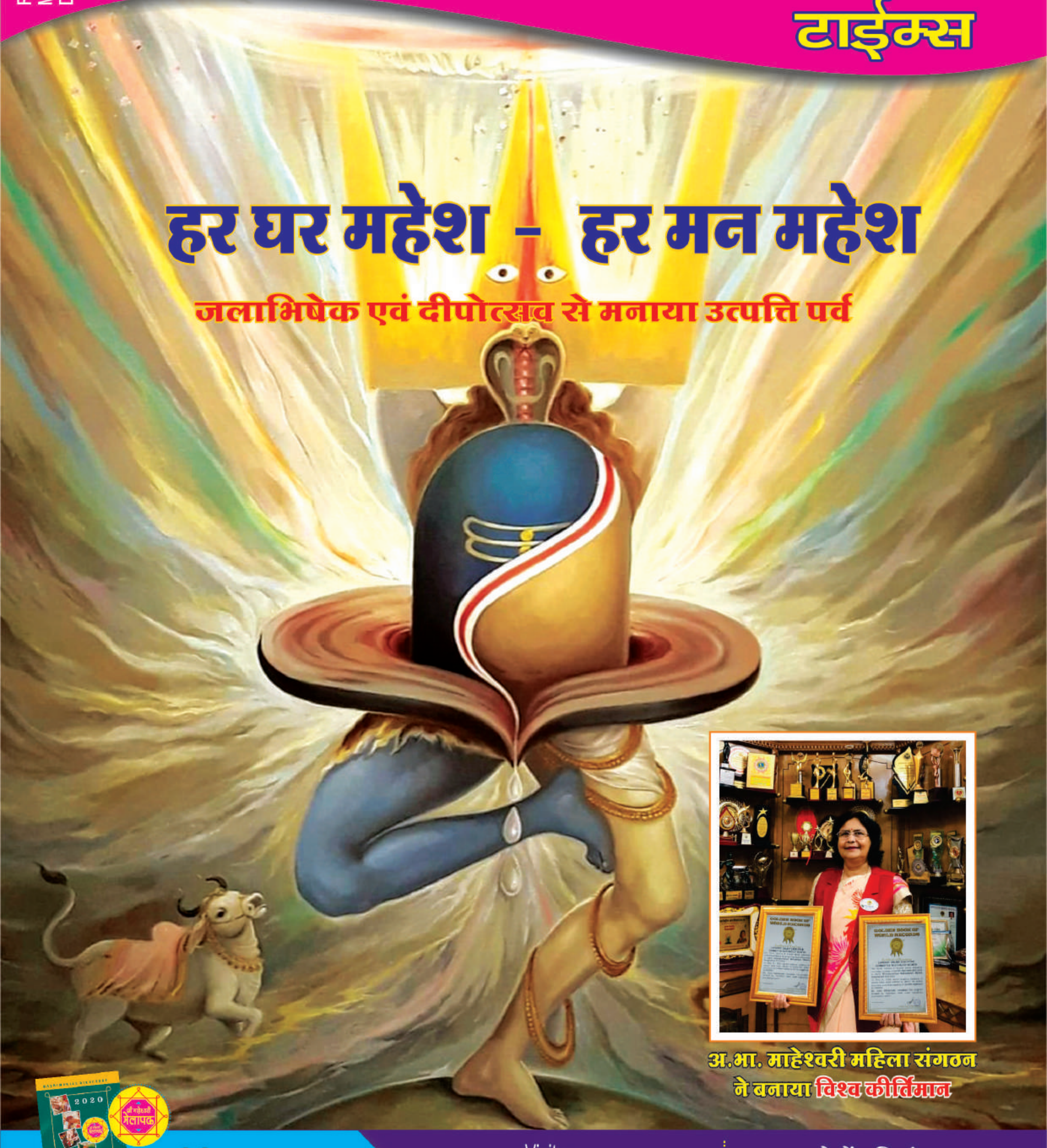

हर घर महेश - हर मन महेश

जलाभिषेक एवं दीपोत्सव से मनाया उत्पत्ति पर्व

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने बनाया विश्व कीर्तिमान

बहुप्रतिक्षित श्री माहेश्वरी मेलापक 2020 वैवाहिक डायरेक्ट्री प्रकाशित

Visit us @ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार SMT NEWS VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-12 जून 2020 वर्ष-15

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
गुरुमाँ चैतन्य मीरा, नासिक

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

आवरण चित्र
बिपिन सोनी (भुज-कच्छ, गुजरात)

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

शुभ संकल्पम् अस्तु...

समस्त स्वजनों को श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार समाज के उत्पत्ति पर्व श्री महेश नवमी की शुभकामनाऐं देते हुए कोरोना महामारी की इस विपदा की घड़ी में इस महापर्व को संकल्प दिवस के रूप में मनाने पर अत्यंत गौरवान्वित महसूस करता है।

मानव सेवा तो समाज के मूल संस्कारों में ही शामिल है, इसका प्रमाण हमारे समाज ने इस बार फिर से दे दिया। इस विपदा के दौर में शासन को सहयोग के लिये तो माहेश्वरी समाज ने अपनी तिजोरियाँ खोली ही, साथ ही पीढ़ित मानवता की सेवा में भी सहयोग देने में कोई कसर न रख छोड़ी।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार ऐसे समस्त कोरोना योद्धाओं को नमन करता है, जिन्होंने ने तन-मन-धन से मानवता की सेवा करने का भरसक प्रयास किया।

विचार क्रान्ति

सर्वश्रेष्ठ धर्म क्या है?

भगवान शिव और पार्वती के दाम्पत्य की सबसे अनुकरणीय सीख यह है कि जब भी संसार संचालन के कर्म से अवकाश मिलता है, दोनों पति-पत्नी सत्संग करने लगते हैं। अधिकांशतः शिव बोलते हैं और देवी प्रवचन श्रवण करती हैं। देवी के प्रश्न इतने सुंदर होते हैं कि महादेव को सविस्तार समाधान प्रस्तुत करने में अलग ही रस आता है। महाभारत का अनुशासन पर्व इस दाम्पत्य-सत्संग की अद्भुत साहित्य निधि है।

इसके कुल छह अध्यायों में पाँच में भगवान के प्रवचन हैं और छठवें में देवी का स्त्री धर्म पर उपदेश। लेकिन न पार्वती के प्रश्नों का कोई सानी है, न ही प्रभु के उत्तरों समान कोई दूसरी मिसाल। अब मोक्ष धर्म पर एक प्रश्न देखिए! देवी ने पूछा, 'हे देव! सम्पूर्ण धर्मों में श्रेष्ठ, सनातन, अटल और अविनाशी धर्म क्या है? और शिवजी ने अद्भुत व हम सभी गृहस्थों के लिए प्रेरक उत्तर दिया। बोले, 'देवी! धर्म के अनेक द्वार हैं। जो-जो जिस-जिस विषय में निश्चय को प्राप्त होता है, वह उसी को धर्म समझता है लेकिन सबसे उत्तम मोक्ष का द्वार है। 'शृणु देवि समासेन मोक्षद्वारमनुत्तमम्!'

और इसका सार है 'सुख-दुःख में सदा समभाव से जीना!' जब मनुष्य मन, वाणी और क्रिया द्वारा किसी भी प्राणी के प्रति पाप नहीं करता, तब वह ब्रह्मस्वरूप हो जाता है। निष्ठुरता शून्य, अहंकार रहित, द्वंद्वातीत और मात्सर्यहीन व्यक्ति ही शोक, भय और बाधा से रहित होकर इसे पा सकता है। सच तो यह है कि -

'तुल्यनिंदास्तुतिर्मौनी समलोष्टाश्मकाञ्चनः।
समः शत्रौ च मित्रे च निर्वाणमधिगच्छति।।'

अर्थात जिसकी दृष्टि में निन्दा और स्तुति समान है, जो मौन रहता है, मिट्टी के ढेले, पत्थर और सुवर्ण को समान समझता है तथा जिसका शत्रु और मित्र के प्रति समभाव है, वही निर्वाण (मोक्ष) को प्राप्त होता है।

जो ऐसा करता है, वही सच्चा धर्म पालक है।

■ विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

समरथ को नहीं दोष गुसाईं...

कोरोना संकट ने जहां लोगों के बीच की मन की दूरियां मिटा दी है, वहीं सामाजिक सद्भाव और समर्पण का नया फलसफा भी दिया है। आज लोग यह मानने को राजी हो गए हैं कि सर्व शक्तिमान प्रकृति है। जिस धन-दौलत और ताकत पर हमें नाज होता है, वह केवल हमारे मन का भ्रम मात्र है। लॉकडाउन मे अट्टालिकाओं और झोपड़ी का फर्क खत्म हो गया। दोनों जगह रहने वाले लोग एक जैसी परिस्थितियों में अपने आप को जिंदा रखने की कोशिश भर कर रहे थे। कहीं अकूत धन काम नहीं आ रहा था, तो कहीं कोई निर्धन होने के बावजूद भूखा नहीं सोया। दंभ और दीनता समान स्तर पर आ गई। कोरोना काल के हालात में यह समझ आ गया कि क्यों हमारे पूर्वजों ने समाज की रचना की थी? जंगल राज ही क्यों नहीं चलने दिया? जबकि उसमें ज्यादा सहुलियत थी। समाज इसलिए कि जब विपदा हो तो उससे जूझने, जीतने में एकजुट ताकत लगाई जा सके। निश्चित तौर से इस नजरिए के कारण ही हर स्तर पर समाज संगठनों के सहृदयजनों ने कमजोर पड़ रहे तबके का हाथ थामा व विपरीत बहाव से निकलने में मदद की। यही जज्बा राजा और रंक के बीच के भेद को मिटाने का सेतु बन गया।

जब कोरोना का संकट हर तरफ हावी था, तब उन लोगों के सामने सबसे ज्यादा मुसीबतें थी, जो कहीं कमजोर थे। उन्हें सहारे की जरूरत थी। ऐसे हालात में दो तरह के लोग सामने आए। एक वे जो इस हाहाकार में भी अपने ही लोगों की मदद करने की बजाए अपने दंभ को कायम रखने में जुटे थे। उनके लिए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। ....लेकिन समाज उन्हें याद रखेगा, वक्त आने पर जवाब भी देगा।... और दूसरी तरफ वे हमदर्द जो ऐसे लोगों के लिए अपनत्व के जज्बे को लेकर मदद के लिए आगे बढ़े। उन्हें वे लोग कभी नहीं भूलेंगे जिन्हें इसकी जरूरत है, क्योंकि मित्र वही होता है, जो मुसीबत में काम आए। हमारे दिल के करीब वे ही लोग होते हैं तो वक्त-जरूरत हमारा सहारा बनते हैं। ऐसे मददगारों के लिए कुछ कहने की जरूरत नहीं, केवल श्रद्धा से हाथ जोड़े जा सकते है। हमारे समाज के युवा संगठन ने सबसे पहले यह बीड़ा उठाया। राष्ट्रीय युवा संगठन ने समाज के जरूरतमंद 3600 परिवारों को 1500 रुपए की मदद देकर अहसास कराया कि संकट में वे अकेले नहीं है, समाज के युवा उनके साथ हैं। युवाओं के साथ ही 26 भामाशाह भी संस्था माहेश्वरी सेवा संकल्प के माध्यम से उठ खड़े हुए और 5000 हजार से ज्यादा परिवारों को 3000 रुपए (प्रत्येक परिवार) की मदद के लिए कृत संकल्पित हुए। संस्था 'माहेश्वरी सेवा संकल्प' का यह कदम निश्चित तौर से ऐसे परिवारों के लिए बड़ा सहारा बना। इस मदद को देने के लिए उन्होंने सारी औपचारिकताओं को परे रख दिया ताकि किसी तरह संकोच आड़े न आए।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र ने कार्यवाहक अध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी के नैतृत्व में इस आपदा में बेसहारा हुए परिवारों को व्यापार-व्यवसाय के लिए आर्थिक मदद कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। राष्ट्रीय युवा संगठन ने इससे आगे बढ़कर समाजबंधुओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नया अभियान भी शुरू कर रहा है। उनके लिए नई योजनाएं शुरू की जा रही है। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने लॉकडाऊन के नियमों का पालन करते हुए 'जूम ऍप' द्वारा 1 हजार से अधिक समाजजनों की मिटिंग आयोजित करने का विश्व कीर्तिमान बनाया है, जिसके लिये गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में संगठन का नाम दर्ज किया गया है। ये सभी बधाई के पात्र हैं।

सामाजिक एकता का एक पहलु उस समय दिखाई दिया, जब वाराणसी के श्रीराम माहेश्वरी ने महासभा के माध्यम से समाज से आह्वान किया कि इस बार महेश नवमी पर कोरोना के लॉकडाउन का साया है और हम उस उत्साह से अपने ईष्टदेव का उत्सव नहीं मना सकते जैसा हम अब तक मनाते आए हैं, इसलिए घरों में ही इस परंपरा को कायम रखते हुए सभी महेश नवमी को हर घर में दीपावली की तरह उल्लास से मनाऐं। इसके लिये हर घर पर दीपक लगाए जाएं। समाजजनों ने जिस उत्साह से घरों में यह पर्व मनाया, उसकी कल्पना तो किसी ने नहीं की थी। समाज के मान-सम्मान की यह भावना ही हमें सबसे आगे रखती है।

श्री माहेश्वरी टाइम्स की अपील पर महेश नवमी पर्व पर सभी ने विश्व मंगल की कामना से अपने घर पर ही भगवान महेश का जल से अभिषेक किया तथा शाम को विश्व शांति के लिए हर परिवार ने दीप - प्रज्जवलित कर अपनी पवित्र भावनाओं की अभिव्यक्ति की। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपकी इस भावना को प्रणाम करते हुए यह अंक आपको समर्पित करता है। यह अंक आपकी कसौटी पर खरा उतरे, इसके लिए हमने वह सब कुछ समाहित करने की कोशिश की है, जिसकी आपको सदैव अपेक्षा रहती है। मुझे विश्वास है इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया भेजना नहीं भूलेंगे।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

भगवान महेश से करें संकट से मुक्ति की कामना

भगवान महेश अर्थात् शिव संहारक नहीं बल्कि वास्तव में सृष्टि के संरक्षक हैं। अतः जब-जब भी सृष्टि पर संकट आया तो भगवान शिव शंकर ने उस संकट का यथोचित समाधान किया है। इस महेश नवमी के पावन पर्व पर आइये फिर करें कोरोना महामारी से सम्पूर्ण विश्व के कल्याण की प्रार्थना।

''वन्दे बोधमयं नित्यं गुरुं शंकर रूपिणम।
यमाश्रितो हि वक्रोऽपि चन्द्रः सर्वत्र वन्धते।।''

योग के स्वामी योगेश्वर भगवान महेश को पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास के साथ नमन करते हुए आप सबको महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं। श्रीमद्भागवत महापुराण में समुद्रमंथन की कथा आती है, जहां भगवान विष्णु के कहने पर देवताओं तथ दैत्यों ने मिलकर अमृत की चाह में समुद्र मंथन किया था, बड़े आनंद व उल्लास के साथ परंतु जब पहले आया हलाहल विष तो देवता शिव की शरण में आए क्योंकि वे जानते थे, यह विष संसार को नष्ट कर देगा। सिर्फ शिव ही सबका उद्धार कर सकते थे। यह निश्चित कर सकते थे कि संसार पर दुख हावी न हो जाये।

आज के संदर्भ में जब सारा संसार कोरोना वायरस की महामारी से लड़ रहा है। ऐसे समय में हम सामूहिक प्रार्थना करें - 'हे भोलेनाथ! अब फिर समय सृष्टि की रक्षा का आया है, फिर एक बार हमारी रक्षा करें।' भौतिक शास्त्र के अनुसार तीन मूलभूत क्रियाऐं इस सृष्टि में निरंतर चल रही है जनरेशन, ऑपरेशन और डिक्ट्रक्शन। हमारे भारतीय शास्त्रों के अनुसार सृजन के देवता ब्रह्मा, पालनकर्ता, विष्णु एवं विनाश के देवता शंकर माने जाते हैं। 'विनाश' शब्द में एक नकारात्मक भाव और अभिप्राय भी निहित है, लेकिन शिव विनाश करते हैं काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार का इसलिये उनका विनाश शांति लाता है। दक्षिण भारत के कई मंदिरों में शिव आदिगुरू व गुरूओं के गुरू के रूप में विद्यमान हैं। इसमें बरगद के पेड़ के नीचे एक पैर वे धरती पर रख कर बैठे हैं और दूसरे के नीचे एक राक्षस है। बरगद का पेड़ और दायाँ पैर दोनों ही आत्मा की शांति और स्थिरता के प्रतीक हैं। वह सत-चित-आनंद की, प्रशान्ति और स्थिरता की ओर ले जाते हैं। अपने ज्ञान से वे मनुष्य को जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने में सहायता देते हैं। चंद्रमा ने शिव की जटाओं का सहारा लिया और शिव ने केवल अपने मस्तक पर धारण करके क्षीण होते चंद्रमा की वृद्धि करा दी थी।

चंद्रमा हमारे मन के देवता हैं। चंद्रमा का घटना व बढ़ना मनोदशाओं के लगातार परिवर्तन का प्रतीक है, जो शिव का सहारा लेने से संतुलित और स्थिर होती है। आज के परिप्रेक्ष्य में इस कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी का सामना करने के लिए हमें जिस शारीरिक व मानसिक शक्ति की आवश्यकता है, वह अनंत शक्ति के स्त्रोत भगवान महेश की शरण में जाने से सहज प्राप्त होगी। वेद में शिव को 'महादेव' कहा गया है, महान देवता जो स्वयं ईश्वर ही है। कथा है कि आदि शिल्पी विश्वकर्मा, ईश्वर के सर्वोत्तम स्वरूप गढ़ने के इरादे से एक गोल, लम्बाकार स्तम्भ के सामने खड़े थे। लेकिन उन्हें आभास हुआ कि देवत्व की भव्यता को किसी प्रतिमा में समाहित नहीं किया जा सकता, इसलिये उन्होंने उस स्तम्भ को एक आधार पात्र में रख दिया और इस अमूर्त प्रतिरूप को उस ईश्वर का लिंग अर्थात लक्षण कहा। वह देवत्व का चरम स्वरूप था और इसी स्तम्भ से शिव प्रगट हुए। यह कथा शिव को तप के साकार रूप और सतचित आनंद के अंतिम लक्ष्य के रूप में भी कल्पित करती है। सभी जीवों को कर्म के बंधनों से मुक्ति दिलाने वाले भगवान महेश को बारंबार नमन।

अंत में सभी से अनुरोध है कि आप सब अपने अपने घरों में सुरक्षित रहें। अपने आत्मबल, रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाने के लिए योग, प्राणायाम, सात्विक भोजन करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। आापके स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए...

''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः।।''

गुरुमाँ चैतन्य मीरा, नासिक

अतिथि सम्पादकीय

25 वर्षों से सेवा कार्य में समर्पित गुरूमाँ चैतन्य मीरा का जन्म मूंडवा राजस्थान के पाली-मारवाड़ निवासी स्व. श्री मिश्रीलाल सारड़ा की सुपौत्री व श्रीमती सुशीला-श्री लक्ष्मीनारायण सारड़ा की सुपुत्री के रूप में मुंबई में हुआ। आपने विज्ञान में स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण की। बचपन से ही शिक्षा के साथ अध्यात्म में आपकी रुचि रही। लाईफ केयर एंड पीस मिशन संस्थान के माध्यम से छोटे गांवों से लेकर देश-विदेश तक योग, प्राणायाम, ध्यान शिविर से आध्यात्मिक अनुराग की शुरुआत की। इसमें संवाद कुशलता, तनाव पर नियंत्रण, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, नेतृत्व कुशलता, संतुलित आहार, सकारात्मक सोच जैसे कईं विषयों के साथ माय ग्लोरियस लाईफ शिविर के आयोजन किए एवं लाखों लोगों का शारीरिक व मानसिक संवर्धन किया। साथ ही आपने बाल संस्कार, रेकी, लाइफ मेनेजमेंट, एडवांस मेडिटेशन जैसे कई शिविरों के माध्यम से भी अपनी सेवाएँ दीं। आपने श्रद्धेय श्री गोविंद देव गिरी जी महाराज से दीक्षा लेकर भगवद्गीता प्रवचन से आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत की। अभी तक आप श्रीमाद् भागवत कथा, श्रीराम कथा, नानीबाई का मायरा, भक्तमाल कथा, रुक्मिणी मंगल कथा, मीरा चरित्र, श्री श्याम बाबा कथा, गोपी गीत, श्री गणेश विवाह कथा, हनुमान चालीसा महात्म्य जैसे कईं विषयों पर अपनी सरल व ओजस्वी वाणी में प्रवचन दे चुकी हैं। आध्यात्मिक, शारीरिक व मानसिक उन्नति हेतु आपने नासिक के पास इगतपुरी में आमजन के स्वास्थ्य के लिए 'Nirvana Naturopaty & Retreat (गुरूमां आनन्दाश्रम)' का निर्माण किया है। नशे जैसी घातक वृत्तियाँ मनुष्य को पतनोन्मुखी करती है जिससे समाज व राष्ट्र का भी पतन होता है, अतः इन दुष्ट प्रवृत्तियों से बचने के लिए पूज्य गुरुमां Nosha Foundation के माध्यम से साधना शिविरों का आयोजन करते हैं एवं जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में योगदान हेतु प्रयासरत रहते हैं।

श्री माँ नौसल माताजी

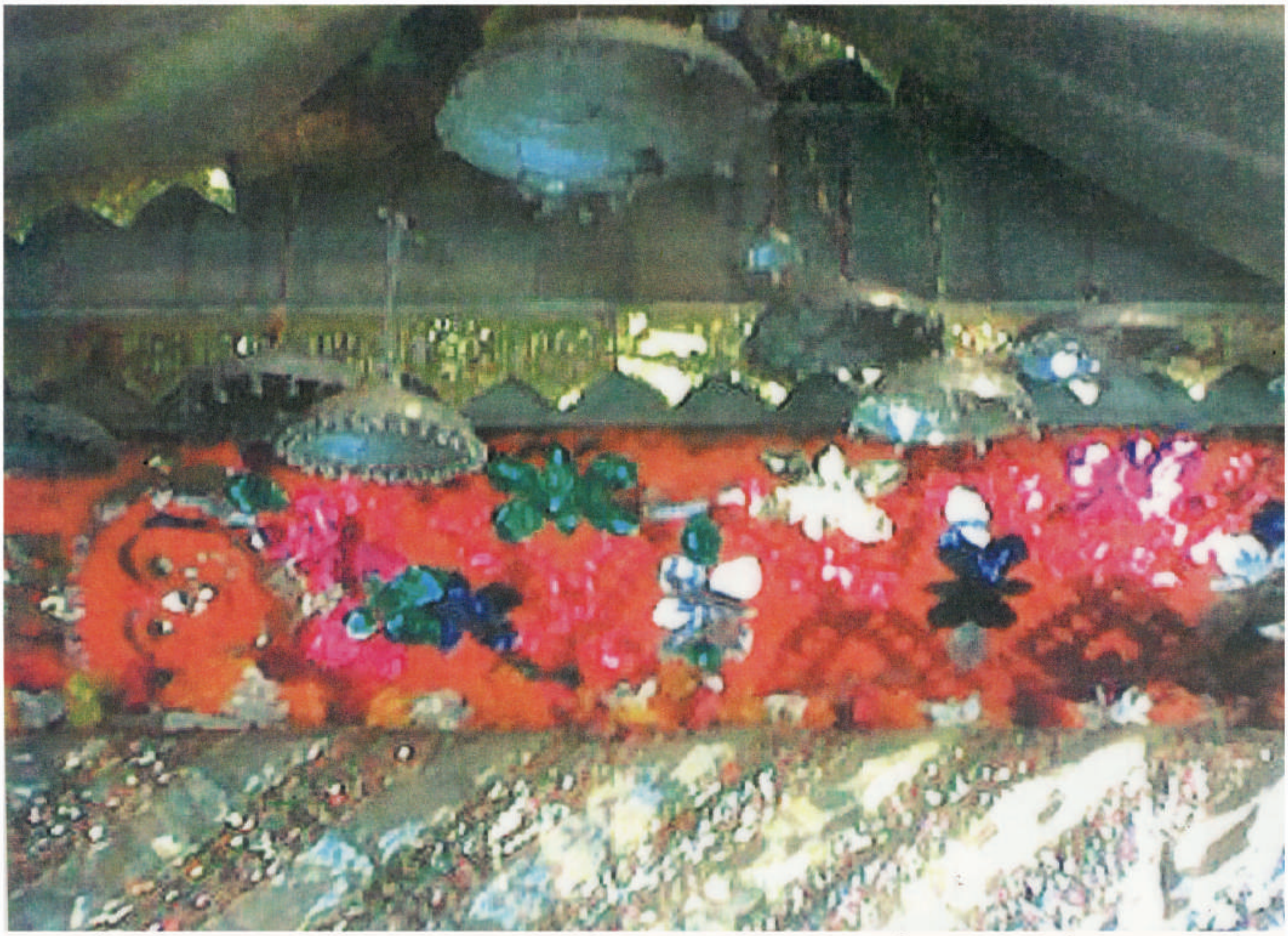

श्री नौसल माताजी माहेश्वरी जाति की सारड़ा, चितलांग्या, जैथलिया, फोफलिया और भाला खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर नौसल माताजी आनंदी माता और चामुण्डा माता के नाम से भी जानी जाती हैं।

श्री नौसल माताजी का मंदिर राजस्थान के प्रसिद्ध शहर अजमेर से 75 कि.मी. दूर मदनगंज-किशनगंज के समीप नौसल कौठड़ी ग्राम में स्थित है। एक तालाब के किनारे सुरम्य माहौल में स्थित यह मंदिर पांडवकालीन 5000 वर्ष पुराना होकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बताया जाता है कि यहाँ कुल 9 मंदिर थे। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने माताजी की मूर्ति तोड़ दी थी। अतः वर्तमान मूर्ति बाद में प्रतिष्ठित की हुई लगती है। यहाँ की एक विशेषता और है कि इस मंदिर के समीप एक लेटा हुआ इमली का पेड़ है, जो आने वाले दर्शनार्थियों के लिये आकर्षण का केन्द्र होता है।

विशिष्ट आयोजन

यहाँ प्रत्येक माह में शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को विशिष्ट आयोजन होते हैं। इस दिन अपनी मान-मनौती के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। मात्र 100 व्यक्तियों की छोटी-सी टोली इन सभी व्यवस्थाओं को संभालती है। यहाँ लोग अपनी परम्परानुसार माताजी को भोग लगाते हैं।

कहाँ ठहरें

यहाँ पर ठहरने के लिये कलकत्ता के भाला परिवार ने कुछ कमरे बनवाए हैं। ठहरने की व्यवस्था के लिये पंडाजी से आग्रह करना होता है। लॉज व ठहरने की अन्य उत्कृष्ट व्यवस्था मदनगंज-किशनगंज में हो जाती है। 'ए' क्लास आवास व्यवस्था के लिये अजमेर में अच्छे होटल हैं।

कैसे पहुँचें

ग्राम नौसल (कौठड़ी) अजमेर से सड़क मार्ग से 75 कि.मी. दूर रुपनगढ़-परबतसर मार्ग से कुछ अन्दर है। इसके लिये रूपनगढ़ से 15 कि.मी. की दूरी पर दायीं ओर कच्चा मार्ग नौसल कौठड़ी जाता है। अजमेर से भी एक सीधा कच्चा रास्ता है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-
रामनिवास जैथलिया (मुम्बई)
मो. 098204-01616

ओम बिड़ला

लोकसभा अध्यक्ष
भारत सरकार

सेवा के संकल्प को करें पूर्ण

समस्त माहेश्वरी बंधुओं, मातृशक्ति व नौजवान साथियों, माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर आप सभी का अभिनंदन करते हुए बहुत-बहुत शुभकामनाएं व बधाई देता हूं।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण आज संपूर्ण विश्व के साथ-साथ हमारा देश भी कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है। हम हमारे प्रधानमंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों व प्रदेश की जनता के सामूहिक प्रयासों से कोरोना महामारी को काफी हद तक हराने में सफल हुए हैं। अभी लॉकडाउन-4चल रहा है और इस लॉकडाउन- 4 के चलते हम इस पर्व को बहुत उत्सव व उमंग के साथ नहीं मना रहे हैं, लेकिन इस पर्व को हम संकल्प के साथ मना रहे है। भगवान महेश का घर में अभिषेक करके इस संकट के समय सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस पर्व को सादगी के साथ मनायें। हम सेवा, संकल्प, सहयोग और समर्पण इन चार सूत्रों के साथ इस पर्व को मना रहे हैं। मेरा सभी से आग्रह है कि इस पर देश के गरीब वंचित लोगों की सेवा करने का कार्य करें और समाज के मध्यम वर्ग के लोगों की भी सामूहिक सेवा करने की आवश्यकता है। यही हमारा दायित्व बनता है कि हम किस तरह से समाज के अन्य लोगों की मदद करें।

ओम बिड़ला

नितिन गडकरी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
भारत सरकार

सभी वर्ग को जागरुक करें

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उत्पत्ति दिवस ''महेश नवमी'' की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह जानकार प्रसन्नता है कि कोरोना वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए समाज अपने महत्वपूर्ण आयोजन को इस वर्ष डिजिटल प्लेटफार्म पर कर रहा है।

हम सबकी जिम्मेदारी है कि कोरोना से खुद को बचायें और समाज के सभी वर्ग को इसके प्रति जागरूक करें। माहेश्वरी समाज सदैव से राष्ट्रीय कर्त्तव्य के प्रति सजग रहा है।

आपके आयोजन की सफलता की शुभकमनाओं के साथ।

नितिन गडकरी

श्याम जाजू

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,
भारतीय जनता पार्टी

आत्मनिर्भर भारत केलिये हों तैयार

समस्त स्वजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाऐं व सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगलकामनाऐं।

कोरोना महामारी से होने वाली जनहानि से बचाने के लिये सम्पूर्ण विश्व को लॉकडाऊन के लिये विवश कर दिया। फिर भी देखा जाऐ तो विकासशील देश होने के बावजूद हमारा देश एकमात्र ऐसा देश है, जिसने आर्थिक चुनौती को भी स्वीकार कर सम्पूर्ण लॉकडाऊन को स्वीकार किया। ऐसे में चुनौतियां तो उत्पन्न हुईं लेकिन इसके साथ आत्मनिर्भरता की सोच भी उत्पन्न हुई।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का एक सपना देश के सामने रखा है। अभी चाहे यह सपना हो, लेकिन यदि हम इसके लिये कृतसंकल्पित हैं, तो इसे साकार होने में समय नहीं लगेगा। तो आईये इस पावन पर्व पर हम अपनी सामर्थ्य का अपने लिये और अपने राष्ट्र के विकास के लिये उपयोग करने का संकल्प लें।

श्याम जाजू

समाज की मदद में आगे आऐं

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को हार्दिक शुभकामनाऐं देते हुए महासभा की एक अपील पर उठ खड़े होने वाले इस समाजजनों का आभार व्यक्त करता हूँ।

कोरोनो महामारी ने सम्पूर्ण मानव समाज को ही खतरे में डाल दिया। ऐसे में माहेश्वरी समाज न सिर्फ समाजजनों अपितु राष्ट्र की मदद के लिये भी महासभा की एक अपील पर उठ खड़ा हुआ। इस बार का हमारा महेश नवमी पर्व इस महामारी के प्रभाव में लॉकडाऊन में ही आया। ऐसे में महासभा ने इसे सामूहिक रूप से न मनाकर अपने घर में ही रहते हुए संकल्प दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया था, जिसे सम्पूर्ण समाज ने सहर्ष स्वीकारा। इस पावन पर्व पर मैं समाजहित में इस मितव्ययिता से वैवाहिक आयोजन आयोजित करने व इससे होने वाली बचत को समाजहित में उपयोग करने का अनुरोध करता हूँ। मेरी व्यक्तिगत अपील है कि जिनके यहाँ संतान नहीं हैं, वे समाजजन समाज के बच्चों की देखरेख और शिक्षा की जिम्मेदारी भी लें। हम ऐसा कर अपने समाज के भविष्य को संवार देंगे।

श्यामसुन्दर सोनी

सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखें

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय अवसर पर सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी की इस विभीषिका के दौर में महेश नवमी का यह पर्व सामूहिक सम्पर्कों से दूर रहकर भी शुभ संकल्पों और चिंतन का पर्व बन गया है। आइए इस पर्व पर हम सभी आराध्य देव से प्रार्थना करें कि वह हम सभी को इतनी शक्ति दें कि हम स्वयं तो शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से समर्थ रहें ही साथ ही समाज के विकास व समाज हित के कार्यों में भी वर्तमान की तरह सदैव सहभागी बन सकें।

वर्तमान दौर में सम्पूर्ण विश्व ही कोरोना महामारी के कहर के कारण कराह उठा है। ऐसे में मानव होने के नाते जब हम एक-दूसरे के दुःख दर्द में साथ नहीं निभाएंगे, तब तक हम इस जीवन को सार्थकता सिद्ध नहीं होगी। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को हम जितना अधिक से अधिक विस्तार देंगे, उतना ही समाज में सुख-शांति और समृद्धि फैलेगी। इस पावन पर्व पर सभी बंधुओं को बहुत-बहुत बधाई।

पद्मश्री बंशीलाल राठी,
पूर्व सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सेवा भावना बनी रहे हमारी पहचान

समस्त स्वजातीयजनों को पावन पर्व महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं और सभी के स्वस्थ व सुखमय जीवन की भगवान महेश से कामना।

हम महेश नवमी पर्व प्रतिवर्ष मनाते आये हैं, लेकिन इस बार का यह पर्व हर बार के पर्व से कुछ अलग ही हटकर है। वैसे तो माहेश्वरी समाज अपने मानव सेवा-नारायण सेवा के आदर्शों पर हमेशा ही चलता आया है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के कारण चले लॉकडाऊन में समाज की इस सेवा भावना का सम्पूर्ण राष्ट्र साक्षी बना। जो कुछ नकारात्मक शक्तियां माहेश्वरी समाज की गलत छवि बनाने पर तुली हुई थी, हमारी सेवा भावना उनके लिये एक उत्तर है। इस पावन अवसर पर मैं सभी स्वजनों से अपने इन्हीं आदर्शों को कायम रखते हुऐ समाज को और भी गौरवान्वित करने की अपील करता हूँ।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

परिस्थितियां बदली लेकिन खुशियां कम नहीं हुई

महेश नवमी हमारे गौरवशाली समाज की आस्था एवं श्रद्धा का पावन पर्व है। इस बार यह उत्सव ऐसे दौर में आया है जब कोरोना महामारी के कारण पूरा देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व अस्त-व्यस्त है सामाजिक आयोजनों को सोश्यल डिस्टेसिंग की दृष्टि से डिजिटल साधनों के माध्यम का उपयोग करते हुए समूहिक समारोह की बड़ी उपस्थिति से बचें। इन विचित्र परिस्थितियों में हम अपना यह सामाजिक पर्व घर की चारदीवारी में ही रहकर मनाने के लिये विवश हैं, लेकिन प्रसन्नता इस बात की है कि हमारा उत्साह कम नहीं हुआ। सिर्फ परिस्थितियां बदलीं, लेकिन खुशियों में कोई अंतर नहीं आया। विशेष प्रसन्नता की बात यह है कि इस कोविड-19 की त्रासदी के कठिन दौर में भी समाजजनों ने जरूरतमंदों की जिस तरह सेवा की मिसाल कायम कर श्रेष्ठता का जो परिचय दिया उसने हमारे आराध्य भगवान महेश की प्रेरणा से उत्पन्न सेवा भाव को पुनः चरितार्थ करवा दिया। सभी समाज बंधुओं को मैं समाज के इस पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूं।

रामकुमार भुतड़ा
पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा
कोषाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश, भारतीय जनता पार्टी

बदली परिस्थितियों के अनुसार रहे तैयार

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वर्तमान में देश व देश के साथ हमारा समाज भी कोरोना महामारी के कारण चले लॉकडाऊन की स्थिति में भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है।

इस दौर में इस पावन अवसर पर मैं समाज से समाज के हर वर्ग की मदद और उनके मार्गदर्शन में अपने सक्रिय योगदान की अपील करता हूं। कारण यह है कि यह लॉकडाऊन व्यावसायिक क्षेत्र में दीर्घावधि के ऐसे व्यापक परिवर्तन लेकर आ रहा है, जिनके लिये हमें तैयार रहना पड़ेगा। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। तो आईये इस पावन पर्व पर हम भगवान महेश के आदर्शों पर चलने का संकल्प लें, क्योंकि यही हमें इस संकट से निपटने की शक्ति प्रदान करेंगे।

इस पावन अवसर पर सभी समाजबंधुओं को पुनः मंगलकामनाएं सभी स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें।

आनंद राठी
चेयरमेन,
आनंद राठी ग्रुप, मुंबई

रिश्तों की मिठास को बनाये रखें

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामनाएं देते हुए मैं समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना करता हूँ। कोरोना महामारी की विभीषिका ने हमें घर की चारदीवारी में कैद कर हमें परिवार के साथ रहने का अवसर देकर परिवार का महत्व समझाया है। वास्तव में देखा जाऐ तो हम जीवन की भागदौड़ में अपने पारिवारिक रिश्तों को महत्व नहीं दे पा रहे थे। हमारी व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा में पारिवारिक रिश्ते कहीं खो गये थे। अतः इस विपदा ने हमसे कुछ छीना है, तो पारिवारिक रिश्तों की मिठास भी दी है। आईये इस पावन पर्व पर हम संकल्प लें कि इस दौर ने हमें जो सही मार्ग दिखाया है, उसे भगवान महेश का प्रसाद मान हम रिश्तों की मिठास को कभी कम नहीं होने देंगे।

इस विपदा की घड़ी हम उन परिवारों के साथ खड़े रहें। उन्हें संपूर्ण सहयोग दें जिन्हें आज सहयोग की आवश्यकता है। इसे हम अपना उत्तरदायित्व मानकर निर्वाह करें। महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूं!

कमल गांधी, कोलकाता
पूर्व कार्यसमिति सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

नयी पीढ़ी को बताऐं समाज का महत्व

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामनाऐं देते हुए मैं समाज की सेवा भावना, व्यावसायिक सामर्थ्य तथा परम मानवीय संवेदना को अक्षुण्ण रखने की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

कोरोना महामारी की विभिषिका ने हमें घर की चारदीवारी में कैद कर हमारे सामाजिक सम्पर्कों को भौतिक रूप से कुछ समय के लिये ही सही लेकिन सीमित करने का प्रयास तो किया ही है, लेकिन इसके साथ ही कमजोर होते पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का काम भी किया है। लॉकडाऊन ने हमें परिवार के साथ रहने का अवसर देकर परिवार का महत्व समझाया है। ऐसे में इसी दौर में आया यह हमारा उत्पत्ति पर्व वास्तव में हमारा आत्मचिंन का पर्व ही है कि हम अपने समाज रूपी इस वृहद परिवार के महत्व पर भी चिंतन कर सकें। याद रखें हमारा समाज वह समाज है, जो इस विकट स्थिति में बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद की मदद के लिये भी उठ खड़ा हुआ। अतः इस पावन पर्व पर समाज संगठन से दूर होती हमारी नयी पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि हम ऐसे समाज के साथ हैं, तो कितने सुरक्षित और अपनत्व से परिपूरित रहेंगे।

राम अवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी बोर्ड,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

आदर्श 37/1, साउथ तुकोगंज
इंदौर (म.प्र.)-
मो. 98260-44000

'आत्मनिर्भर' बनाने में करें योगदान

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूं! कोरोना वायरस की इस विपदा की घड़ी में समस्त जन-जीवन, व्यापार-व्यवसाय इत्यादि प्रभावित हुआ है कोई भी बंधू इससे अछूता नहीं रहा है। यह समाज, राष्ट्र व संपूर्ण विश्व की मानव जाति पर आए हुए संकट का समय है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय युवा संगठन यह महसूस करता है कि माहेश्वरी समाज के अनेक परिवार इस लोकडाउन की स्थिति में काफी प्रभावित हुए हैं और वित्तीय परेशानियों का सामना कर रहे है। ऐसे जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों की आर्थिक सहायता करने का राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा प्रयास किया गया और मुझे प्रसन्नता है कि युवा संगठन ऐसे परिवारों की सहायता करने में सफल हुआ है।

इसी क्रम में अनेक जरूरतमंद परिवार सामने आए हैं, जिनको आर्थिक रूप से स्वावलंबन बनाना आवश्यक है। हमारा ऐसा प्रयास होना चाहिए कि ऐसे परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके तथा ऐसे परिवार अपने स्वयं का व्यापार-व्यवसाय सतत संचालित कर सके व **'आत्मनिर्भर'** बन सके। यह मुश्किल कार्य जरूर है लेकिन नामुमकिन नहीं, संपूर्ण समाज की सहभागिता से इस कार्य में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस पावन पर्व पर संकल्प ले की हम समाज के आर्थिक रूप से जरूरतमंद परिवारों को **'आत्मनिर्भर'** बनाने में तन-मन-धन से सहयोग करेंगे। 'अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन विपदा की घड़ी में हर संभव सहयोग करने हेतु तत्पर है।'

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

मदद के लिए आऐं आगे

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति भगवान उमा महेश के आशीर्वाद से हुई और उन्होंने ही हमें क्षत्रिय धर्म का त्यागकर वैश्य धर्म अंगीकार करने का आदेश दिया। भगवान महेश के नाम से ही हम माहेश्वरी कहलाए। परम आदरणीय समाज बंधुओं, बहनों, युवा भाईयों जय महेश।

भगवान उमा महेश की अनुकम्पा से इस वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 की संकटकालीन परिस्थितियों में सकुशल होंगे। समाज के उत्पतित दिवस महेश नवमी की आप सभी को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित हैं। इस वर्ष लाकडाउन में रहकर हम हमारे जातीय पर्व को सामुहिक एवं सार्वजनिक रूप से मनाने में असमर्थ रहेंगे। आमजन सभी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। समाज की तीनों शीर्षस्थ संस्थाऐं महासभा, महिला संगठन युवा संगठन अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं। परंतु स्थानीय, जिला एवं प्रादेशिक स्तर पर हम शोभायात्रा , सांस्कृतिक संध्या एवं सहभोज में जो खर्च करते हैं, वह राशि समाज के जरूरतदों के सहयोग पर व्यय करें। उनका सहयोग ही हमारी सच्ची समाज सेवा है।

पुनः बधाई धन्यवाद जय महेश

आशा माहेश्वरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

कायम रखें सेवा भावना

महेश नवमी पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगल कामना।

यह पावन पर्व अपने अतीत के स्मरण का भी पर्व रहा है, लेकिन इस बार का यह पर्व स्वयं अपने - आपमें अतीत की स्मृति में शामिल हो जाऐगा। कारण है प्रथम बार ऐसा हुआ है कि हमें घर की चारदीवारी में रहकर यह पर्व मनाना पड़ रहा है। प्रसन्नता का विषय है कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाऊन की स्थिति में भी हमने अपने जीवन के परम्परागत सेवाभाव के आदर्शों को अक्षुण्य ही रखा। इस दौरान जब स्वयं की आय भी थम गयी थी, लेकिन हमने अपने संचित धन का उपयोग भी इस दौरान पीढ़ित मानवता की सेवा के लिये ही किया। आईये इस पावन अवसर पर शपथ लें कि भविष्य में भी दिखावे में धन का अपव्यय न कर इसे देश व समाज के उत्थान में व्यय करेंगे। याद रखें हमारे समाज की कीर्ति का आधार स्तंभ ही हमारी सेवा भावना है, जिसे हमें कायम रखना है।

कमलकिशोर चांडक

पूर्व संयुक्त मंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

प्रकृति संरक्षण का लें संकल्प

समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की सभी स्वजनों को शुभकामनाऐं देते हुए मैं इस पावन पर्व पर भगवान महेश के मूल आदर्शों को आत्मसात करने की अपील करता हूँ।

भगवान महेश वास्तव में प्रकृति के रक्षक हैं। यही कारण है कि उनका निवास सुरम्य वन में कहा गया है और उनके सेवक विभिन्न जीव-जंतु हैं। उनके शीश पर प्रकृति का प्रतीका चंद्र विराजित है। इसका अर्थ ही यह है कि सृष्टि में समस्त सुख प्रकृति संरक्षण में ही निहित हैं। जब भी हम प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करते हैं, हमें उसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पढ़ती है। अभी तक जो भी प्राकृतिक विपदाऐं आयीं हैं, सभी में कहीं न कहीं दोष मानवीय भूल का ही है। हो सकता है, कोरोना महामारी भी प्रकृति के साथ ऐसी ही एक छेड़छाड़ हो। तो आईये इस पावन पर्व पर हम प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें। यह संकल्प ही सही मायने में भगवान महेश सच्चा अभिषेक होगा। सभी समाजबंधुओं को पुनः मंगलकामनाएँ।

त्रिभुवन काबरा

उपाध्यक्ष (मध्यांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

यह बने हर माहेश्वरी का पर्व

समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की भगवान महेश से कामना करता हूं।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि देश-विदेश में बसे समाजजनों ने कोरोना महामारी के कारण चल रहे लॉकडाऊन की इस स्थिति में भी घर पर रहकर ही सही लेकिन पूरे उत्साह के साथ महेश नवमी पर्व मनाया। इस बार के हमारे इस आयोजन और पूर्व के पर्व में बहुत कुछ अन्तर रहा, इस बाद हम इसे सामूहिक आयोजनो के साथ भव्य रूप में नहीं मना पाऐ। फिर भी देखा जाऐ तो इसे लेकर हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं रही। यही स्थिति यह व्यक्त करती है कि हमारे मन मस्तिष्क में अपने सामाजिक आदर्शों के प्रति कितना सम्मान का भाव है। अब जरूरत इसे हर माहेश्वरी का पर्व बनाने की है, यदि हम ऐसा कर पाऐ तो ही सच्चे अर्थों में इस पर्व को वह महत्व दे पाएंगे, जिसकी वास्तव में जरूरत है।

अशोक सोमानी

उपसभापति, (उत्तरांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

चुनौतियों के लिये तैयार रहें

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

वैश्विक महामारी कोरोना के कारण आज सम्पूर्ण विश्व के साथ हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं सभी प्रदेश के मुख्यमंत्रियों द्वारा इस महामारी को हराने का प्रयास किया जा रहा है।

लॉकडाऊन की स्थिति ने हमारे सामने भी भीषण आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। बस इसके लिये अपने आपको तैयार करने की जरूरत है। हमारा समाज इस विषम परिस्थिति में समजाबंधुओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग के लिये खड़ा है। अतः हम भगवान महेश से इस पावन अवसर पर कामना करें कि वे हमें इस संकट से निपटने की शक्ति प्रदान करें तथा सभी समाजबंधुओं से आग्रह है कि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा दिये दिशा निर्देशों के तहत यह पर्व सादगी पूर्ण मनाएं।

राजेश कृष्ण बिड़ला

उपसभापति पश्चिमांचल
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मानवता की सेवा ही हमारी पहचान

महेश नवमी पर्व की सभी को शुभकामनाऐं देते हुए समाज के आदर्शों को अक्षुण्ण रखने की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

कोरोना महामारी की विभीषिका में समाजजनों ने जिस तरह पीढ़ित मानवता की सेवा की उससे अपने माहेश्वरी होने पर गर्व हो गया। भगवान महेश स्वयं जगत के पालनहार हैं, ऐसे में समाज ने इस पावन अवसर पर उनके आदर्श को ही सभी के सामने प्रस्तुत किया है। वर्तमान दौर में जब निहित स्वार्थ के लिये दुष्प्रचार किया जाता है, तो ऐसे में हमारे ये कार्य युवा पीढ़ी को समाज की पहचान दिलाने में सहयोगी बनेंगे। आईये संकल्प लें हमारा मानवता की सेवा का यह अभियान यूं ही चलता रहे। हम अपने इस उत्पत्ति दिवस महेश नवमी को "माहेश्वरी दिवस" के रूप में मनाएं। माहेश्वरी दिवस अर्थात् वह दिवस जो प्रत्येक समाज जन का हो और जिसे दीपावली-दशहरे की तरह सभी समाज जन पूरे उत्साह के साथ मनाएँ।

श्याम सुंदर राठी, आणंद
पूर्व कार्य समिति सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

निस्वार्थ भाव से करें सेवा

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय अवसर पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस समय पूरा विश्व कोराना वायरस के संकट से जूझ रहा है। विपदा की इस घड़ी में समाज को एकजुटता और समर्पण के भाव के साथ देशहित में अपना योगदान देना है। ईश्वर ने हमें सेवा करने का मौका दिया है इसलिए देश पर आए इस संकटकाल में समर्थ समाजबंधु किसी ने किसी रूप में अपना दायित्व अवश्य निभाएं क्योंकि पीड़ितों की सेवा करना ही असली सेवा है। महेश नवमी का उत्सव भी मानव जगत कल्याण और परोपकार के कर्म कररने का संदेश देता है। महेश नवमी मनाने की हमारी सार्थकता भी तभी सिद्ध होगी जब हम जरूरतमंद के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निस्वार्थ भाव से करें।

संपूर्ण विश्व का कल्याण करने वाले भगवान शिव से यही प्रार्थना है कि विश्व में आई इस विपदा से सबको बचाएं, सबका कल्याण करें तथा सभी को स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दें।

वैद्यराज रमेश कुमार माहेश्वरी,
पूर्व संयुक्त मंत्री मध्यांचल
अ.भा.माहेश्वरी महासभा

चुनौतियों के लिये तैयार रहें

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी के कारण चले लॉकडाऊन की स्थिति ने हमारे सामने भी भीषण आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। वर्तमान में अर्थ व्यवस्था को जो नुकसान हुआ है, निश्चित रूप से उसे पुनः सुदृढ़ बनाने में माहेश्वरी समाज अपना योगदान देने में पीछे नहीं रहेगा और इसमें वह समर्थ भी है। बस इसके लिये अपने आपको तैयार करने की जरूरत है। वर्तमान में उत्पन्न हुई चुनौतियों को हम सिर्फ चुनौतियों के रूप में न लेते हुए अवसर के रूप में भी लें। अतः आईये हम भगवान महेश से इस पावन अवसर पर कामना करें कि वे हमें इस संकट से निपटने की शक्ति प्रदान करें।

राजेन्द्र ईनानी
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष,
पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा,
बागली

अपने कर्तव्य का करें निर्धारण

समाज के गौरवशाली उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की सभी स्वजनों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ।

कोरोना महामारी के इस दौर को हम सभी ने निकट से देखा और देशभर में माहेश्वरी समाज द्वारा चलायी गई सेवा गतिविधियों को भी देखा। ऐसे में हर कोई अपने आपको माहेश्वरी समाज से सम्बद्ध महसूस करने में ही गर्व का अनुभव कर सकता है। इस पावन अवसर पर मैं समाज की युवा शक्ति से विनम्र अपील करना चाहता हूँ कि वे समाज के गौरवशाली इतिहास को जाने व समझें तथा समाज के इस गौर को कायम रखने के लिय अपने कर्तव्यों का निर्धारण करें।

याद रखें हमारी युवा पीढ़ी ही हमारा भविष्य है, जब वह समाज को ठीक से जानेगी और उस पर गर्व करेगी तभी हम अपने समाज के भविष्य को बचा सकेंगे।

रामकुमार टावरी
पूर्व संयुक्त मंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
नई दिल्ली

विश्व कल्याण की रखें भावना

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस की सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी की इस विभीषिका के दौर में महेश नवमी का यह पर्व सामूहिक सम्पर्कों से दूर रहकर भी शुभ संकल्पों का पर्व बन गया है। हम सभी इस अवसर पर भगवान महेश से प्रार्थना करें कि वे न केवल माहेश्वरी समाज अपितु सम्पूर्ण जगत का कल्याण करें और इस महामारी से सभी की रक्षा करें। वर्तमान दौर में सम्पूर्ण विश्व ही कोरोना महामारी से पीढ़ित है। ऐसे में मानव होने के नाते जब हम एक-दूसरे के दुःख दर्द में साथ नहीं निभाएंगे, तब तक हम अपने आपको भगवान महेश की संतान नहीं कह सकते। आईये इस पावन पर्व पर संकल्प लें कि हम समाज के अपने जरूरतमंद भाइयों की मदद करेंगे ही, साथ ही पीढ़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान देने में भी पीछे नहीं रहेंगे।

बाबूप्रसाद खटोड़, अहमदाबाद
कार्य समिति सदस्य,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कायम रखें समाज की पहचान

समाज के वंशोत्पती महेश नवमी के पावन पर्व पर आपको और आपके परिवार जनों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपका जीवन मंगलमय हो एवं आप स्वस्थ रहें, यही मेरी मंगलकामनाएं हैं।

आइये इस महेश नवमी को दिखावे का नहीं सार्थकता का त्यौहार मनाएं। इसे दायित्वों व कर्तव्यों के प्रति जागरुकता तथा समर्पण का पर्व मनाएं। आज पूरा विश्व कोरोना या कोविड-19 जैसी महामारी से पीड़ित हैं। ऐसे में लॉकडाउन जैसी कठिन परेशानियों के दौर में भी स्वर्णिम अवसर ढूंढकर पूरे समाज को एक नयी दिशा देवें, तो महेश नवमी का महत्व और भी सार्थक होगा। यही भाव हमारे समाज का होना चाहिए - काम करेंगे, करते रहेंगे, न कोई फल की इच्छा, न कोई पद की चाह, न कोई मान सम्मान। बस हम भी कमल की तरह खिलते रहें, मंगल करते रहें। महेश नवमी के इस पावन पर्व पर यही संदेश देना चाहूंगी कि आइए हम सब मिलकर समाज हितार्थ एवं जन हितार्थ कार्यों से स्वयं को आहूत करें ।

निर्मला मल्ल, कोलकाता
अध्यक्ष, वृहतर कोलकाता प्रादेशिक
माहेश्वरी महिला संगठन

मानवता की करें सेवा

सभी को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं और सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगल कामना।

अपना सामाजिक उत्पत्ति पर्व महेश नवमी हम हमेशा ही सामूहिक आयोजनों के साथ उत्साहपूर्वक मनाते आये हैं। प्रथम बार ऐसा हुआ है कि हमें घर की चारदीवारी में रहकर यह पर्व मनाना पड़ रहा है, लेकिन इस बीच भी हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं आ पायी, सिर्फ बदला तो आयोजन का स्वरूप। प्रसन्नता का विषय है कि अपनी गरिमामय परम्परानुसार इस विपदा के दौरान भी तन-मन-धन से मानवता की सेवा कर हमने अपने सद्संकल्पों का पालन किया है। अपने इस सेवा अभियान में हमने जाति एवं धर्म की सीमाओं से परे जाकर निःस्वार्थ भाव से मानवता की सच्ची सेवा ही की है। आईये इस पावन अवसर पर दिखावे से दूर रहकर इस धन का उपयोग मानवता की सेवा में करने का संकल्प लें।

रमेश बंग, हैदराबाद
पूर्व अर्थ मंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कायम रखें समाज की पहचान

आत्म चिंतन, पारिवारिक चिंतन, सामाजिक चिंतन के इस दिवस की सभी को शुभकामनाएं।

हमारे जनक भगवान उमा महेश्वर ने जगत की रक्षा हेतु समुद्र मंथन से निकला विष भी अपने कण्ठ में धारण कर लिया था। उन्ही देवादिदेव महेश के हम वंशज इस पवित्र दिवस पर संकल्प ले कि हमारे संस्कारों का जतन करेंगे। अभी जो कोरोना विपदा रूपी तूफान का साया सब पर छाया हुआ है, अनेकानेक बंदिशों में हम सब बंधे हुए हैं। परंतु सेवा के संस्कारों के कारण ही हमारे समाजबंधुओं ने मुक्त हाथो से इस महामारी से पीड़ित मानवता की सेवा में न सिर्फ आर्थिक सहयोग वरन भोजन वितरण, सूखी राशन सामग्री वितरण, सेनेटाइजर व मास्क (स्वयं सिलाई करके) वितरण, परिवार से दूर रह रहे परिजनों को घर पहुचने में मदद करने जैसे सेवा के कार्य करके हमारे घोष वाक्य "सेवा-त्याग-सदाचार" का मान रखा। इसी सेवा त्याग सदाचार ने हमारे समाज को विशेष पहचान दी है। हम इस पहचान को कायम रखें, ये हमारा परम कर्तव्य है।

मधुलता ललित बाहेती
राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

शालीनता से करें जरुरतमंदों का सहयोग

माहेश्वरी समाज के समस्त समाज बंधुओं को 'वंशोत्पति दिवस 2020' की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं!

माहेश्वरी समाज का साधारण से साधारण व्यक्ति भी बिना किसी बड़ी मजबूरी के शताब्दी पश्चात व्याप्त इस कोरोना त्रासदी के समय अपनी भीतरी अंतःकरण से छोटा मोटा सहयोग स्वीकार नही करना चाहेगा। अतः समाज की सर्वोच्चतम से लेकर गाँव के समाज तक की विभिन्न संस्थाओं को अपने सहयोग कार्यक्रम को अत्यंत शालीनता एवं नितांत गोपनीयता से संचालित करना चाहिए। आने वाले समय मे इस त्रासदी का कहर बड़े से बड़े उधोगपति-व्यापारी से लेकर छोटी - मोटी नौकरी करने वाले किसी भी सदस्य पर पड़ सकता है। समाज के विभिन्न स्थापित ट्रस्ट के सदस्यों को भी ऐसे समय मे समाज के अंतिम बन्धु तक सहयोग का हाथ निःस्वार्थ भाव से बढ़ाना चाहिए। भगवान महेश हम सभी को इस त्रासदी से उबरने की शक्ति प्रदान करें, ऐसी विनम्र प्रार्थना।

जयकिशन सारडा, काठमांडू (नेपाल)
पूर्व अध्यक्ष नेपाल माहेश्वरी परिषद (नेपाल चेप्टर)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कोई नहीं छीन सकता हमारा उत्साह

समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की भगवान महेश से कामना करता हूं।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि देश-विदेश में बसे समाजजनों ने कोरोना महामारी के कारण चल रहे लॉकडाऊन की इस स्थिति में घर पर रहकर भी पूरे उत्साह के साथ महेश नवमी पर्व मनाया। इस वर्ष के आयोजन और पूर्व के पर्व में अन्तर रहा, तो बस इतना कि इसे इस बार सामूहिक आयोजनो के साथ भव्य रूप में नहीं मना पाऐ। इस स्थिति ने यह सिद्ध कर दिखाया कि हमसे हमारा उत्साह कोई नहीं छीन सकता है। हमारी हमारे उत्पत्ति पर्व के प्रति कितनी अधिक अगाध श्रद्धा है। इस वर्ष के आयोजन और पूर्व के पर्व में अन्तर रहा, तो बस इतना कि इसे इस बार सामूहिक आयोजनों के साथ भव्य रूप में नहीं मना पाऐ।

गोविन्द मालू
पूर्व उपाध्यक्ष खनिज विकास मंडल
मध्यप्रदेश शासन

प्रकृति के संदेश को समझें

समूची दुनिया को हैरान कर देने वाला कोरोना वायरस चालबाज चीन की साजिश है, लेकिन हम इससे इनकार नहीं कर सकते कि यह प्रकृति के साथ हमारी निर्थक छेड़छाड़ का नतीजा भी है, चाहे यह किसी ने भी की हो।

अतः हम सब अपना स्वार्थ त्याग कर प्रकृति की अनमोल संपदा पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, झील-जलाशय, नदी-पहाड़ व झरनों आदि का संरक्षण करें। पॉलीथिन का उपयोग न करें। बड़ी मात्रा में पौधे लगाकर पेड़ बनाएं। पक्षियों को दाना पानी डालें। गाय को घास व कुत्तों को रोटी आदि खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएं। समाज बंधु अन्य लोगों को प्रेरणा देने के लिए सप्ताह में 1 दिन साइकिल का उपयोग कर प्रदूषण नियंत्रण कर सकते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि हमारे पूर्वज प्रकृति को मां का दर्जा देते थे। उन्होंने हमें प्रकृति का सम्मान करने की शिक्षा भी दी है। तो आईये हमारी वंशोत्पत्ति के इस पर्व पर हम मनुष्य की ही नहीं अपितु सम्पूर्ण पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प लें।

बाबूलाल जाजू, भीलवाड़ा
ख्यात पर्यावरणविद्

हर स्थितियों के लिये रहें तैयार

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं व सभी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाऐं।

हमारा समाज भी सम्पूर्ण राष्ट्र के साथ कोरोना महामारी के कारण चले लॉकडाऊन की स्थिति में भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर चुका है। इसने कई व्यावसायिक गतिविधियों में आमूलचूल परिवर्तन किया है। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। ऐसी स्थिति में हमें मानसिक रूप से नई परिस्थितियों के अनुसार के लिए तैयार होना ही पड़ेगा, साथ ही अपने व्यवसाय को भी इस नई परिस्थिति के रंग-ढंग में सफलता पूर्वक संचालित करने की योजना बनानी होगी। आईये इस पावन पर्व पर हम भगवान महेश के आदर्शों पर चलते हुऐ आदर्श रूप में ही अपने व्यवसाय को मानव कल्याण के साथ स्थापित करने का संकल्प लें।

घनश्याम करनानी, कोलकाता
पूर्व प्रबंध न्यासी,
श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

महेश नवमी पर्व पर अपनों के द्वारा अपनों की मदद

'माहेश्वरी सेवा संकल्प' करेगी जरुरतमंदों को आर्थिक सहयोग

कोरोना महामारी के लॉकडाऊन में आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे 5 हजार परिवारों की करेंगे मदद

मुंबई। माहेश्वरी समाज के ख्यात समाजसेवियों के नेतृत्व में गठित 'माहेश्वरी सेवा संकल्प' संस्था के समर्पित समाजसेवियों ने मिलकर कोरोना महामारी के कारण चल रहे लॉकडाऊन के कारण आर्थिक परेशानी से जूझ रहे समाजजनों के सहयोग के लिये हाथ बढ़ाया है। इसके लिये उन्होंने संस्था 'माहेश्वरी सेवा संकल्प' के द्वारा समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर कोरोना वैश्विक महामारी से प्रभावित प्रारंभिक रूप में लगभग 5000 परिवारों को 3,000/- रूपये की राशि प्रति परिवार सहयोग के रूप में देने का निश्चय किया गया है। जिसे 1500-1500 रुपये की दो किश्तों में दिया जाएगा।

कोरोना महामारी से जीवन रक्षा के लिये पूरे देश में दो माह से भी अधिक समय से लॉकडाऊन चल रहा है। इसने इस दीर्घअवधि में सभी उद्योग-व्यवसाय को थाम दिया है। इससे कोरोना संक्रमण बढ़ने से तो रूका, लेकिन इसने लोगों की नौकरी छीन ली, कई छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से भीषण संकट में लाकर खड़ा कर दिया। इनमें समाज के कई परिवार ऐसे भी हैं, जो अपने स्वाभिमान के कारण शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे स्वजातीय बंधु इस संकट में अपने को असहाय न समझें, इसके लिये संस्था 'माहेश्वरी सेवा संकल्प' द्वारा यह योजना तैयार की गई है। इसके कोष में संस्था के सदस्य यथासामर्थ्य अपना योगदान देंगे। इस योजना का लक्ष्य समाज के ऐसे अपनों को आर्थिक सम्बल देकर उनके सम्मान की रक्षा करना है।

ये बने इस सेवा में सहयोगी

इस संस्था के माध्यम से सेवा के लिए समाज के कईं समाजसेवी आगे आए हैं। इनमें प्रमुख रूप से पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई), पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा (मुंबई), आनंद राठी (मुंबई), रामकुमार भूतड़ा (जालौर), रामअवतार जाजू (इंदौर), कमल गांधी (कोलकता), अरूण कुमार जोधराज लड्ढा (कोलकाता), सीए सुशील माहेश्वरी (मुंबई), कमलकिशोर चांडक (खींवसर), चतुर्भुज राठी (दुर्ग), नवनीत सोमानी (भीलवाड़ा), सीए सुधीर बाहेती (नागपुर), ज्योति प्रसाद माहेश्वरी (जयपुर), जे.एम. बूब (जोधपुर), राजकुमार लड्ढा (बैंगलोर), रामरतन भूतड़ा (सूरत), कैलाश बियानी (मुंबई), श्यामसुंदर मंत्री (कुचामनसिटी), डॉ.एस.एन. चांडक (नईदिल्ली), रमेशकुमार बंग (हैदराबाद), राजूभाई चांडक (सूरत), मनोहरलाल पुंगलिया (जोधपुर), वैद्यराज रमेश कुमार माहेश्वरी (भोपाल), भवंरलाल सोनी (जोधपुर), शोभा सादानी (कोलकाता), सरला काबरा (गोहाटी), सहित समाज बंधुओं ने इस यज्ञ में आहुति देने की घोषणा की है।

ऐसे करेगी संस्था सहयोग

संस्था माहेश्वरी सेवा संकल्प ऐसे जरूरतमंद परिवारो से आवेदन आमंत्रित कर देशभर के ऐसे 5000 परिवारों को 3,000/- रूपये प्रति परिवार आर्थिक सहयोग प्रदान करेगी। इसके लिये संस्था सदस्य स्वयं भी जानकारी प्राप्त होने पर जरूरतमंद परिवार से सम्पर्क कर सहयोग की समस्त औपचारिकताऐं पूर्ण करवाऐंगे। इसमें लक्ष्य रहेगा कि ऐसे हितग्राही परिवारों की जानकारी गुप्त रहे, जिसस उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित न हो। सेवा संकल्प संस्था के सभी सदस्यों ने समाज बंधुओं से समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर हार्दिक मंगलकामनायें देते हुए अनुरोध किया है कि इस समय हम सबको मिलकर कोरोना वैश्विक महामारी को हराना है। सभी लोग लॉक डाउन में सरकार द्वारा निर्देशित नियमों का पालन करते हुए समाज की गरिमा का परिचय दे और अन्य लोगों के लिए आदर्श बने।

ऐसे प्राप्त करें सहायता

इच्छुक समाजजन 'माहेश्वरी सेवा संकल्प' संस्था की ई मेल आईडी maheshwarisevasankalp@gmail.com या मोबाइल नंबर **98212-09602** पर वाट्सएप कर अत्यंत सामान्य प्रारूप में आवेदन कर इस योजना का लाभ लें सकते हैं। इसका लाभ लेने के लिए प्रार्थी को अपना नाम, पिता का नाम, गोत्र, पिनकोड सहित पता, आधार कार्ड की जानकारी एवं बैंक खाता क्रमांक, आईएफएससी कोड सहित तथा संपर्क दूरभाष एवं मोबाइल नंबर के साथ आवेदन करना होगा। इस आवेदन पर संस्था तत्काल कार्यवाही कर सहायता प्रदान करेगी।

आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र ने भी संकट के इस दौर में मदद के बढ़ाये हाथ

ऋण सहायता की बकाया किश्तें जमा करवाने की अवधि में दी छूट

चैन्नई। वर्तमान में कोरोना महामारी ने सम्पूर्ण मानव जाति के लिये ही खतरा उत्पन्न कर दिया है। अभी तक इसकी न तो कोई निर्धारित दवा खोजी जा सकी है और न ही टीका। ऐसे में बचाव ही इससे उपाय है। इसी कारण विश्व के कई देशों की तरह भारत में भी इससे बचाव के लिये लम्बे समय से लॉकडाऊन चलता रहा है। इस स्थिति ने देश की अर्थव्यवस्था को डांवाडोल करके रख दिया है। ऐसे में सरकार बैंक ऋण की किश्तों में छूट सहित विभिन्न राहत योजना चला रही है। इस स्थिति में प्रभावित समाजजनों को आर्थिक सहयोग देने के लिये नव व्यवसायियों को सहायता देने वाली संस्था श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र भी आगे आयी है।

केन्द्र के कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी ने बताया कि कोरोना महामारी से बचाव के लिये चल रहे राष्ट्रव्यापी लॉकडाऊन के कारण विगत 3 माह से देश के सभी उद्योग, व्यवसाय आदि बंद हैं। इस स्थिति के कारण कई कई नव व्यवसायी संकट की स्थिति में आ गये हैं। श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र नव व्यवसायियों को अपना व्यवसाय स्थापित करने हेतु हमेशा ही सहयोग प्रदान करता रहा है। इसके लिये वह न सिर्फ ऋण सहायता प्रदान करता है, बल्कि तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। देश की इस आर्थिक संकट की स्थिति में केन्द्र से ऋण सहायता प्राप्त समाज के हितग्राहियों की मदद के लिये भी आगे आया है। इसके लिये केन्द्र द्वारा ऋण सहायता प्राप्त समाजजनों को बकाया किश्तें जमा करने की अवधि में छूट दी गई है।

किश्त भरने में दी और रियायत

श्री राठी ने बताया कि लगातार चल रहे लॉकडाउन एवं समाज व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र से सहायता प्राप्त हितग्राही बंधुओं की मार्च, अप्रैल एवं मई 2020 की वापसी किश्तें 3 माह के लि आगे बढ़ा दी गई थी। जैसे- मार्च की किश्त जून में, अप्रैल की किश्त जुलाई में और मई की किश्त अगस्त माह में भरने की छूट प्रदान की गई थी लेकिन अभी भी महामारी के संक्रमण में कोई सुधार नहीं हुआ है। अतः विशेष परिस्थिति में केंद्र ने इस अवधि की बकाया किश्त की सीमा को 6 माह आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अतः इस अवधि की किश्तों की वापसी हेतु हितग्राही बंधुओं को 6 माह की छूट (मोरेटोरियम) का विकल्प प्रदान किया गया है। इस अवधि के लिए केंद्र द्वारा कोई भी अतिरिक्त शुल्क या विलम्ब शुल्क नहीं लिया जावेगा और इसे नियमित भुगतान ही माना जावेगा। सम्पूर्ण राशि प्राप्त होने पर हितग्राही बंधुओं को सेवा शुल्क में नियमानुसार छूट का लाभ मिलेगा।

अपनी समस्या बताने में संकोच न करें

कार्याध्यक्ष श्री राठी ने बताया कि केन्द्र की स्थापना समाज के आर्थिक विकास के लिये हुई थी और केन्द्र इसके लिये दृढ़ संकल्पित है। वर्तमान में लॉकडाऊन के कारण उत्पन्न हुऐ आर्थिक संकट ने कई समाजजनों को परेशानी में डाल दिया है। कई व्यवसायी अपने व्यवसाय को चलाने के लिये पूंजी की कमी से जूझ रहे हैं, तो वहीं कई नौकरीपेशा लोगों की नौकरी छूट चुकी है। केन्द्र ऐसे जरूरतमंद समाजजनों की मदद में भी पीछे नहीं रहेगा। इसके लिये स्व व्यवसाय हेतु निधारित प्रक्रिया के अन्तर्गत केन्द्र से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया जा सकता है। इसके साथ ही केंद्र से सहायता प्राप्त ऐसे हितग्राही बंधुओं जिन्होंने केंद्र की ऋण सहायता की अधिकांश किस्तें 60 से 80 प्रतिशत राशि समय पर जमा करवा दी है, उन्हें केंद्र द्वारा सुलभ ऋण भी प्रदान किया जा सकता है। इसके लिये प्रदेश एवं जिला सभा की विशेष सिफारिश पर पुनः ऋण सहायता का निवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।

बिजकॉन ऑनलाईन प्लेटफार्म से भी दिखाई 'बिजनेस की नई राहें'

कई विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन ■ कोरोना के साये में हुए प्रथम ऑनलाईन आयोजन ने तोड़े रिकार्ड

पुणे। गत 5 वर्षों से माहेश्वरी समाज के नवउद्यमियों को व्यवसाय की नई राह दिखाने के लिए एमआईजी पुणे द्वारा संचालित एम सर्कल चैन्नई, एम.एस.एफ. सूरत एवं महेश फाउंडेशन हैदराबाद के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले बिजनेस कॉन्क्लेव 'बिजकॉन' का आयोजन इस वर्ष प्रथम बार ऑनलाईन रूप से 'जूम एप' के माध्यम से गत 1 व 2 मई को किया गया। कोरोना महामारी में वर्तमान में चल रहे लॉकडाऊन के कारण सामुहिक आयोजन प्रतिबंधित हैं, ऐसे में इस आयोजन पर खतरा मंडरा रहा था, लेकिन आयोजकों ने भी इसे चुनौती पूर्ण ढंग से लेते हुऐ प्रथम बार इसका आयोजन ऑनलाईन किया। इससे इसकी सफलता पर प्रश्न चिह्न लगने लगा था, लेकिन इसमें ऑनलाईन रूप से शामिल 2 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित करवा दिया।

BiZ CON 2020
INITIATIVE BY MIG,PUNE
Connect → Create → Collaborate

शालिनी मूंदड़ा, पुणे

वर्तमान दौर में उद्यमियों व व्यवसायियों का समाज माने जाने वाला माहेश्वरी समाज एक अपनी इस पहचान को खोने के संकट से गुजर रहा है। कारण है समाज की युवा पीढ़ी का व्यवसाय से दूर हटकर नौकरी की ओर कदम बढ़ाना। इसी स्थिति को देखकर समाज के युवा वर्ग को मार्गदर्शित कर बिजनेस क्षेत्र में शिखर की ऊंचाई प्राप्त करने के गुर सिखाने के लक्ष्य को लेकर बिजकॉन का आयोजन लगभग गत 5 वर्षों से किया जा रहा है। वर्ष 2015 में पुणे में आयोजित कॉन्क्लेव 'बिजकाँन' द्वारा इस प्रयास के सुरेश लखोटिया की सोच व नीलेश लद्दड, आशीष डालिया तथा राहुल मोहता के सहयोग से एमआईजी के बैनर तले शुरूआत हुई थी। इसमें मात्र 425 औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल हुए लेकिन इसकी उपयोगिता जरूर सामने आयी। वर्ष 2017 में एमएसएफ सूरत के बैनर पर श्याम राठी, नवल राठी, मनीष जाजू के सहयोग से सूरत में आयोजित हुआ, जिसमें 625 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका परिणाम यह रहा कि प्रतिवर्ष इस आयोजन में उत्तरोत्तर वृद्धि होती ही गई। इसके पश्चात हैदराबाद में महेश फाउंडेशन के बैनर तले हरिनारायण राठी, उमेशकुमार राठी तथा लक्ष्मीनारायण बांगड़, दीपक भट्टड़ के नेतृत्व में साथ ही एमआईजी अध्यक्ष राहुल धूत, आनंद करवा तथा राजेद्र तापड़िया आदि की प्रमुख भूमिका में आयोजित हुआ।

शंख ध्वनि से हुआ शुभारम्भ

वेबिनार रूप में बिजकॉन का शुभारम्भ प्रथम दिवस 1 मई को जूम एप में मिटिंग जॉइन करने के लिये लॉग इन करते ही बिजकॉन के संस्थापक सुरेश लखोटिया द्वारा शंख ध्वनि के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन निलेश लद्दड एवं राहुल मोहता ने किया। इस प्रथम दिवस को स्वस्तिक की चार भुजाओं को चारों दिशाओं को शुभ बनाने की क्षमता पर केन्द्रीत धर्म के आधार पर चार समस्याओं का समाधान चार प्रमुख वक्ताओं ने प्रस्तुत किया।

इसमें रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर सुभाष मूंदड़ा ने लिक्विड मनी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान की विपदा की स्थिति में अपने व्यवसाय की रूपरेखा वर्ष 2008 की आपदा को भी मार्गदर्शक मानकर तैयार करने के लिये कहा। श्री मूंदड़ा ने कहा कि हमें शहरी और ग्रामीण दोनों भारत की आवश्यकता को सामने रखते हुए योजना तैयार करनी चाहिये।

आरआर ग्लोबल के एमडी व ग्रुप चेयरमेन गोपाल काबरा ने कहा कि वर्तमान में चल रहे लॉकडाऊन को वास्तव में व्यावसायिक सोच के लॉक ओपनिंग के रूप में लें। वर्तमान में देश की विश्व स्तर पर व्यावसायिक रूप से नयी छवि बनी है, इसका लाभ लेने के लिये अपने आपको तैयार करें।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने कहा कि सरकार सतर्कता के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती और स्थायित्व देने में जुटी है। 'मेक इन इंडिया' की सोच व चीन के घटते प्रभाव के कारण भारतीय उद्योग-व्यवसाय के लिये प्रगति का अच्छा अवसर आने वाला है।

एम.के. वेंचर्स के मधुसूदन केला ने कहा कि वास्तव में 'बनिया' शब्द का अर्थ है, सृजनशील। वास्तव में भी हम अपनी सकारात्मक सोच के साथ सृजनशीलता की ओर बढ़ते हैं। वर्तमान दौर में समय की आवाज को समझें और सही व्यवसाय की पहचान कर उसमें निवेश करें।

द्वितीय दिवस को मार्गदर्शन के बाद हुआ समापन

इस वेबीनार के अगले दिन 5 प्रेरक मार्गदर्शकों के व्याख्यानों ने प्रतिभागियों में नयी ऊर्जा उत्पन्न कर दी। इसमें

आईसीएसआई की पूर्व अध्यक्ष सीएस **ममता बिन्नानी** ने कहा कि वर्तमान दौर में प्राथमिकता के क्रम में स्वास्थ्य सबसे उपर है, इसके बावजूद व्यवसाय की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। याद रखें पैसे का व्यवसाय में वही महत्व है, जो हमारे शरीर में रक्त का। अतः हर निवेश के पहलें पूरी योजना बनाऐं। विषमताऐं अपने साथ विकास के कई अवसर भी लाती हैं। अतः सकारात्मक बने रहें।

नेस्पर्स फिनटेक एंड पे यू नीदरलैंड के ग्लोबल सीएफओ **आकाश मूंदड़ा** ने नवीन तकनीकों से कार्यकुशलता विकास पर सम्बोधित करते हुए कहा कि तकनीकी यह एक मात्र ऐसा सशक्त शब्द है, जो वर्तमान में सहयोगी बन सकता है। प्रत्येक क्षेत्र की भिन्न - भिन्न तकनीकें हैं, जिनके द्वारा हम व्यवसाय में वर्किंग, प्रमोशन और मार्केटिंग आदि का खर्च कम कर अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं।

सुपम माहेश्वरी ने स्टार्टअप कैसे शीर्ष पर पहुंचता है और कैसे पतन की ओर इस पर प्रकाश डाला। श्री माहेश्वरी ने कहा कि प्रकृति ने हमें जन्मजात उद्यमी के रूप में पैदा किया है। अतः हम में विशिष्ट क्षमताऐं हैं। यह समय वास्तव में हमारे उत्पाद के सही विश्लेषण का समय है। आज हमें मजबूत सुरक्षात्मक व्यावसायिक आधार को भी तलाशना होगा।

नीरज बिहानी ने मार्केटिंग की क्षमता के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें सबसे पहलें क्या, कौन और कब पर विचार करना चाहिये। संचार के साथ ही उत्पाद के वितरण व्यय पर चिंतन के साथ रिसर्च करें।

दामोदर मल्ल ने कहा कि वर्तमान समय को ऐसे मंथन के समय के रूप में लें, जिससे ऐसी सोच सामने आ सके, जो हमें लाभ दिलवा सके। बदलते समय की मांग होती है समयानुकूल प्रयासों में भी बदलाव। यह समय वास्तव में किराना जैसे ही स्थायीत्व वाले व्यवसाय का है। हमें इसके लिये नई तकनीकों के साथ तैयार रहना होगा।

अंत में आशीष डालिया के आभार प्रदर्शन से आयोजन का समापन हुआ।

श्रीमती बसंतीबाई चांडक साहित्य पुरस्कार समिति

श्रीमती बी.ल. चांडक रिसर्च फॉउण्डेशन एवं
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार वर्ष-2020

इस वर्ष माहेश्वरी समाज से आने वाली महिलाएँ इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगी।

रुपए एक लाख की राशि चांदी का 100 ग्राम सिक्का।

माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जाने वाला प्रथम पुरस्कार है।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार समिति

बसंती हॉस्पिटल, रामदास पेठ, अकोला-444005

मो. 8007720747

ई-मेल puraskarsamiti@gmail.com

श्री रमेश परतानी
संयोजक
93953 60048

श्री श्याम चांडक
सहयोगी
92468 76775

सदस्य

श्री श्यामसुंदर सोनी	श्री संदीप काबरा	श्रीमती भगवती बल्दवा	श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा	श्री राकेश भैय्या
98223 969996	98281 08017	984967 97300	78939 27617	94230 69184

साढ़े तीन हजार से अधिक परिवारों को आर्थिक सहायता

ऐसे परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये युवा संगठन बनाऐगा योजना

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन कोरोना वायरस की इस विपदा की घड़ी में समाज के जरूरतमंद परिवारों का हर संभव सहयोग करने हेतु तत्पर है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या व राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया के नेतृत्व में अभी तक युवा संगठन साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद परिवारों की मदद कर चुका है।

श्री काल्या ने बताया कि इस लॉकडाउन की स्थिति में समस्त आर्थिक गतिविधियाँ थम सी गई थीं। इस स्थिति के कारण चाहे छोटे व्यवसायी हों या नौकरीपेशा उनके सामने भीषण वित्तीय संकट खड़ा हो गया था। ऐसे आर्थिक रूप से सरकारी स्तर पर भी कई योजनाऐं चलाई गई। इसके बावजूद समाज के कई जरूरतमंद लोग इस प्रकार की सहायता पाने से वंचित रह गए। ऐसे में समाज के स्वाभिमानी जरुरतमंद समाजजनों की मदद के लिये अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सहायता योजना समाजजनों के सहयोग से तैयार की गई। इसमें सहायता के लिये सम्बंधित आवेदक को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना था। इसके अन्तर्गत हितग्राहियों के स्वाभिमान की रक्षा के लिये उनके नाम गुप्त रखना प्रस्तावित किया गया।

अपनो से मदद के लिये आगे आये समाजजन

माहेश्वरी समाजजन अत्यंत स्वाभिमानी होता है। अतः वह अपनी परेशानी को एकदम सामने नहीं रखता। ऐसे में युवा संगठन ने अपनत्व व पारिवारिक भावना के साथ ऐसे लोगों से अपनी परेशानी बताकर सहायता के लिये अपील की गई। इसका नतीजा यह रहा कि धीरे-धीरे ऐसे परिवार आर्थिक सहायता के लिये आवेदन देने लगे। माहेश्वरी परिवारों को राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा इस योजना के अन्तर्गत 1500.00 प्रति परिवार आर्थिक सहायता निर्धारित की गई थी इस योजना के अन्तर्गत अभी तक 3575 से अधिक आर्थिक रूप से जरूरतमंद परिवारों के बैंक खाते में सीधे सहायता राशि जमा कराई जा चुकी है। शेष आवेदनकर्ता परिवारों के बैंक खाता संख्या या आईएफएससी कोड गलत होने से उनके खाते में राशि जमा नहीं हो पाई। ऐसे परिवारों से संपर्क कर सही जानकारी ली जाकर उनके खाते में भी सहयोग राशि जमा कराई जा रही है।

अब आर्थिक स्वावलंबन के लिये बनेगी योजना

युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री काल्या ने बताया कि हमारे इस समाज में ऐसे भी कई परिवार हैं, जिनकी सामान्य दिनों में आय निर्धारित न्यूनतम सीमा तक भी नहीं होती। इनके आर्थिक विकास का मुद्दा कई बार समाज में उठा लेकिन सही जरूरतमंद परिवार तक संगठनों की पहुंच न हो पाने के कारण कोई ठोस कदम नहीं उठ पाए। वर्तमान में कोरोना महामारी के कारण मदद प्राप्त करने के लिये आगे आये परिवारो में ऐसे परिवारों की संख्या ही अधिक है। अतः ऐसे हितग्राहियों का युवा संगठन सर्वे करवा कर ऐसे परिवारों की जानकारी एकत्र करेगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इस लॉकडाऊन की स्थिति में तो इन परिवारों की तात्कालिक आर्थिक सहायता की गई है, इस सर्वेक्षण के द्वारा इनके आर्थिक स्वावलंबन की योजना तैयार की जाऐगी। इसके लिये संगठन शासन, महासभा, समाज के विभिन्न संगठन आदि से स्व-व्यवसाय के लिये आर्थिक सहयोग दिलवाने के साथ ही समाज के प्रतिष्ठानों में नौकरी आदि का भी प्रयास करेगा। इसी के अन्तर्गत ऐसे परिवारों की प्रगति के लिये इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिये भी संगठन एवं ट्रस्ट के माध्यम से सहयोग किया जाऐगा।

बहुप्रतिक्षित डायरेक्टी प्रकाशित...

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

- 800 अधिक प्रोफेशनल बॉयोडेटा
- विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न–भिन्न पृष्ठ
- उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर आज ही
- आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे – आपके द्वार

'श्री माहेश्वरी मेलापक'
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057
IFSC Code-SBIN0030062
में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करें।

हाईटिक व प्रोफेशनल युवक–युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इंदौर रोड, उज्जैन (मप्र)
मो.– 96305-62161, 74770-72161, 94250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने विश्व कीर्तिमान बनाकर रचा नया इतिहास

ज़ूम एप द्वारा 27 प्रदेशों की 1000 महिलाओं को प्रशिक्षण देकर बनाया रिकार्ड

कोटा (मधु ललित बाहेती)। लॉक डाउन के दौरान अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से कई रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। ऐसे में केवल एक माह में दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने में सफलता पाई। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से आयोजित ऑनलाइन कर्म योग-हमारा प्रयास प्रशिक्षण कार्यशाला में ज़ूम एप द्वारा 27 प्रदेशों की 1000 महिलाओं को एक साथ प्रशिक्षण देकर यह गोल्डन रिकॉर्ड बनाया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जब इतने बड़े स्तर पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया है।

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति की राष्ट्रीय प्रभारी नम्रता बियानी एवं उनकी टीम के प्रयासों से यह दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया हेड मनीष विश्नोई ने ऑनलाइन मीटिंग में आकर वर्ल्ड रिकॉर्ड के सर्टिफिकेट अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी व महामंत्री मंजू बांगड को प्रदान किए। इस कार्यक्रम में एलन संस्था के निर्देशक गोविंद माहेश्वरी एवं गीता परिवार के राष्ट्रीय प्रमुख संजय मालपानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला संगठन की वरिष्ठ रतनी देवी काबरा, कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, संगठन मंत्री शैला कलंत्री तथा सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, शोभा सादानी, सुशीला काबरा, कल्पना गगरानी ने सामाजिक विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए व्यक्तित्व विकास सम्यक उद्बोधन से सब को प्रेरित किया। क्रीम रंग के परिधानों में सुसज्जित सभी बहनों का उत्साह इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के प्रति देखने लायक था। इस कार्यक्रम में कंप्यूटर टेक्नोलॉजी समिति की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती उर्मिला कलंत्री एवं उनकी टीम भाग्यश्री तथा श्रीमती गिरजा सारडा का विशेष सहयोग मिला।

बच्चों ने लिया ई-संस्कार में हिस्सा

इससे पूर्व कोरोना क्राइसिस के ही दौरान जब सभी बच्चे अपने घरों में रह रहे हैं, ऐसे समय में बिना लक्ष्मण रेखा पार किए बच्चों को ई संस्कार वाटिका, मस्ती की पाठशाला के माध्यम से ज्ञानार्जन करने हेतु 15 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। राष्ट्रीय बाल एवं किशोरी विकास समिति की प्रभारी निर्मला मारू एवं सभी सहप्रभारी तथा गीता परिवार के सहयोग से 8 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए रोजाना योग, प्राणायाम, संस्कृत के श्लोक, पठन, क्राफ्ट वर्क, प्रेरक कहानियों से वीडियो द्वारा 6 से 20 मई तक 15 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। विशेष सहयोगी के रूप में कार्यालय मंत्री मधु बाहेती बराबर संपर्क में रही इस ई संस्कार वाटिका में 17 देशों के लगभग 32000 बच्चों ने भाग लिया। इतनी अधिक संख्या में बच्चो की सहभागिता हेतु इस विशाल एवं अनूठे ऑनलाइन आयोजन के लिए भी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा महेश्वरी एवं राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के अनूठे एवं अभिनव प्रयासों की सभी ने सराहना की।

कार्यक्रम में ये थे शामिल

इस कार्यक्रम में सभी आंचलिक पदाधिकारी किरण लड्ढा, शशि नेवर, कलावती जाजू, पुष्पा तोषनीवाल, मंगल मरदा, उषा करवा, ममता मोदानी, सविता पटवारी, मंजू कोठारी एवं गिरिजा सारडा की विशेष भूमिका रही। दोनों समितियों के राष्ट्रीय सह प्रभारी के रूप में व्यक्तित्व विकास से उर्वशी साबू, मधु राठी, मनीषा मूंदड़ा, वर्षा, शोभा भूतड़ा बाल विकास समिति की रंजना भट्टड, नीतू सोमानी, आभा बेली, संगीता बियानी, ज्योति बाहेती ने विशेष योगदान दिया।

ASHOK SOMANY

SOMANY IMPEX
Stone that stuns

ASHOK SOMANY

AAKASH SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & TIles

Khol House, Circular Road, Rewari - 123401 (Hry) Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225385, Mob. : 981245677, Res. : 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-12340 1 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in | somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen &Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry), Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

DEVVRAT OVERSEASE

All Kind of Natural Stone & Tiles

Vil. Mehtawas, Mehtawas Road (Raj), Mobile : 9812345677, 9812025385
Email: mines@sonanyimpex.ind.in | somanyimpex@gmail.com

SOMANY (P.G) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M.Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaipur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rewari City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax: 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : Info@sitmrewari.com | admin@sitmrewari.com | accounts@sitmrewari.com

लॉकडाऊन में 15 दिवसीय आयोजन

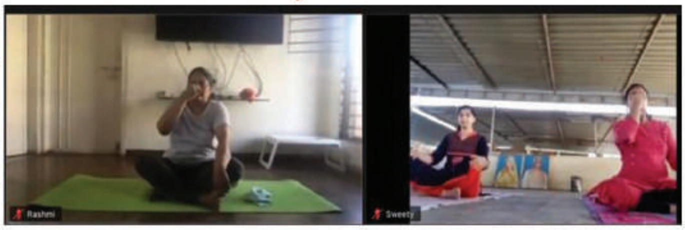

लॉकडाउन में प्रादेशिक स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति द्वारा 15 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत योग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जूम एप पर किया गया। इसमें योगाचार्य श्रीमती विजय मोदानी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 'मेरा परिवार अनमोल मोती' पर विडियो बनाने में प्रदेश की 56 बहनों ने उत्साह से भाग लिया। महिला अधिकार उत्थान सुरक्षा सशक्तिकरण समिति द्वारा 'घर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में हमारी सहभागिता' पर प्रदेश से 115 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। पैंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। समिति संयोजिका अर्चना माहेश्वरी के नेतृत्व में कम्प्यूटर नेटवर्किंग व एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति के तहत 6 दिवसीय स्वयंसिद्धा कम्प्यूटिंग वर्कशॉप का आयोजन टेलीग्राम ऐप्प पर किया गया। इस कार्यशाला की विशेषता ये रही कि सभी प्रतिभागियों द्वारा आरोग्य सेतु इंस्टाल किया जाकर पेटीएम द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में अनुदान दिया गया। इसे राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवं महामंत्री अंजू बांगड़ द्वारा भी सराहा गया।

प्राणायाम शिविर का हुआ आयोजन

इंदौर। गत 8 मई से योगाचार्य चंद्रशेखर आज़ाद (पसारी जी) के सानिध्य में आयोजित प्राणायाम एवं योग शिविर का 14 मई को समापन हुआ। इसमें माहेश्वरी समाज के अलावा अन्य समाजजनों ने भी भाग लिया व इसका लाभ उठाया। श्री आज़ाद ने बताया कि नित्य प्राणायाम करने से कोरोना जैसी महामारी प्रभावित नहीं करती, क्योंकि प्रणायाम में श्वसन क्रिया से हम नासिका, कंठ व फेफडों को जागृत करते हैं। डिजिटल रूप में ऑनलाइन माध्यम से यह शिविर पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुष्प माहेश्वरी द्वारा किया गया।

विश्व-कल्याण के लिए शान्ति यज्ञ'

ब्यावर। आर्य समाज द्वारा देशभर में एक साथ घर में रहकर सोशलडिस्टेसिंग का पालन करते हुऐ, विश्व शान्ति यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत प्रातः 9.30 बजे से 10.30 बजे तक सभी आर्य बंधुओं ने अपने-अपने घरों में परिवारजनों के साथ यज्ञ (हवन) किया। राजेन्द्र काबरा ने बताया कि इसमें आर्य समाज मन्दिर में पं.अमर सिंह वाचस्पति, अनन्त राज पोद्दार, रामकरण व घरों में ओमप्रकाश नवाल, ओमप्रकाश काबरा, ब्रजेश मालू, वैभव तोषनीवाल, जयनारायण हेड़ा, महेश मालू, संजय बाहेती, राजेंद्र काबरा, राधकिशन भूतड़ा, श्रीकिशन जांगीड़, श्याम झंवर, डॉ. लालचन्द हेड़ा, मानकरन हेड़ा आदि परिवारों में यज्ञ किया।

एम. वाय. को एम्स में बदलने की प्रक्रिया अच्छा विकल्प-मालू

इन्दौर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन और मुख्यमंत्री पत्र लिखकर खनिज निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविन्द मालू ने इंदौर में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) खोले जाने की पैरवी की। श्री मालू ने अपने पत्र में कहा कि देश के जिन बड़े शहरों में 'कोविड-19' महामारी ने अपना ज्यादा असर दिखाया है, उनमें इंदौर भी एक है। अतः जनता की सुविधा व चिकित्सा व्यवस्था के विकास के लिये महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) को एम्स में बदलने की प्रक्रिया एक बहुत अच्छा विकल्प है।

क्षमा ही धर्म है, क्षमा ही यज्ञ है,
क्षमा ही वेद है, क्षमा ही सत्य है,
क्षमा ही तप है,
क्षमा शक्तिशाली का बल है,
इसलिए क्षमा के मार्ग को
कभी त्यागना नहीं चाहिए।

कोरोना राहत में दिया योगदान

कुलबुर्गी (कर्नाटक)। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा कोविड-19 महामारी की लड़ाई में तन-मन-धन से योगदान दिया जा रहा है। इसके अन्तर्गत श्री मारवड़ी समाज कुलबुर्गी के अध्यक्ष गोविंद राठी, सचिव द्वारकाप्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष हरिकिशन दायमा की देखरेख एवं राजस्थानी सेवा संघ कुलबुर्गी के अध्यक्ष हरिप्रसाद तोषनीवाल, राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष कविता नोगजा, राजस्थाानी युवा मंडल के अध्यक्ष प्रकाश साथ के मारवाड़ी समाज फूड कमिटी सदस्य दीपक दलदाव, संतोष माकू, राजेश सारडा, सुनील कालु, नंदकिशोर बजाज, प्रदीप कलंत्री आदि की देखरेख में पीएम केयर फण्ड में 4,51000/- और सीएम फण्ड में 2,51000/- रूपये का चेक कुलबुर्गी के डिप्टी कमिशनर को उनके ऑफिस में भेंट किया गया।

रक्तवीर भामाशाह से भंसाली सम्मानित

रतलाम। रक्तदान के क्षेत्र में विगत 35 वर्षों से उत्कृष्ट/सराहनीय कार्य करने पर शहर की रक्तदान जीवनदान टीम के सदस्य दिलीप भंसाली को माँ नर्मदा स्वास्थ्य सेवा व लोक सेवा समिति अमलाई शहडोल द्वारा गत 15 मई अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर रक्तवीर भामाशाह की उपाधि से ऑन लाइन डिजिटल सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि अभी तक रतलाम शहर की रक्तदान जीवनदान टीम को राष्ट्रीय स्तर पर 12 बार सम्मानित किया जा चुका है। स्वयं श्री भंसाली अपने जीवन में 94 बार रक्तदान कर चुके है।

ऑनलाईन आयोजित करवाई प्रतियोगिताऐं

उज्जैन। विश्व व्यापी कोरोना आपदा के चलते लॉकडाउन के बीच श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी द्वारा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्देशन पर स्थानीय समाज स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं ऑनलाईन आयोजित कराई गई। इनमें कोरोना बचाव से सम्बंधित ड्राइंग व पोस्टर स्पर्धा में बच्चों ने तथा निबंध व स्लोगन स्पर्धा में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि ड्राइंग स्पर्धा में प्रथम अनुष्का काबरा, द्वितीय चार्मी राठी, पोस्टर स्पर्धा में प्रथम यामिनी काबरा, द्वितीय अवनी मालू, निबंध स्पर्धा में प्रथम मनीषा राठी, द्वितीय नमिता मालू, स्लोगन स्पर्धा में प्रथम सीमा परवाल, द्वितीय प्राची माहेश्वरी व तृतीय पुष्पा मंत्री रहीं। स्पर्धा की संयोजिका संगीता भूतड़ा थीं। विजेताओं को गीता तोतला, उषा सोडानी, सुधा बाहेती, शांति मंडोवरा आदि ने बधाई दी।

अपने हर विचार के प्रति सावधान रहिए,
क्योंकि उसे ही आपके भविष्य का बीज बनना है।

मजदूरों को बांटे बिस्किट, चना व पानी के पैकेट

दुर्ग। दुर्ग से होकर छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, बंगाल, बिहार व भारत के विभिन्न प्रांतों के लिए लौट रहे मजदूरों को श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग द्वारा बायपास टोल प्लाजा, दुर्ग भिलाई के पास बिस्किट, चना व पानी के पैकेट वितरित किये गए। कोविड-19 के चलते पूरे भारत में फैले प्रवासी मजदूरों का अपने घर वापसी का क्रम निरंतर जारी है। मजदूरों की पानी व भूख से व्याकुलता का अनुभव कर विभिन्न समाजसेवी संस्थाएं उनकी सेवा में लगी हुई है। इसी क्रम में 19 व 20 मई को श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग ने भी अपनी सेवाएं दी। इस दौरान कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने पूरे सुरक्षा उपाय को अपनाया।

खुद पर भरोसा करना सीख लो
सहारे कितने भी सच्चे हो
एक दिन साथ छोड़ ही जाते हैं..

प्रादेशिक संगठन ने दिया अपना योगदान

इन्दौर। म.प्र. प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी एवं मंत्री उषा सोडानी द्वारा पर्यावरण को बचाने हेतु किये गये आह्वान पर पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत सभी जिलों में गोबर के कण्डों की होली जलाई गई।

कोरोना आपदा के चलते नवरात्रि में कन्या भोज निमित्त 121/- रू. की राशि अधिकांश सदस्याओं ने स्वैच्छिक राहत कोष में दी। 3000 मास्क पीपीई किट, गाय हेतु चारा, स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों को चाय-नाश्ता व छाछ की व्यवस्था प्रदेश के सभी जिलों की सदस्याओं द्वारा की जा रही है। प्रदेश सदस्य मंगला बांगड़ एवं परिवार द्वारा 21 लाख रू. प्रधानमंत्री केयर फण्ड में, 11 लाख रुपये मुख्यमंत्री फण्ड में अनुदान दिया गया। संस्था द्वारा 21 हजार रु. प्रधानमंत्री केयर फण्ड में राष्ट्रीय संगठन के द्वारा भेंट किये गये। बालविकास एवं किशोरी विकास समिति के तहत राष्ट्रीय प्रतियोगिता 'मेरे राम मेरे हनुमान' में शाजापुर जिले की राधिका सोमानी द्वितीय ग्रुप में तृतीय स्थान पर विजेता रही। पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत लॉकडाउन के चलते गणगौर पर्व पर प्रदेश द्वारा अपने ईश्वर के संग गणगौर का 2 मिनट का विडियो बनाओ प्रतियोगिता संपन्न कराई गई। इसी तरह हनुमान जयंती उत्सव में हनुमान चालीसा के सामूहिक 90899 पाठ प्रदेश के परिवारों द्वारा किए गए। कोरोना महामारी से त्रस्त लॉकडाउन में रहते समय सदुपयोग हेतु ग्रामविकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के अंतर्गत प्रदेश द्वारा विभिन्न आयु समूह के लिये विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जरूरतमंदों की सहायता में योगदान

गुलाबपुरा। इस उपखंड में कोरोना के कारण कर्फ्यू एवं लॉकडाउन के चलते प्रशासन द्वारा एक राहत सामग्री वितरण केंद्र की स्थापना की गई। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं भामाशाह का सहयोग लेकर लगातार पिछले 50 दिनों से वास्तविक जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री किट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। माहेश्वरी समाज के दिनेश तोषनीवाल, प्रहलाद राठी, पुरुषोत्तम नुवाल, राजेंद्र बजाज, नंदकिशोर काबरा, रमेश सोनी, सुधा बाहेती इत्यादि ने आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस राहत केंद्र के कार्य में गति प्रदान की। इस राहत केन्द्र पर भारत विकास परिषद अध्यक्ष महावीर सोनी के नेतृत्व में शिवदयाल डाड, राहुल काबरा व अन्य सदस्यों ने रोजाना 5 घंटे खाद्य सामग्री किट वितरण में सहयोग प्रदान किया। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र आगूचा में खाद्य सामग्री किट, मास्क वितरण, सेनेटाइजर वितरण करने में राजेंद्र माहेश्वरी, कन्हैयालाल सोनी, सत्यनारायण सोमानी ने अपनी सेवाएं दी। तहसील स्तर पर हुरडा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राजेंद्र बजाज ने समाजजनों को साथ लेकर माहेश्वरी भवन में दूरदराज से आने जाने वाले राहगीरों के लिए लगातार भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए।

कुछ रिश्ते किराये के मकान की तरह होते है...
कितना भी सजा लो कभी अपने नही होते...

लॉयन्स क्लब उज्जैन महाकाल द्वारा कोरोना योद्धाओं के लिए 600 पीपीई किट भेंट

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन महाकाल ने लायंस क्लब उज्जैन अनंता एवं ग्रामीण बैंक आफिसर्स क्लब के सहयोग से वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते कोरोनो योद्धाओं को संक्रमण से बचाने के लिए गत दिनों जिला प्रशासन को लगभग ढाई लाख रु कीमत की 600 पीपीई किट भेंट की। उक्त जानकारी देते हुए लायंस क्लब अध्यक्ष कैलाश डागा ने बताया कि इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आर.जी. पाठक, झोन चेयरमेन देवाशीष राय, पुष्पेंद्र जैन, अरूण भूतड़ा, नरेंद्र राठी, अजय मूंदड़ा, श्याम माहेश्वरी, संजीव गाडगील, अजीत बैराठी, ओमप्रकाश बाहेती, सुनिल जैन, विवेक दवे आदि उपस्थित थे।

ज्वेलर माहेश्वरी की कविता को 45 लाख लोगो ने देखा

जयपुर। शहर के ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़े विट्ठल माहेश्वरी की लिखी एक कविता इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर इसे हर कोई शेयर करता नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना के माहौल पर 'कभी सोचा नहीं था, ऐसे भी दिन आएंगे' कविता लिखी थी और उसे खुद ही बोलते हुए रिकॉर्ड किया था। इसके बाद अपने परिचितों को वॉट्सऐप पर भेजा, यहां बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला। इसके बाद मैंने फेसबुक पर इसका वीडियो शेयर किया, यहां से देशभर के लोगों ने शेयर किया और अब तक इसे 45 लाख से ज्यादा लोगा फेसबुक पर देख चुके हैं व टिकटॉप पर भी इसके कई मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

बचपन से रहा कला के प्रति रूझान

उन्होंने बताया कि मुझे अमीन सयानी और जसदेवसिंह की आवाज बहुत पसंद हैं, मैं इनकी आवाज कॉपी किया करता था। इन्हीं से इंस्पायर होकर मैंने इस कविता को अपनी आवाज में रिकॉर्ड किया। वैसे मैने डीएन शैली और मदन शर्मा से थिएटर सीखा हुआ है। इस कविता को न केवल आम लोग, सेलिब्रिटी, पुलिसकर्मी, डॉक्टर्स, मीडिया के लोग भी शेयर कर रहे हैं। इस कविता के हिट होने के बाद कई संस्थाएं और ग्रुप सोशल मीडिया पर इसे सुनने के लिए सेशन भी रख रही है। अभी मैंने मदर्स डे के मौके पर भी कविता लिखी थी, इसे भी खूब प्यार मिल रहा है।

यह कविता हुई लोकप्रिय

कभी सोचा नहीं था, ऐसे भी दिन आएंगे
छुट्टियां तो होंगी पर, मना नहीं पाएंगे
आइसक्रीम का मौसम होगा, पर खा नहीं पाएंगे,
रास्ते खुले होंगे पर, कहीं जा नहीं पाएंगे,
जो दूर रह गए, उन्हें बुला नहीं पाएंगे,
और जो पास हैं उनसे, हाथ भी मिला नहीं पाएंगे,
जो घर लौटने की राह देखते थे, वो घर में ही बंद हो जाएंगे,
जिनके साथ वक्त बिताने को तरसते थे,
उससे भी ऊब जाएंगे,
क्या है, तारीख कौन सा वार, ये भी भूल जाएंगे,
कैलेंडर हो जाएंगे बीमार, बस यूं ही दिन-रात बिताएंगे,
साफ हो जाएगी हवा पर, चैन की सांस नले पाएंगे,
नहीं दिखेगी कोई मुस्कुराहट, चेहरे मास्क से ढक जाएंगे,
क्या सोचा था कभी, ऐसे दिन भी आएंगे।

पुण्य स्मृति में दवाई एवं भोजन - सामग्री वितरित

देवास। मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष ख्यात समाज सेवी स्वर्गीय डॉ. वैजयंती माहेश्वरी की पुण्य स्मृति में उनके जन्मदिवस पर प्रति वर्ष निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर लगाया जाता रहा है। इसमें डॉक्टर प्रमोद माहेश्वरी, डॉक्टर पुनीत एवं डॉक्टर प्राची माहेश्वरी अपनी निशुल्क सेवायें देते आ रहे हैं। इस वर्ष लॉक डाउन के चलते ये नही हो पाया तो माहेश्वरी परिवार द्वारा देवास बाई पास पर वहाँ से पैदल जा रहें विस्थापित यात्रियों को भोजन पेकेट्स, चरण पादुकायें, दवाईयां, पानी की बॉटल, पोहे, पुलाव आदि वितरित किये गये। उक्त जानकारी अशोक सोमानी एवं संजय परवाल ने दी।

'कोरोना बचाव शिल्ड' का निःशुल्क वितरण

संगमनेर। माहेश्वरी युवा संगठण तथा अहमदनगर जिला सभा के संयुक्त तत्वावधानसे 500 'कोरोना बचाव शिल्ड' का निःशुल्क वितरण किया गया। यह शिल्ड अधिकांशतः वरिष्ठ नागरिक, सब्जी बिक्रेता, किसान, नगरपालिका सफाई कर्मचारी, तरकारी गाड़ी के ड्रायव्हर, हम्माल, मार्केट कमेटी के सुरक्षा कर्मचारी आदि को वितरित किए गये। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अर्थमंत्री राहुल बाहेती, जिला युवा संगठन के मानद मंत्री ओंकार इंदाणी तथा अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री अजय जाजू ने मार्केट कमेटी से ऑरेंज कॉर्नर के क्षेत्र में शिल्ड का वितरण किया।

जूम ऐप पर फ्री ऑफ कॉस्ट सेशसं

जोधपुर। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए देश भर की महिलाओं को पर्सनालिटी डिवेलप्मेंट, कॉन्फिडेन्स बिल्डिंग, स्टेज अपीरन्स, सेल्फ ग्रूमिंग के साथ मोटिवेशनल टिप्स और कोरोना महामारी के लाकडाउन के दौरान किस तरह अपना और अपने परिवार का ध्यान रखें, इस पर मिसेज इंडिया सिद्धि जौहरी ने दिल्ली से मोनिका माहेश्वरी द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में करीब पूरी देशभर से जुड़ी गर्ल्स और लेडीज को टिप्स दिए। उनके सेशंस को सभी पार्टिसिपेटस ने बहुत सराहा और फिर से जल्द ही उनका पुनः सेशन रखने की मांग की। वे क्वॉरेंटीन क्वींज के नाम से करीब देश भर की महिलाओं की लगभग 1 महीने से ऑनलाइन क्लॉसेज ले रही हैं।

खुश रहना है तो
जिंदगी के फैसले परिस्थितियो
को देखकर ले
दुनिया को देखकर लिये
फैसले अक्सर दुःख देते

प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का हुआ विस्तार

सुमन जाजू

सीमा मूंदड़ा

रोहतक। हरियाणा पंजाब प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की छठी जूम बैठक गत 11 मई को प्रदेश की सभी पदाधिकारियों एवं संयोजिकाओं के साथ आयोजित की गई। प्रदेश सचिव सीमा मूंदड़ा ने बताया कि इसमें प्रदेश अध्यक्ष सुमन जाजू के प्रयासों से दो और नए माहेश्वरी महिला संगठन गठित किए गए। इसमें नए संगठन जैतो मंडी (पंजाब) से प्रीति चांडक को अध्यक्ष एवं कुसुम कोठारी को सचिव व प्रेमलता चांडक को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। रोहतक (हरियाणा) से रेणु खटोड़ को अध्यक्ष एवं पूजा माहेश्वरी को सचिव बनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुमन जाजू ने बताया कि हरियाणा पंजाब प्रदेश में महिला संगठन के अंतर्गत अब कुल 19 संगठन हो गए हैं एवं बहुत जल्दी ही छोटे-छोटे गांव में रहने वाले माहेश्वरी परिवारों को जोड़कर नए संगठन बनाए जाएंगे। उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी बताया कि इस कोरोना रूपी महामारी से निपटने के लिए हरियाणा पंजाब माहेश्वरी महिला संगठन की बहनों द्वारा प्रधानमंत्री सहायता कोष में रु.1,17,000 एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन में रु.11,000 की राशि भेजी गई साथ ही 25000 फूड पैकेट एवं 2000 किलो सूखा राशन का वितरण जरूरतमंदों को किया गया।

आनंद राठी समूह ने दिया डेढ़ करोड़ का सहयोग

मुंबई। कोरोना महामारी के विरुद्ध चल रहे युद्ध में देश को मजबूत बनाए रखने के लिए आनंद राठी ग्रुप ने पीएम केयर फंड में 1 करोड़ 51लाख रुपए की राशि का योगदान दिया। आज जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विषम परिस्थितियों से जूझ रही है एवं भविष्य अनिश्चितताओं से घिरी है, ऐसे में भी निस्वार्थ सेवाभाव के साथ राष्ट्र तथा मानवता की सेवा में यह सराहनीय कदम उठाया है। उल्लेखनीय है कि आनंद राठी ग्रुप देशसेवा, वेदसेवा, गौसेवा, समाजसेवा, शिक्षासेवा एवं अनेक सेवा कार्यों में अपना तन-मन-धन से योगदान देता रहा है।

प्रवासी मजदूरों की सेवा

इंदौर। आज सारा विश्व जब कोरोना जैसी महा भयंकर बीमारी से जूझ रहा है। ऐसे में प्रवासी श्रमिक पैदल, बस, ट्रक अथवा मेटाडोर से सफर करके भी अपने गांव लौट रहे थे। उनके प्रति अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को समझते हुए बुलढाणा अर्बन बैंक के अध्यक्ष भाईजी राधेश्याम चांडक, डॉक्टर सकेश झंवर एवम कोमल मैडम के मार्गदर्शन में बुलढाणा अर्बन मध्य प्रदेश परिवार द्वारा इंदौर में एबी रोड बायपास राऊ सर्कल पर 5000 पानी बोतल, 3000 ओआरएस पाउच तथा 3000 बिस्किट पैकेट का वितरण क्षेत्रीय प्रबंधक प्रसन्ना चांडक के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर इंदौर की शाखाओं के शाखा प्रबंधक तथा कर्मचारी वर्ग उपस्थित थे।

बड़े दौर गुजरे है जिन्दगी के...
यह दौर भी गुजर जाएगा...
थाम लो अपने पांव को घरों में...
कोरोना भी थम जाएगा

कोरोना से बचाव की दवा व टिफिन का वितरण

शेगांव। शेगांव तालुका सभा व माहेश्वरी युवक मंडल द्वारा होमिओपॅथी दवा 'आर्सेनिक अलबम 30' का वितरण किया गया। इसके साथ ही लगभग 6 हजार 400 जरूरतमंदों को भोजन के टिफिन का वितरण भी किया गया। दवा वितरण समाजसेवी महेश सोमाणी ने अपने पिता स्व. श्री रामेश्वर सोमाणी की पुण्य स्मृति में घर-घर जाकर करवाया गया। इसमें प्रदेश कार्यकरिणी सदस्य नंदकिशोर सारडा, जिला सह मंत्री विजय दरक, जिल्हा संगठण मंत्री दिलीप मुंदडा, तालुकाध्यक्ष प्रकाश लड्ढा, मंत्री जगदीश मानधने आदि के साथ ही युवा मंडल के समस्त सदस्यों का भी योगदान रहा।

लॉकडाऊन में हुआ आदर्श विवाह

डूंगरगढ़। हर माता-पिता को अपने बच्चों की शादी धूमधाम से करने की इच्छा होती है, मगर विधि का विधान देखिए। कोरोना वायरस लॉकडाउन 4 के साये के चलते कोई रिश्तेदार घर नहीं आ-जा सकता। कलेक्टर से परमिशन लेकर सुरत के समाजसेवी व राजस्थान के श्री डूंगरगढ़ निवासी विनोद डागा के सुपुत्र जयंत डागा और चित्रा डागा की शादी मजूरा गेट के पास उनके घर पर सादगीपूर्ण पूर्ण सम्पन्न हुई। इसमें सिर्फ परिवार के 10 सदस्य दूल्हा, उसका माता-पिता, भाई, बहन ही शामिल हो सके। सभी ने मास्क लगाया ओर सोश्यल डिस्टेन्स का पालन किया।

अकोले। स्थानीय नगरपंचायत के पार्षद (नगर सेवक) विजय सारडा के सुपुत्र आशीष तथा निफाड निवासी अनिलकुमार भुतडा की सुपुत्री योगिता की सगाई तो हो गई थी, लेकिन लॉकडाऊन के कारण विवाह संपन्न नही हो सका। पहले, दुसरे, तीसरे लॉक डाऊन तक दोनो परिवारों ने स्थिति पूर्ववत होने की राह देखी। आखिरकार सारडा-भुतडा परिवार ने लॉकडाऊन के नियमों का पालन करते हुवे आदर्श विवाह संपन्न करने का फैसला लिया। निफाड में समधीजी के घर में ही सिर्फ परिवार वालो की उपस्थिति में यह विवाह मात्र 20 लोगों की उपस्थिति में ही संपन्न हुआ।

दर्ज करवाई मोर सहित 194 परिंदो की एफआईआर

भीलवाड़ा। कोरोना से लॉकडाउन के कारण प्रदेश में वन विभाग की ढीली पकड़ के चलते शिकारियों ने बेखौफ होकर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पक्षी मोरों, हिरण, तीतर व कमेड़ी सहित वन्यजीवों का शिकार किया है। उक्त आरोप लगाते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि अभी तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में शिकारी जहरीला दान डालकर 194 से अधिक राष्ट्रीय पक्षी मोरों के साथ अन्य पक्षियों का भी शिकार कर चुके हैं। श्री जाजू ने इनकी प्राथमिकी संबंधित पुलिस अधीक्षक बीकानेर, नागौर, टोंक व चुरू को ई-मेल एवं रजिस्टर्ड डाक से दर्ज करवाकर इस मामले में ठोस कदम उठाने की मांग की है।

चंद्रपुर। सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत राधाकिशन चांडक के सुपुत्र सागर चांडक का लॉकडाऊन के दौरान विवाह मंगरुळपीर निवासी सुभाष राठी की सुपुत्री सुरभि राठी के साथ गत 6 मई को सभी रीति-रिवाज एवं विधिविधान के साथ सादगीपूर्ण ढंग से पारिवारिक माहौल मे संपन्न हुआ। इसमें वर पक्ष से वर समेत केवल 5 लोग ही शामिल हुए। पुराने जमाने में बेटी की शादी घर-आंगन मे होना शुभ माना जाता था। लॉकडाऊन के चलते सभी नियमों का पालन करते यह विवाह घर-आंगन मे ही सम्पन्न कराने का अवसर मिला।

भीलवाड़ा। श्री मेवाड़ माहेश्वरी समाज की पहल पर सायन सूरत क्षेत्र के निवासी स्व. श्री कैलाशचंद्र जागेटिया एवं श्रीमती आशा जागेटिया ने अपनी सुपुत्री तोरल का विवाह चांद खेड़ा अहमदाबाद निवासी कुंजबिहारी मंडोवरा एवं श्रीमती सरिता मंडोवरा के सुपुत्र धवल के साथ सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर श्री मेवाड़ माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष जगदीश नाराणीवाल द्वारा वर-वधू परिवार को सम्मान पत्र प्रधान किया। इसे कम खर्च में लोकडाउन की एडवाइजरी के तहत करने का निर्णय लिया गया था।

भीलवाड़ा। भूपालगंज सेवा समिति के अध्यक्ष अनिल झवर ने बताया कि नई शाम की सब्जी मंडी निवासी सरोज एवं कैलाश सोमानी ने अपनी सुपुत्री सुरभि का विवाह कुमुद विहार निवासी रमा एवं बालमुकुंद काबरा के सुपुत्र दीपेश के साथ लॉकडाऊन के नियमों का पालन करते हुए सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर भूपालगंज माहेश्वरी सेवा समिति के मंत्री दिनेश जागेटिया एवं सह मंत्री रामनिवास लड्ढा द्वारा वर-वधू परिवार को सम्मान पत्र प्रधान किया।

कोरोना बचाव की दवा का निःशुल्क वितरण

संगमनेर। स्थानीय अशोक मंडळ द्वारा कोविड 19 के लिए 'आर्सेनिक अल्बम 30' दवा का शहर में निःशुल्क वितरण शुरु किया गया। इसका शुभारंभ माहेश्वरी जिलाध्यक्ष अनिष मणियार द्वारा हुवा। इस अवसर पर अशोक मंडल के श्रीकांत (बाळु) कासट, शशिकांत मणियार, कैलास मणियार आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गत 25 वर्षो से मंडल द्वारा फोल्डिंग कॉट, व्हील चेअर, वॉकर जैसी वस्तुऐं नाममात्र शुल्क पर मरीजोको उपलब्ध करवाई जाती है। सदस्यों ने इस महामारी के प्रति आमजन को जागरूक भी किया।

बाल संस्कार पर ऑनलाइन स्पर्धा

बहादुरगढ़। कोरोना महामारी के कारण चल रहे लॉकडाउन 4.0 में गत 21 मई को प्रदेश स्तर पर हरियाणा पंजाब माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अपनी बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति के अंतर्गत बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऑनलाइन बाल संस्कार स्पर्धा आयोजित करवाई गई। स्पर्धा की मुख्य प्रेरणा स्त्रोत हरियाणा पंजाब प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुमन जाजू बहादुरगढ़ एवं सचिव श्रीमती सीमा मूंदड़ा फरीदाबाद थीं। इस स्पर्धा में प्रदेश से 600 बच्चों ने भाग लिया। बाल विकास समिति की प्रदेश प्रमुख नीता जाजू के नेतृत्व में मीना राठी, निधि माहेश्वरी, माधुरी सारडा, शकुंतला बागड़ी, इंदु बियानी, रेनू सुखानी, देवकी साबू, जयश्री पेडिवाल, प्रज्ञा थरानी, मंजू भूराडिया एवं नीतू भूतड़ा ने इस आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। राष्ट्रीय समिति प्रभारी निर्मला मारू, सह प्रभारी रंजना भट्टड़ एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी का इसमें मार्गदर्शन रहा।

लॉकडॉन में समाज का सेवा कार्यक्रम जारी

वरंगल। देश में जब भी कोई प्राकृतिक विपदा आयी है, स्थानीय माहेश्वरी समाज वरंगल ने उस विपदा में प्रभावितों को अपना सहयोग दिया हैं। कोरोना महामारी के कारण चले लॉक डाऊन में माहेश्वरी समाज वरंगल द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद परिवार जिनका रोजगार का कोई साधन नही रहा, ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें एक महीने का राशन दिया जा रहा हैं। इसके अन्तर्गत अब तक लगभग 40 परिवारों को यह सहयोग पहुंचाया जा चुका हैं। माहेश्वरी समाज के मंत्री नवल किशोर मणियार ने बताया कि यह सहयोग जब तक लॉकडौन रहेगा जारी रखा जाएगा। इसी तरह माहेश्वरी युवा संगठन ने भी लॉकडाऊन के प्रारंभ के दिनों में लगभग 300 परिवारों में एक सप्ताह का राशन वितरित किया था। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नेतृत्व में में देश भर के माहेश्वरी गरीब परिवारों को दिए जा रहे अर्थ सहयोग कार्यक्रम में रु.3100- का अर्थ सहयोग समाज द्वारा दिया गया है। इसी प्रकार प्रगतिशील मारवाडी समाज द्वारा 27 मार्च से निरंतर प्रतिदिन लगभग 2000 पैकेट खाना बनाकर स्थानीय महात्मा गांधी अस्पताल, सरकारी प्रसूति अस्पताल हनमकोंडा, चंदा कांतया मेमोरियल प्रसूति अस्पताल वरंगल, दिनरात सेवा में लगे पुलिसकर्मियों एवं और विभिन्न जरूरतमंदों को दिया जा रहा हैं। प्रगतिशील मारवाडी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा व माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष संपत कुमार लाहोटी ने कहा कि यह सेवा कार्यक्रम लॉकडौन के समाप्ति तक चलेगा।

'सृजन नव रिश्तो का' का शुभारम्भ

कोलकाता। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत दिनों मध्य प्रदेश पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के सयुंक्त तत्वाधान में 'सृजन नव रिश्तो का' नामक ऑनलाइन मैट्रिमोनियल पोर्टल का शुभारंभ किया। प्रदेश अध्यक्ष केशव डागा ने बताया कि आज कल बच्चों का विवाह अभिभावकों के लिए सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। ऐसे में यह प्रयास सहयोगी सिद्ध होगा। प्रदेश मंत्री राजीव लखोटिया एवं कोषाध्यक्ष अनुराग जाजू ने बताया कि इस पोर्टल को बनाने और जन सामान्य तक इसकी पहुँच बनाने में संयोजक विष्णु कांत लखोटिया, नीलेश राठी और मुकुंद सोमानी का अहम योगदान रहा।

लायंस क्लब ने की लॉकडाउन में गौ सेवा

भीलवाड़ा। लायंस क्लब भीलवाड़ा सीटी ने लॉकडाउन अवधि में गायों के लिए एक ट्रेक्टर ट्राली हरा चारा की व्यवस्था की। क्लब अध्यक्ष सुरेश बिडला ने बताया कि निरंतर गौ सेवा के लिए क्लब के सदस्य संजय काबरा, अतुल राठी, दिलीप तोषनीवाला कोशल श्रीमाल, राजेश बाहेती, सत्यप्रकाशराठी, मनोज शारदा, विनोद गट्टानी, श्याम सामदानी, केजी सोनी मनोज कोगटा, कैलाश डाड व कमल मोदी आदि का सहयोग रहा। क्लब के सदस्यों द्वारा एक क्विंटल गुड़ की लापसी बनाकर गायों को रामधाम गोशाला पर खिलाया गया।

लॉकडाऊन में की सहायता

भीलवाडा। श्री आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा कोरोना संकट काल में जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को आर्थिक सहयोग करने की पहल की गई। अरविंद चांडक व सत्यनारायण समदानी ने बताया कि प्रथम चरण में भीलवाड़ा शहर में जरुरतमंद 100 माहेश्वरी परिवारों को दो हजार रुपए की नकद सहायता प्रदान करने का प्रयास किया गया। अब तक लगभग 65 परिवारों को सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। सहयोग लेने वाले पात्र परिवारों का नाम गोपनीय रखा गया है। रामप्रकाश काबरा व आजाद अजमेरा ने बताया कि आर्थिक सहयोग के साथ दानदाताओ से प्राप्त भोजन सामग्री किट भी जरूरतमंद परिवारों को दिए गया।

गीतों के माध्यम से महेश नवमी संदेश

भीलवाड़ा। महेश नवमी के शुभ अवसर पर जिला एवम् नगर माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में वीडियो लॉन्च किया गया। इसमें भीलवाड़ा के सभी पदाधिकारियों ने सम्पूर्ण समाज के लिए संदेश प्रेषित किया। इसमें अखिल भारतीय पदाधिकारी ममता मोदनी, शिखा भदादा, प्रदेश माहेश्वरी पदाधिकारी कैलाश कोठारी, सत्येन्द्र बिड़ला, अनिला अजमेरा, संध्या आगीवाल जिला माहेश्वरी पदाधिकारी दिन दयाल मारू, देवेन्द्र सोमानी सीमा कोगटा, प्रीति लोहिया, नगर माहेश्वरी पदाधिकारी केदार जागेटिया, अतुल राठी भारती बाहेती, रीना डाड, युवा संगठन के जगदीश लड़ढा, प्रदीप पलोड, राघव कोठारी, हरीश पोरवाल, मनीष मूंदड़ा ने गीत के माध्यम से समाज को महेश जयंती पर संदेश दिया। माहेश्वरी समाज के सेवा प्रकल्प कार्यों की रूपरेखा बताई। गीत रचना रीना डाड द्वारा की गई। स्वर सिंगर मास्टर सुनील ने दिए।

होम्योपैथी दवा का किया वितरण

भीलवाड़ा। महेश नवमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में कोरोना महामारी के बचाव हेतु आरकेआरसी क्षेत्रीय सभा द्वारा आयुष मंत्रालय केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होम्योपैथिक दवा (इम्युनिटी बढ़ाने हेतु) का निशुल्क वितरण 20 मई से निरंतर क्षेत्र में किया जा रहा है। अध्यक्ष नारायण लड्डा व सचिव कमलेश लाठी ने बताया कि अभी तक 1000 से अधिक डिब्बियों का वितरण किया जा चुका है। पूर्व में भी 250 पक्षी परिंडों एवं 500 मास्क का वितरण भी क्षेत्र में किया जा चुका है।

आमदनी पर्याप्त ना हो तो
खर्चों पर नियंत्रण रखिये
जानकारी पर्याप्त ना हो तो
शब्दों पर नियंत्रण रखिये

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में 'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा टस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)
दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222
www.mbgoverdhan.com
E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

बजरंगलाल बाहेती (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200
विनोद कुमार बांगड (महामंत्री)
मो. 094142-12835
जुगल किशोर बाहेती (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैचड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई—फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555
रामस्वरूप जैथलिया
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.- 096490-79999
विनोद कुमार बांगड
महामंत्री
मो. 094142-12835
गोविंद गोपाल सोनी
कोषाध्यक्ष
मो. 98240-26961

भगवान महेश के आशीर्वाद से कैसे हुई माहेश्वरी की उत्पत्ति

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान महेश के आशीर्वाद से हुई थी। "माहेश्वरी" पूर्व में क्षत्रिय थे तथा भगवान महेश की प्रेरणा से कर्म परिवर्तन कर वैश्य बने और माहेश्वरी कहलाये। समाज की नवीन पीढ़ी के लिये पुनः प्रस्तुत है, उस पौराणिक कथा के अंश, जिनसे हुई समाज की उत्पत्ति।

खंडेलपुर जिसे खंडेलानगर और खंडिल्ल के नाम से भी उल्लेखित किया जाता था, नामक राज्य में सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा खड्गलसेन राज्य करता था। इसके राज्य में सारी प्रजा सुख और शांति से रहती थी। खड्गलसेन इस बात को लेकर चिंतित रहता था कि पुत्र नहीं होने पर उत्तराधिकारी कौन होगा? राजा ने मंत्रियों से मंत्रणा कर के धोसीगिरी से ऋषियों को ससम्मान आमंत्रित कर पुत्रेष्ठी यज्ञ कराया। यज्ञ से प्राप्त हवि को राजा और महारानी को प्रसादस्वरूप में भक्षण करने के लिए देते हुए ऋषियों ने आशीर्वाद दिया और साथ-साथ यह भी कहा कि तुम्हारा पुत्र बहुत पराक्रमी और चक्रवर्ती होगा, पर उसे 16 साल की उम्र तक उत्तर दिशा की ओर न जाने देना, अन्यथा आपकी अकाल मृत्यु होगी। कुछ समयोपरांत महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसका नाम सुजानसेन रखा। वह राजकाज, विद्या और शस्त्र विद्या में आगे बढ़ने लगा तथा समय आने पर सुजानसेन का विवाह चंद्रावती के साथ हुआ।

जागाओं के मत से सत्तु तीज पर उत्पत्ति

जागा अपने रिकॉर्ड के अनुसार माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति 5 हजार वर्ष से भी पूर्व महाभारतकालीन मानते हैं, लेकिन उनका मत है कि 72 उमराव व सुजानकुंवर की श्राप मुक्ति की घटना महेश नवमी नहीं बल्कि सत्तु तीज को हुई थी। वे इसके समर्थन में उत्पत्ति से जुड़ी पंक्ति सुनाते हैं-'प्रथम सन् 9 का समय शुभ मोहरत तिथि तीज भादवे जन्म्यो माहेश्वरी बादा खंडेली बीज।' उनके मतानुसार 12 वर्षों से पाषाण बने 72 उमराव व राजा सुजानकुंवर को भगवान महेश ने सत्तु तीज के दिन श्राप मुक्त कर उनकी भूख की व्याकुलता शांत करने के लिए उन्हें सत्तु भोजन के रूप में प्रदान किया था। इसके बाद वे महेश नवमी के दिन डिडवाना जाकर बसे और उन्होंने वहां से अपने वैश्य धर्म की शुरुआत की थी। अतः वास्तव में महेश नवमी माहेश्वरी समाज के वैश्य धर्म स्वीकार करने का दिवस है।

टीम SMT

ऐसे पहुंचे सुजानकुंवर उत्तर दिशा में

देवयोग से एक जैन मुनि खंडेलपुर आए। कुंवर सुजान उनसे बहुत प्रभावित हुवा। उसने अनेक जैन मंदिर बनवाए और जैन धर्म का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया। जैनमत के प्रचार-प्रसार की धुन में वह भगवान विष्णु, शिव और देवी भगवती को मानने वाले को ही नहीं बल्कि ऋषि-मुनियों को भी प्रताड़ित करने लगा, उन पर अत्याचार करने

लगा। ऋषियों द्वारा कही बात के कारण सुजानसेन को उत्तर दिशा में जाने नहीं दिया जाता था लेकिन एक दिन राजकुंवर सुजान 72 उमरावों को लेकर हठपूर्वक जंगल में उत्तर दिशा की ओर ही गया। उत्तर दिशा में सूर्य कूंड के पास महर्षि पाराशर की अगुवाई में सारस्वत, ग्वाला, गौतम, शृंगी और दाधीच ऋषि यज्ञ कर रहे थे। यह देख वह आगबबूला हो गया और क्रोधित होकर बोला, इस दिशा में ऋषि-मुनि शिव की भक्ति करते हैं, यज्ञ करते हैं, इसलिए पिताजी मुझे इधर आने से रोकते थे। उसने क्रोध में आकर उमरावों को आदेश दिया कि इसी समय यज्ञ का विध्वंस कर दो। आज्ञा पालन के लिए आगे बढ़े उमरावों को देखकर ऋषि भी क्रोध में आ गए और उन्होंने श्राप दिया कि सब निष्प्राण हो जाओ। श्राप देते ही राजकुंवर सहित 72 उमराव निष्प्राण, पत्थरवत हो गए। यह समाचार राजा खड्गलसेन ने सुना तो अपने प्राण तज दिए। राजा के साथ उनकी 8 रानियाँ सती हो गईं।

भगवान महेश ने किया श्राप मुक्त

राजकुंवर की कुंवरानी चंद्रावती 72 उमरावों की पत्नियों के सहित रुदन करती हुईं उन ऋषियों के चरणों में गिर पड़ी और क्षमायाचना करने लगी। तब ऋषियों ने उपाय बताया कि देवी पार्वती के कहने पर भगवान महेश्वर ही इनमें प्राणशक्ति प्रवाहित करेंगे। अतः निकट ही एक गुफा है, वहाँ जाकर भगवान महेश के अष्टाक्षर मंत्र 'ॐ नमो महेश्वराय' का जाप करो। राजकुंवरानी सारी स्त्रियों सहित गुफा में गई और मंत्र तपस्या में लीन हो गई। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महेश देवी पार्वती के साथ आये। पार्वती ने इन जड़त्व मूर्तियों को देखा। उनके दर्शन होते ही सारी स्त्रियाँ देवी पार्वती के चरणों में गिर पड़ी। देवी पार्वती ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महेश से सुजानकुंवर तथा सभी 72 उमरावों को श्राप मुक्त कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी से उनके शस्त्र लेकर सूर्यकुंड में डलवाये और उन्हें वैश्य कर्म प्रदान किया। सुजानकुंवर को इस अपराध का मुख्य दोषी होने के कारण जागा का काम दिया और शेष 72 उमरावों से 72 माहेश्वरी खांपों की उत्पत्ति हुईं। श्राप देने वाले ऋषियों को इन सभी के गुरु का सम्मान प्रदान किया।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की
प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग
इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

डेढ़ वर्षीय
विवाह मुहूर्त
के साथ

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

९०, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522
सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

वास्तव में माहेश्वरी होना ही अपने आप में एक गर्व की अनुभूति है। वर्तमान में जातियों की लुप्त होती पहचान से देश ही नहीं बल्कि विश्व को व्यवसाय का पाठ पढ़ाने वाली माहेश्वी जाति भी अपनी पहचान खोने लगी है। आम माहेश्वरी खुद ही नहीं जानता कि माहेश्वरी की वास्तविक पहचान क्या है? आईये जानें विशिष्ट माहेश्वरियों की विशिष्ट पहचान, जिन्हें देखते ही आप किसी भी माहेश्वरी को पहचान जाऐंगे।

टीम SMT

विशिष्ट माहेश्वरियों की विशेष पहचान

स्वभाविक क्षत्रिय शौर्य

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की कृपा से क्षत्रिय चौहान जाति के कर्म परिवर्तन से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई है। वास्तव में मूल रूप से तो हमारे पूर्वज क्षत्रिय ही थे। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के बाद मोहता, टावरी आदि कई खांप के हमारे पूर्वजों ने राजशाही के समय सेनाओं का नेतृत्व किया और अपनी वीरता से युद्ध का स्वरूप बदलकर रख दिया। देश की स्वतंत्रता के लिये हुई सशस्त्र क्रांति में भी माहेश्वरी पीछे नहीं रहें।

क्या हैं ''खांप'' और ''नख''

मुंधड़ा, लड्ढा, टावरी आदि 77 खापें हैं। प्रत्येक खांप में उपखांप हैं, जिसे नख कहते है। इनकी संख्या लगभग 960 थीं। चूंकि इनका निर्माण व्यवसाय, निवासी क्षेत्र व प्रतिष्ठा के आधार पर किया गया। अतः इनकी संख्या बढ़ती गई। कुछ वर्ष पूर्व तक लड़की के मामा, लड़के के मामा तथा खुद लड़का-लड़की की खांपे याने 4 खांप छोड़कर विवाह संबंध किये जाते थे। अब केवल अपनी ही खांप छोड़ी जाती है। आजकल उपखांपों की जानकारी न रहने से सगोत्र में विवाह होने की खबरें मिलती रही हैं।

धर्म व भाषा मात्र एक

माहेश्वरी जाति हिन्दू धर्म का अभिन्न अंग है, सभी वैष्णव हैं। काल के प्रवाह में विभिन्न मतावलंबी जैसे रामानुज, रामस्नेही, वल्लभकुल, महानुभाव जैसे पंथ को भी मानने वाले हो गये हैं। किन्तु सभी का धर्म हिन्दू ही है। मारवाड़ी, मेवाड़ी, शेखावटी, हाड़ौती, बागड़ी, ढूंढाली आदि राजस्थानी परिवार की समृद्ध बोलियां हैं। राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र से स्थलांतरीत होने पर विभिन्न प्रांत में उन्हें मारवाडियों के नाम से पहचाना जाने लगा। माहेश्वरी वंश के लोगों की बोली मारवाड़ी है व भाषा राजस्थानी है। जहां-जहां जाकर बसे वहां की स्थानीय भाषा को भी उन्होंने व्यवहार मे अपना लिया है।

नाम पर क्षेत्रवाद हावी

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति खंडेला के लोहार्गल तीर्थ क्षेत्र, राजस्थान में सीकर के पास डीडवाना में हुई उन्हें डीडू माहेश्वरी कहा जाता है। फिर जहाँ-जहां से उत्पत्ति हुई या जाकर बस गये उन सुबों के नाम पर जैसे कोलवार, जैसलमेरी, बीकानेरी, बड़ी मारवाड़, पोकरण, फलोदी आदि के नाम से पहचाने जाने लगे इनके मध्य रोटी-बेटी का व्यवहार अपवाद

स्वरूप ही होता था। अब ऐसा कुछ नहीं है। तथापि भाषा, रीति रिवाजों में अन्तर स्पष्ट नजर आता है। अब दिसावर में बराड़ी, खानदेशी, मेवाड़ी, गुजराती, युपी जैसे प्रदेशों के नाम से पहचाने जाने लगे हैं। इन पर स्थानीय भाषा, खानपान आदि का गहरा प्रभाव पड़ा हैं। कहीं-कहीं तो इनकी स्वतंत्र पहचान ही सहज नहीं रही।

खान-पान मूल रूप से राजस्थानी

राजस्थानी मूल के होने से लगभग सभी माहेश्वरी समाजजनों का खान-पान राजस्थानी ही है। यह ऊंचे दर्जे का शाकाहारी तथा शुद्ध देशी घी-दूध से बने पकवानों का है। दाल-बाटी-चुरमा, बाजरे की रोटी-छाछ से बनी राबड़ी, मूली के पत्ते की सब्जी, केर-सांगरी-काचरी, मोठ जैसी सुकी सब्जियां, खिचड़ी-बड़ी का साग उनके पकवान हैं। घेवर, फैनी, मूंग मोगर का हलवा, बीकानेर की सेव, ब्यावर की तिल पपड़ी आदि राजस्थान की ही देन है। राजस्थान में विशेष प्रसंगों पर अफीम की गोली का प्रचलन भी परंपरा में रहा है।

पर्व त्यौहारों पर राजस्थानी प्रभाव

प्रायः सभी हिन्दू तीज त्यौहार बड़े उत्साह और आनंद के साथ पवित्र भावना से मनाते हैं। स्थान-स्थान, जात-जात के प्रभाव में नाम में तथा पद्धति में अंतर होता रहता है। माहेश्वरी समाज में प्रति दिन कोई ना कोई तीज, त्यौहार, पर्व,उत्सव, बड़ी आस्था और विश्वास के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्रीयन समाज में मंगला गौरी का जितना महत्व है, उतना ही माहेश्वरी समाज में गणगौर और श्रावणी तीज का। घर की साफ -सफाई, पर्वो पर विविध वृक्षों की पूजा की प्रथा केवल माहेश्वरी समाज में ही दिखाई देती है। रंगोली और मांडने घर परिसर की शोभा बढ़ाते हैं। मेंहदी तो अविभाज्य घटक बनकर न केवल माहेश्वरी समाज में बल्कि देश और विदेश में भी आकर्षण का केन्द्र है।

मानव सेवा में सबसे आगे

सार्वजनिक कार्यो में माहेश्वरी जाति ने जिस उदारता के साथ अपनी सम्पति को खर्च किया है, वह आश्चर्यजनक है। देहली से रामेश्वरम् तक धर्मशालाएं बनी हैं, शिक्षा संस्थाओं का तो पूरे देश में जाल सा बिछ गया है, चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी हैं। मंदिर, गौशाला निर्माण और देखभाल कार्य, छात्रवृत्तियां, असहाय के लिये अन्न, छत्र, दुर्बलों को आर्थिकों सहायता, नैसर्गिक विपदा में मदद के लिये दौड़कर जाने वाला समाज है। कुएं, बावड़ी, प्याऊ का कार्य तो हजारों वर्षों से चल रहा है। जहां-जहां माहेश्वरी जाकर बसे हैं, वहां-वहां अधिकांश स्थानों पर माहेश्वरी भवन या महेश भवन हैं। अब छात्रावासों तथा तीर्थ क्षेत्र में समाज सदनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। इसका बड़ी संख्या में अन्य समाज के भी सदस्य लाभ उठाते है।

वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला कि जिंदगी की रफ़्तार थम सी गयी....

वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला कि
जिंदगी की रफ़्तार थम सी गयी।
बाज़ारों की रौनक देखो आज फिर घरों मे सिमट कर रह गयी।
दौड़ते भागते जीवन कि रफ़्तार फिर
संस्कारो के दायरे मे समायोजित होने लग गयी,
वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला....

बच्चों के जीवन मे बड़े बुजुर्गो की अहमियत बढ़ गयी,
पिज़्ज़ा - बर्गर व चाउमीन का मोह खत्म हो गया,
मनुष्य के जीवन मे दाल रोटी की अहमियत फिर से बढ़ गयी,
वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला......

ना सड़को पर गाड़ियों का शोर,
हवा भी देखो एक बार फिर प्रदुषण मुक्त हो गयी,
इंसान घरों के पिंजरो मे बंद हो गया,
खुला आसमान और ज़मीं जानवरो व पशु-पक्षियों की सम्पति बन गयी,
वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला....

हेलो-हॉय के स्थान पर नमस्कार से,
आदर सम्मान प्रेक्षित करने की प्रेरणा प्रकृति मे उदयमान हो गयी,
ये समय की मांग ही तो थी,
जो आज इंसान की इंसान से दूरियाँ बन सी गयी
वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला.....

धूप वही है, छांव वही है,
दिन वही है रात वही है,
समय कि गति आज भी
अपनी रफ़्तार मे चलती रही और
वक़्त ने वक़्त को ऐसा बदला.....

- वरुण मंत्री
अजमेर (राजस्थान)

माहेश्वरी हाइकू

5153 वां वर्ष
चहूँ ओर है हर्ष
उत्पति पर्व

वैष्णव हिन्दू
सतहत्तर खांपे
महेश वंश

महेश वंश
बारह लाख बस
विचारणीय

महेश पुत्र
मारवाड़ी बाणियां
जै राजस्थान

कर्मठ इंसा
स्वाभिमान है प्राण
भिक्षा हराम

रग रग में
उद्योग व्यवसाय
रक्त समान

कुर्ता पजामा
लहंगा चुनड़ीया
साज श्रृंगार

जीवों में जान
गऊ मात समान
महेश महान

पेड़ देवत्व
प्रकृति अमृतुल्य
ईश सदृश

तीज त्यौहार
आस्था श्रद्धा विश्वास
ईश आसक्ति

परोपकार
सम्पति दीनी वार
निस्वार्थ भाव

सौ. सुमिता मूंधड़ा,
मालेगांव, नाशिक

इसलिए आज जाना जरूरी है।

बेबसी मेरी,
पैरों के छाले भी मेरे।
ख्वाब लेकिन सज रहे,
जहां में तेरे।

लौटकर आ सकूँ
इसलिए आज जाना जरूरी है।
अपनी खैरियत बता कर।
घर वालों की जानना जरूरी है।

दूसरों के ख्वाबों को बुनते-बुनते।
उसके ख्वाब उधड़ गए ।
ऊंची -ऊंची मंजिलों तले।
उसके कई जनाजे निकल गए।

जज्बातों का जनाजा
यूं निकलते देखा है।
मजदूर की मौत पर
आंखों में आंसू तक नहीं देखा है ।

मुफलिसी का यह आलम।
फिर भी ईमान पर है कायम।
मजदूर है तो क्या?
है हर दुख दर्द इसका जायज।

■

तुरपाई

थमी सी लगती है
लेकिन थमी है कहां?
तुरपाई में व्यस्त है,
जिंदगी यहां।
उधड़ सी गई थी
जो यहां-वहां ।
टूटे पर,
कब, जाने,
कहां-कहां गिर जाएंगे।
घर से टूटे रिश्ते,
जाने कैसे,
कहां-कहां बिखर जाएंगे।

शैलजा भट्टड़,
बैंगलोर

ये चारदीवारियाँ

जब मिले ये फुर्सत के कुछ पल!
तो लगा ये तो हैं हमारे अपने पल!
लेकिन जल्द ही लगने लगा
ये जुल्म है हम पर
क्युं कि थोपे गये है पल!
लेकिन फिर इन्ही पलो ने
हमे कराया ये एहसास
ये कैद नही है
यही तो है हमारी दुनिया
जब बाहर ना जा सके
तब झांका मन के अंदर
तब खुला यादों का
पिटारा!
बाहर निकली दुनियादारी
के बोझ तले दबी कुछ
खुबिया!
बने हम चित्रकार,
गायक डान्सर,
मास्टर शेफ
इसी जबरदस्ती के
फुरसत ने सिखाया हमे
मिलजुल के करना काम
जब मिले ये फुरसत के
पल तो एहसास हुआ
हमारा बोधी पेड है
ये चार दीवारियां जहाँ
है बंद अपनो के संग.

आरती तोषनीवाल,

'जय महेश'

हम शिव के वंशज,
आओ मिल के लगाये ये नारा
हम सब मिल-जुल रहेंगे,
और बहेंगे मिल एक धारा।..

ये शुभ दिन है हम सबका,
कुछ ऐसा प्रण कर जाए।
अपनों के लिए समर्पित,
मिल प्रेम भाव जगाये ।।
हम हों संगठित ऐसे,
बने एक दूजे का सहारा ।
हम सब मिल-जुल ...।

शिव ही भक्ति, शिव ही शक्ति,
इसके बिन मिले न मुक्ति।
सोये कितना भी जमाना,
माहेश्वरी की आँखे हमेशा जगती।।
माने पूरा जमाना माहेश्वरी के
बिन कोई न जगमे चारा।
हम सब मिल-जुल ...।

इस देश की सेवा में,
अपनों ने दी कुर्बानी।
जब पड़ी मुसीबत हम पर,
नहीं हार किसी ने मानी।।
संकल्प ये मिलके सजाये,
करे सशक्त समाज हमारा।
हम सब मिल-जुल ...।

कोई न बड़ा कोई न छोटा,
माहेश्वरी हम सब हैं एक।
सेवा, त्याग, सदाचार सा जीवन,
खयालात बने नेक।।
जमीं तो है नापी,
नापना है अब आसमां सारा।
हम सब मिल-जुल ...।

है धन्य भाग हमारे,
जो इस कुल में हम जन्मे।
जहाँ प्रेम दया करुणा सदा, पनपाई है हममें।।
आओ मिलकर हाथ बढ़ाये और
गायें ये गीत प्यारा।
हम सब मिल-जुल...।

जय महेश जय महेश जय महेश हो नारा।
हम सब मिल-जुल रहेंगे,
और बहेंगे मिल एक
धारा।।

स्वाति 'सरू'
जैसलमेरिया,
जोधपुर (राज.)

खून खोलता नही है?

ना जाने क्यों !
कुछ लोगो का खून खोलता नही है ?
बड़ी आसानी से पाल लेते हो हैवानियत को,
क्यों तुमसे तुम्हारे अंदर का एक भाई,
कुछ बोलता नही है।
आये दिन हर किसी की हवस का भोग
बनती है बेटिया,
फिर भी न जाने क्यों,
कुछ लोगो का खून खोलता नही है।
हर पल एक हैवान कही नज़र गड़ाये बैठा है,
मौका पाते ही जिस्म को बुरी तरह नोच बैठा है,
देखकर ये मंजर,
क्यों किसी इंसान का दिल काँपता नही है,
मर चुके हो या फिर
बुजदिली से खून खोलता नही है।
हाँ ! मानता हूँ बात थोड़ी कड़वी लगेगी,
जानता हूँ कुछ लोगो को बहुत चुभेगी,
पर सच तो ये है
यहां मंदिर से पहले राम जरूरी है,
जो उतरे लिबास किसी स्त्री के बदन से
तो महाभारत जरूरी है।
अब आंखों में रोष, दिल मे आग चाहिए,
बहुत हुए खेल नामर्दी के,
अब खून हर किसी का खोलना चाहिये।
वरना ये सिलसिला थमेगा नही,
भूख हैवानो की और बढ़ती जाएगी,
आज देश की एक बेटी नोची गयी है,
कल किसी और की बहन
नोची जायेगी।।

अमन न्याती,
चित्तौड़गढ़(राज.)

हर इंसान में खूबियां और खामियां दोनों ही होती हैं।
जो तराशता है उसे 'खूबियां' नज़र आती हैं और
जो तलाशता है उसे 'खामियां' नज़र आती हैं।

घृतपापेश्वर
१८७२ से आयुर्वेद सेवा
सुवर्ण से समृद्ध
स्वामला®
हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक
सेहत का खजाना, दो* चम्मच रोजाना!
रोगप्रतिकार क्षमता बढ़ाने में मदद करें
शरीर में चुस्ती, स्फूर्ति एवं उर्जा लाए
शरीर एवं मन का स्वास्थ्य बनाए रखें
रोग पुनरुत्पत्ति रोकने में मदद करें
बढ़ती उम्र के बच्चों में पोषण मूल्यों की कमी को दूर करें
घृतपापेश्वर
स्वामला
हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक
सुवर्ण से समृद्ध
F20SWDad11x8.5H303
६० वर्षो से आयुर्वेद विशेषज्ञों के विश्वसनीय सुवर्ण समृद्ध च्यवनप्राश
स्वामला, समय के कसौटी पर खरा उतरा एक ऐसा कल्प है, जो चुनिंदा आवलें, गाय का शुद्ध घी, शुद्ध शहद, सुवर्ण भस्म, रौप्य भस्म व पूर्णचंद्रोदय मकरध्वज से समृद्ध एक परिपूर्ण आयुर्वेद रसायन होने से शरीर को आवश्यक पोषण और बल देता है।
Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
*मात्रा
बड़ों के लिए - एक बड़ा चम्मच (१५ ग्राम) दिन में दो बार
बच्चों के लिए - एक छोटा चम्मच (५ ग्राम) दिन में दो बार
श्री घृतपापेश्वर लिमिटेड
शास्त्रोक्त • मानकीकृत • सुरक्षित • उत्तम गुणवत्ता • १४५+ वर्षोकी आयुर्वेद परंपरा
www.sdlindia.com | For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874

कोरोना महामारी का कहर और हमारा उत्तरदायित्व

मानवता के लिये विश्व व्यापी संकट बनी कोरोना महामारी अपने साथ कई चुनौतियाँ लाई हैं, तो इसके साथ ही इसने मानव होने के नाते निर्धारित हमारे उत्तरदायित्व का भी हमें स्मरण करवा दिया है। संकट तभी अधिक विकट बनते हैं, जब हम उससे निपटने के अपने सामर्थ्य अर्थात् अपने उत्तरदायित्व का भुला बैठते हैं। इस महामारी ने हमें समाज के साथ ही अपने अपने प्रति निर्वाह किये जाने वाले उत्तरदायित्व का भी पुर्नस्मरण करवा दिया है।

त्रिभुवन काबरा, वडोदरा

वर्तमान में पूरा विश्व घोर महामारी कोरोना वायरस से जूझ रहा है। लोग घरों में कैद है, सारे विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, हजारों की संख्या में लोगों की मृत्यु हो रही है। ऐसे में मनुष्य की जीवनशैली बदल रही है। इन्सान समझ गया है कि जीवन क्षणभंगुर है। धन व भौतिक ताकत से प्रकृति से जीत हासिल नहीं की जा सकती। ऐसा नहीं है कि ऐसी आपदा विश्व पर पहली बार आई है। इससे पहले भी प्लेग, चेचक व हैजे जैसी महामारी में करोड़ों लोगों ने जान गवाई थी। अक्सर देखा गया है कि महामारी इन्सानों द्वारा की गई अति का ही परिणाम होता है तथा प्रकृति हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य कर जीवन जीने का पाठ पढ़ाती है। कोरोना के बाद मानव की सोच एवं जीवन शैली में आमूलचूल परिवर्तन आया है तथा आने वाले समय में ओर भी हो सकता है।

अपनी जड़ो की ओर लौटने लगा इंसान

इन्सान का अध्यात्म व योग की तरफ झुकाव बढ़ा है, ईश्वर में आस्था व विश्वास बढ़ा है। अतीत में समा चुके रामायण व महाभारत जैसे टीवी सीरियल ने युवा समुदाय के जहन में भी जगह बनाई है। मानव पुरखों की जीवनशैली में जीवन तलाशने लगा है। हमें स्वच्छता तथा हाइजीन का महत्व समझ में आया, लोगों का शहरों से मोह भंग हुआ तथा गांवों की तरफ पलायन हुआ है। व्यक्ति गांवों को अधिक सुरक्षित समझने लगे तथा पुरखों के पारंपरिक संसाधनों में जीवन यापन के तरीके तलाशने लगे हैं। विदेशों में बसे लोगों को भी स्वदेश की याद आने लगी है। लोगों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी होने का महत्व समझ में आया। इन्सान को नमिष व बाहर के बने भोजन की बजाय घर में बने शाकाहारी भोजन का महत्व समझ में आया। पूर्वजों की मितव्ययिता तथा अल्प आय में भी सादगी से सुखी जीवन जीने की सोच अच्छी लगने लगी। लोगों को प्रतिकूल समय के लिए छोटी छोटी बचत का महत्व समझ में आया।

कोरोना योद्धाओं के बारे में बदली हमारी सोच

ऐसी विकट परिस्थितियों में फ्रंटलाइन वॉरिएर्स जैसे चिकित्साकर्मी, सफाईकर्मी, आवश्यक सामग्री आपूर्तिकर्मी, पुलिसकर्मी, सेना के जवान, पत्रकार आदि का हमारे दैनिक जीवन में कितना अहम योगदान है, इसके बारे में पहले शायद कभी हमने इतनी गहराई से सोचा ही नही होगा। एक सामान्य सोच थी कि ये लोग सिर्फ अपनी ड्यूटी निभाते हैं, जिसके एवज में इन्हे मेहनताना मिल जाता है। मगर इस कठिन दौर में इनका योगदान किसी दैवी वरदान से कम नही लगता है। आपदा के इस दौर में उन भामाशाहों की आंतरिक भावना भी मुखरित हो कर सामने आई जिन्होंने निस्वार्थ भाव से यथाशक्ति भूखों के लिए भोजन की व्यवस्था की। लॉकडाउन की वजन से घर पर बैठे अपने कर्मचारियों को समय पर वेतन देकर उनकी सहायता की तथा सामर्थ्यानुसार अपनी गाढ़ी कमाई में से राष्ट्रहित में सरकारों को भी अंशदान दिया।

पर्यावरण के संरक्षण की सही राह दिखायी

इस महामारी की वजह से कुछ आश्चर्यजनक परिणाम भी देखने को मिले हैं जैसे वायु, जल व ध्वनि प्रदूषण एकदम समाप्त सा हो गया। जिस कार्य करने के लिए जहां हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट कुछ नही कर सके उसे प्रकृति ने कर दिखाया। प्रकृति ने तो हमें नसीहत भी दे दी है, अब इसको बनाए रखने की ज़िम्मेदारी हमारी है। इसकी वजह से हर देश का अपनी जीर्णशीर्ण पड़ी सरकारी चिकित्सा सुविधाओं को दुरुस्त करने की तरफ ध्यान गया। जीवनशैली में बदलाव की वजह से नए अनुसन्धानों को बढ़ावा मिला है। अंधविश्वास को छोड़ कर विज्ञान पर भरोसा बढ़ा है। महामारी ने शारीरिक रूप से इन्सान को एक दूसरे से जरूर दूर किया है मगर दिलों से एक दूसरे के बहुत करीब कर दिया है। वर्तमान के इस कठिन दौर में हमें लोगों की नकारात्मक सोच को सकारात्मक सोच में बदलने का प्रयास करना होगा। सरकार के साथ सहयोग कर समर्पित भाव से मानव कल्याण के लिए काम करना होगा। अभी समय है, जिसमें आधुनिक संचार माध्यमों से लोगों से अधिकाधिक संपर्क स्थापित कर सकते हैं। हमारे लिए ये भविष्य की धरोहर होगी। हमारी तपस्या से एक दिन भाग्योदय अवश्य होगा। आओ फिर से एक नए जीवन की शुरुआत करें....

' कोई भी बाधा रोक नही सकती मेरे होसले की उड़ान को '

वृद्धावस्था वास्तव में कोई अभिशाप नहीं होती बल्कि जीवन की परिपक्वावस्था होती है। इस अवस्था में तो जीवन के कई अनुभव होते हैं, जिनका परिवार व समाज को लाभ देकर अपनत्व व सम्मान अर्जित किया जा सकता है। यह अवस्था सुखद बनी रहे इसके लिये जरूरी हैं, कुछ सावधानियां अन्यथा इस अवस्था को अभिशाप बनते भी देर नहीं लगती। आईये देखें क्या रखें सावधानी?

जयकिशन झंवर, बैंगलोर

सुखद वृद्धावस्था के लिये जरूरी है सावधानी

- आप जानते हैं कि मन चाहे कितना ही जोशीला हो पर साठ की उम्र पार होने पर यदि आप अपने आप को फुर्तीला और ताकतवर समझते हों तो यह गलत है। वास्तव में ढलती उम्र के साथ शरीर उतना ताकतवर और फुर्तीला नहीं रह जाता। थोड़ी सी चूक से एक्सीडेंट और शारीरिक क्षति हो सकती है।

ये क्षति फ्रैक्चर से लेकर 'हेड इंज्यूरी' तक हो सकती है। यानी कभी-कभी जानलेवा भी हो जाती है।

-सुबह नींद खुलते ही तुरंत बिस्तर छोड़ खड़े न हों, क्योंकि आँखें तो खुल जाती हैं मगर शरीर व नसों का रक्त प्रवाह पूर्ण चेतन्य अवस्था में नहीं हो पाता। अतः पहले बिस्तर पर कुछ मिनट बैठे रहें और पूरी तरह चैतन्य हो लें। कोशिश करें कि बैठे-बैठे ही स्लीपर/चप्पलें पैर में डाल लें और खड़े होने पर मेज या किसी सहारे को पकड़कर ही खड़े हों। अक्सर यही समय होता है डगमगाकर गिर जाने का।

- गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं बाथरुम/वॉशरुम या टॉयलेट में ही होती हैं। आप चाहे अकेले हों, पति/पत्नी के साथ या संयुक्त परिवार में रहते हों लेकिन बाथरुम में अकेले ही होते हैं। अतः सतर्कता रखें।

- यदि आप घर में अकेले रहते हों, तो और अधिक सावधानी बरतें क्योंकि गिरने पर यदि उठ न सके तो दरवाजा तोड़कर ही आप तक सहायता पहुँच सकेगी, वह भी तब जब आप पड़ोसी तक समय से सूचना पहुँचाने में सफल हो सकेंगे। याद रखें बाथरुम में भी मोबाइल साथ हो ताकि वक्त जरुरत काम आ सके।

- देशी शौचालय के बजाय हमेशा यूरोपियन कमोड वाले शौचालय का ही इस्तेमाल करें। यदि न हो तो समय रहते बदलवा लें, इसकी तो जरुरत पड़नी ही है, अभी नहीं तो कुछ समय बाद। संभव हो तो कमोड के पास एक हैंडिल लगवा लें। कमजोरी की स्थिति में पकड़ कर उठने के लिए ये जरूरी हो जाता है। बाजार में प्लास्टिक के वेक्यूम हैंडिल भी मिलते हैं, जो टॉइल जैसी चिकनी सतह पर चिपक जाते हैं, पर इन्हें हर बार इस्तेमाल से पहले खींचकर जरूर जांच-परख लें।

- हमेशा आवश्यक ऊँचे स्टूल पर बैठकर ही नहायें। बाथरुम के फर्श पर रबर की मैट जरूर बिछाकर रखें ताकि आप फिसलन से बच सकें। गीले हाथों से टाइल्स लगी दीवार का सहारा कभी न लें, हाथ फिसलते ही आप 'डिस-बैलेंस' होकर गिर सकते हैं। बाथरुम के ठीक बाहर सूती मैट भी रखें जो गीले तलवों से पानी सोख ले। कुछ सेकेण्ड उस पर खड़े रहें फिर फर्श पर पैर रखें वो भी सावधानी से।

- अंडरगारमेंट हों या कपड़े, अपने चेंजरूम या बेडरूम में ही पहनें। अंडरवियर, पाजामा या पैंट खडे-खडे कभी नहीं पहनें। हमेशा दीवार का सहारा लेकर या बैठकर ही उनके पायचों में पैर डालें, फिर खड़े होकर पहनें, वर्ना दुर्घटना घट सकती है।

- कभी-कभी स्मार्टनेस की बड़ी कीमत चुकानी पड़ जाती है। अपनी दैनिक जरुरत की चीजों को नियत जगह पर ही रखने की आदत डाल लें, जिससे उन्हें आसानी से उठाया या तलाशा जा सके। भूलने की आदत हो, तो आवश्यक चीजों की लिस्ट मेज या दीवार पर लगा लें, घर से निकलते समय एक निगाह उस पर डाल लें, आसानी रहेगी।

- जो दवाएं रोजाना लेनी हों, उनको प्लास्टिक के प्लॉनर में रखें जिससे जुड़ी हुई डिब्बियों में हफ्ते भर की दवाएँ दिन-वार के साथ रखी जाती हैं। अक्सर भ्रम हो जाता है कि दवाएं ले ली हैं या भूल गये। प्लॉनर में से दवा खाने में चूक नहीं होगी।

- सीढ़ियों से चढ़ते उतरते समय, सक्षम होने पर भी, हमेशा रेलिंग का सहारा लें, खासकर ऑटोमैटिक सीढ़ियों पर। ध्यान रहे अब आपका शरीर आपके मन का ओबिडियेंट सरवेन्ट नहीं रहा।

- बढ़ती आयु में कोई भी ऐसा कार्य जो आप सदैव करते रहे हैं, उसको बन्द नहीं करना चाहिए। कम से कम अपने से सम्बन्धित अपने कार्य स्वयं ही करें। नित्य प्रातःकाल घर से बाहर निकलने, पार्क में जाने की आदत न छोड़ें, छोटी मोटी एक्सरसाइज भी करते रहें। नहीं तो आप योग व व्यायाम से दूर होते जाएंगे और शरीर के अंगों की सक्रियता और लचीला पन कम होता जाएगा। हर मौसम में कुछ योग-प्राणायाम अवश्य करते रहें।

- घर में या बाहर हुकुम चलाने की आदत छोड़ दें। अपना पानी, भोजन, दवाई इत्यादि स्वयं लें जिससे शरीर में सक्रियता बनी रहे। बहुत आवश्यक होने पर ही दूसरों की सहायता लेनी चाहिए।

- घर में छोटे बच्चे हों तो उनके साथ अधिक समय बिताएं, लेकिन उनको अधिक टोका-टाकी न करें। उनको प्यार से सिखायें। ध्यान रखें कि अब आपको सब के साथ एडजस्ट करना है न कि सब को आपसे।

इस एडजस्ट होने के लिए चाहे, बड़ा परिवार हो, छोटा परिवार हो या कि पत्नी/पति हो, मित्र हो, पड़ोसी या समाज नोन, मौन, कौन के मूल मंत्र को जीवन में उतारते ही वृद्धावस्था प्रभु का वरदान बन जाएगी जिसको बहुत कम लोग ही उपभोग कर पाते हैं।

वर्तमान में वैश्विक रूप से चल रही मौत की बीमारी के रूप में प्रचलित महामारी कोरोना से आमजन के जीवन की रक्षा में स्वास्थ्य विभाग का अमला कोरोना योद्धा के रूप में जुटा हुआ है। अपने जीवन की परवाह न करते हुए मानवता की रक्षा करने के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने में माहेश्वरी चिकित्सक भी पीछे नहीं हैं। इनमें से ही एक हैं मनासा के नाथमुनि परिवार के एक डॉ. योगेश मुंदड़ा।

सतीश बजाज, नागदा

कोरोना योद्धा डॉ. योगेश मूंदड़ा

मनासा माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित नाथूलाल मूंदड़ा परिवार को नाथमुनि परिवार के नाम से जाना जाता है। नाथमुनि के नाम से यह परिवार इनके गुरु गादी उत्तर अहोबिल झालारिया पीठाधीश्वर वीर राघवाचार्यजी गुरु महाराज डीडवाना (राजस्थान) ने इनके प्रदादाजी श्री नाथूलाल मुंदड़ा (शतायु) को 102 वर्ष की उम्र होने पर नाथमुनि के नाम से अलंकृत किया था। तब से ही यह परिवार नाथमुनि) के नाम जाना जाता है। इसी परिवार के सदस्य प्रपोत्र डॉ. योगेश मुंदड़ा वर्तमान में इंदौर के अरविंदो हॉस्पिटल में पोस्ट ग्रेजुएशन के आखिरी साल में अध्ययनरत होते हुए जनरल सर्जरी विभाग में कार्यरत हैं। वर्तमान में वे वैश्विक माहमारी कोरोना में रेड ज़ोन हॉस्पिटल अरविंदो में अपनी सेवाएं दे रहे है। हाल ही में 12 मई को डॉ. योगेश आकाशवाणी इंदौर द्वारा प्रसारित कार्यक्रम 'हम होंगे कामयाब' में भी रूबरू हो चुके है। इनकी छोटी बहन डॉ. प्राची मुंदड़ा भी अरविन्दो हॉस्पिटल में इंटरशिप कर रही है। साथ ही कोरोना से संक्रमित मरीजों को अपनी सेवाएं दे रही है।

प्रतिभावान चिकित्सक के रूप में पहचान

डॉ.योगेश ने मुम्बई के नामचीन कॉलेज डी.वाय. पाटिल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन से वर्ष 2015 में एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई पूरी की। इसी बीच वर्ष 2012 में डॉ. योगेश डॉ. डी.वाय. पाटिल यूनिवर्सिटी की सालाना प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'आइरिस'के चीफ एडिटर भी रहे। साथ ही वर्ष 2012 की स्टूडेंट काउंसिल के सदस्य रहे। वर्ष 2014 में अपने ही देश में होने वाले इंडियन सुपर लीग में मुंबई की फुटबॉल टीम के डॉक्टर टीम में सदस्य रहे। वहीं वर्ष 2015 की आई.पी.एल. इंडियन प्रीमियर लीग के मुम्बई इंडियन की डॉक्टर टीम के सदस्य रहे है। साथ ही उसी साल होने वाले सेलिब्रिटी क्रिकेट टीम के डॉक्टर टीम के सदस्य रहे। वर्ष 2015 में इन्होंने मोटापे के लिए होने वाली बेरियाट्रिक सर्जरी की आब्जर्वर शिप डॉ. मोहित भंडारी के गाइडेंस में इन्हें सेंटर मोहक बेरियाट्रिक एण्ड रोबॉटिक्स से की हैं।

वर्तमान में कर रहे पीजी

उसके बाद मार्च 2015 से अक्टूम्बर 2016 तक इन्होंने मुंबई की जुहू के प्रसिद्ध डॉ. आर.एन. कपूर हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दी है। अक्टूबर 2015 से एक वर्ष तक इन्होंने भारत सरकार द्वारा संचालित एम्स जोधपुर में सर्जरी विभाग में अपनी सेवाएं दी। वर्ष 2017 में पोस्ट ग्रेजुएशन के लिये नेशनल लेवल पर होने वाली परीक्षा के लिए तैयारी की और वर्ष 2018 में इंदौर के अरविंदो हॉस्पिटल के अंदर सर्जरी विभाग में अंडर पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स जॉइन किया। माह मई 2019 में मोहक हाईटैक हॉस्पिटल में डॉ. मोहित भंडारी के नेतृत्व में उनकी टीम का हिस्सा बनकर 13 घण्टे 20 मिनिट में 53 मोटापे की सर्जरी कर रही टीम की सदस्यता के लिम्का बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में शामिल हुए।

वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व के वैज्ञानिक मांसाहार के कोरोना संक्रमण पर प्रभाव के बारे में बोलने से बिल्कुल बच रहे हैं, लेकिन कुछ तथ्य हैं जो इस ओर संकेत करते हैं कि मांसाहारी इससे अधिक प्रभावित होते हैं। पूरी दुनिया के लोग मांसाहार की जगह शाकाहार की ओर अधिक बढ़ रहे हैं। भारतीय संस्कृति और जीवन शैली की ओर दुनिया का रूझान बढ़ा है। ऐसे में वैज्ञानिक रूप से ठोस उत्तर की आवश्यकता महसूस होने लगी है कि क्या तामसिक आहार कोरोना का खतरा बढ़ाता है।

क्या कोरोना का खतरा बढ़ाता है

तामसिक आहार

उर्मिला तापडिया,
पाली मारवाड़
मो.- 7976859300

हमारी भारतीय संस्कृति संस्कारों से ओतप्रोत है। यहां एक दूसरे के प्रति सम्मान की संस्कृति है। जहाँ व्यक्ति विशेष के सम्मान के साथ जीव-जन्तु, पशु-पक्षी का भी सम्मान किया जाता रहा है। ''अहिंसा परमोधर्म'' हिंसा को सबसे बड़ा पाप माना जाता है। कई संस्थाएं जीव रक्षा के लिए कार्य करती है। कहते हैं कि विश्व में सबसे कम मांसाहारी भोजन करने वाले भारत में हैं, इसलिए अन्य देशों की तुलना में भारत कोरोना जैसे वायरसों से सबसे कम संक्रमित हुआ है। इसी का नतीजा है कि दुनिया में भारत का अनुसरण करके मांसाहार छोड़ने वालों की संख्या भी बढ़ी है। तामसिक भोजन की श्रेणी में आने वाले आहार (मांसाहार) का कोरोना वायरस पर प्रभाव हेतु चीन भी दावा कर रहा है कि कोरोना वायरस चमगादड़ का सूप पीने से इन्सानों में पहुंचा है। इसी से हमें समझ लेना चाहिये कि मांसाहारी होना कितना घातक है।

विकृतियां पैदा करता है मांसाहार

हमारे पाचन तंत्र में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं, जो खाना पचानें एवं ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। मांसाहारी भोजन को पचने में अत्यधिक समय लगता है जिससे कई जटिल बीमारियों को पनपने का अवसर मिलता है और कोरोना जैसे वायरस भी अपने पांव पसार लेते हैं। यह भी कहा जाता है कि जब किसी जानवर को मारा जाता है तो वह भयभीत होता है और इससे उसके शरीर में भयंकर जहरीले तत्व उत्पन्न होते हैं और वो जहरीले तत्व मांसाहार के रूप में खाने वाले व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाते हैं जिससे कोरोना जैसे कई वायरस व विकृतियां पैदा होती है। और यह भी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि इससे भी भयंकर महामारी उत्पन्न हो सकती है। मांसाहार से जो तामसिक वृत्तियां पैदा होती हैं वो इंसान को हिंसक भावनाओं से ग्रसित कर देती है जबकि शाकाहारी व्यक्ति में दया, करूणा, प्रेम, ममत्व एवं वात्सल्य का भाव बना रहता है।

सुखी जीवन का है ये आधार

अगर शाकाहार को बढ़ावा मिले जो धरती को और ज्यादा स्वस्थ और ज्यादा दौलतमंद बनाया जा सकता है। शाकाहार ही हमारा उत्तम आहार है। इन्सान का पेट कोई श्मशान नहीं जहां मृत पशुओं को डाला जाए। जो लोग मांसाहार में अधिक प्रोटीन का दावा करते हैं उनको बता देती हूं कि उससे कई अधिक प्रोटीन और विटामिन दालों में मिलता है जो पचता भी जल्दी है। शाकाहारी भोजन के लिए बताया जाता है कि 4 घंटे पहले बना भोजन स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयुक्त नहीं होता है तो हम समझ सकते हैं कि मांसाहारी भोजन कितना घातक हो सकता है। अतः यही कहुंगी कि अपनी जिव्हा के स्वाद के लिए किसी निरीह पशु की हत्या सरासर पाप है। संत शिरोमणी तुलसीदास ने कहा है कि कोई व्यक्ति अगर राई के दानें का बारहवां हिस्सा भी मांसाहार खाता है तो वह नरक चोरासी में घूमता रहता है, उसे मोक्ष नहीं मिलता है और वह जीते जी या मरकर नरक ही भोगता है। इसलिए मांसाहार के लिए स्वतंत्र है तो जीव हत्या का कर्म भोगने के लिए आप परतंत्र हैं।

शाकाहारी भोजन = सकारात्मक व्यक्तित्व + शांति पूर्वक जीवन। योग, प्राणायाम, मेडिटेशन का अभ्यास तामसिक प्रवृत्तियों से मुक्त होने में सहायक हैं।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए 60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए 70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए 1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

लॉकडाउन के बाद क्या अब ऑन लाईन की ओर बढ़ेंगे कदम?

कोरोना वायरस महामारी ने जनमानस पर स्वास्थ के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था पर न सिर्फ प्रहार किया है, बल्कि इसके परिणाम स्वरूप इन व्यवस्थाओं में भी परिवर्तन की शुरुआत की है। इनमें प्रमुख है, घटते सीधे समााजिक संपर्क और ऑन लाईन सामाजिक संपर्क व व्यवसाय के लिये खुला आकाश। लॉकडाउन के कारण कई कम्पनियों ने अपनी कार्यप्रणाली विवशता में वर्क फ्रॉम होम थी, लेकिन इस दौर में उन्हें जो भी लाभ हुआ, इसके बाद उन्होंने इसे स्थायी रूप से अपनाने का ही मन बना लिया है। यही स्थिति अन्य व्यवसाय में भी है। अभी तक ऑन लाईन व्यावसायिक प्लेटफार्म के बावजूद आम व्यक्ति इनसे दूर था, लेकिन वर्तमान दौर में बढ़ती होम डिलेवरी की मांग व आम व्यक्ति के इनके द्वारा खरीदी करने का आदी बन जाने की पूरी संभावना है। ऐसे में यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि क्या अब ऑन लाईन की ओर ही हर क्षेत्र के कदम बढ़ेंगे? क्या परम्परागत काम-धंधे सिमटकर रह जाऐंगें? भावी उद्योग व्यवसाय के स्वरूप के अस्तित्व को लेकर महत्वपूर्ण बन चुके इस विषय पर आईये जाने इस स्तंभ की प्रभारी सुमित्रा मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

लॉकडाउन से ऑनलाइन की तरफ बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री मोदी वर्षों से भारत की जनता को बार - बार डिजिटीकरण सीखने और अपनाने के लिए निवेदन कर रहे थे। भारत की आधी जनता ने उनकी बात पर अमल किया और आधी जनता आजतक पुरानी परिपाटी पर ही चल रही थी। पर कोरोना महामारी ने आज सबको ऑनलाइन और डिजिटलीकरण अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। जब तक कोरोना वायरस की दवा या टीका तैयार नहीं हो जाता है, हमें अपने स्वास्थ्य के लिए सजग तो रहना ही पड़ेगा और इसके लिए ऑनलाइन का रास्ता ही सबसे सुरक्षित है। अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से-बड़े व्यापारी संगठनों ने तो वर्क फ्रॉम होम को आसानी से अपना लिया है, इससे उनको मुनाफा भी हो रहा है। इससे कर्मचारियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके ऊपरी ख़र्चे भी कम हो गए हैं। पर मध्यमवर्गीय व्यवसाय पर इसके भारी दुष्परिणाम दिखाई देंगे, जिस पर हमारी अर्थव्यवस्था टिकी है। हर व्यापार व काम को तो ऑनलाइन नहीं किया जा सकता।

सामाजिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से - मोबाईल के कारण रिश्ते वैसे भी सिमटने लगे थे, आपस में मिलना-जुलना कम होता जा रहा था, अब कोरोना लॉकडाउन ने इसपर आग में घी का काम किया है। भविष्य में पारिवारिक कार्यक्रम अब अपनों तक सिमट कर रह जाएंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में भी गिरावट आएगी, मिटिंग्स तो वैसे भी ऑनलाइन होने लगी ही है। हम देख ही रहे हैं कि माहेश्वरी समाज के उत्पति दिवस 'महेश नवमीं' के सभी कार्यक्रम ऑनलाइन लिए जा रहे हैं; इससे सामाजिक दूरियां बढ़ने ही वाली है। चारदीवारी में सिमटकर रह जाएंगे हमारी दोस्ती-रिश्ते-नाते। सोशल डिस्टेंसिग का बस एक सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि बाहरवालों से दूरी और परिवार से नजदीकियां बढ़ी है ।

सुमिता मूंधड़ा, मालेगांव (नाशिक)

ऑनलाइन व्यापार अधिक सम्भव नहीं

निच्छित रूप से देश-विदेश के लिए यह समय बड़ा दुष्कर चल रहा है। कोरोना महामारी के चलते इस समय व्यापार-उद्योग के साथ आम जीवन भी अस्त-व्यस्त हुआ पड़ा है। बदलते इस परिवेश में इस समय ऑनलाइन व्यापार के अस्तित्व से इनकार नही, ना ही इसका कोई विरोध, पर यह भारत है और आम भारतीय अपने हिसाब ओर रीति-नीति से ही अपना जीवन सम्पादित करता है। कोरोना-महामारी के चलते जब देश मे लॉकडाउन की घोषणा हुई थी, .तब सबसे पहले ऑनलाइन मार्केट ही बंद हुए थे। उस समय पड़ोस का किराना-व्यापारी ही अपने काम आया था। गली के बाहर लगने वाली सब्जी की दुकान वालो की वजह से घर मे सब्जियां उपलब्ध हुई थी और भी अन्य जरूरत वाली सामग्री आसपास से अपने स्तर पर ही हमे मिली थीं। आज भी भारत तो क्या महाशक्ति अमेरिका में भी पेमेंट व्यवस्था में ई-भुगतान की जगह सम्बंधित देश की मुद्राएं अधिकतर उपयोग में आती है। भारत की अर्धव्यवस्था अपने स्तर पर ही संचालित होती आई है, इसलिए,मुझे नही लगता कि इस कोरोना की वजह से आम सोच में कोई बदलाव आएग। भारत जैसा था, वैसा ही रहने वाला है, इसलिए मुझे नही लगता है कोरोना के बाद हमारे कदम ऑनलाइन व्यापार की ओर यकायक बढ़ जाएंगे।

नृसिंह करवा 'बन्धु', जोधपुर (राजस्थान)

सभी को ऑनलाईन के अनुसार तैयार होना होगा

इस महामारी के समय ऑनलाइन व्यापार बढ़ा है। वास्तव में यह सिर्फ बेचने की व्यवस्था है, उत्पादन तो ऑनलाइन नहीं हो सकता। पहले हम सूची देकर आते थे तो व्यापारी सामान घर भेजते थे। माल बेचने जाते या पार्सल से सैंपल भेजते, व्यापारी ऑर्डर देते थे। अब ये काम अधिकतर ऑनलाइन हो गया। इससे समय की बचत होती

है, पर बड़ी ऑनलाइन कंपनियां जो खुद कोई उत्पादन नहीं करती वो घाटा सह कर माल बेचती है। छोटा व्यापारी घाटा नहीं सह सकता। इसका उपाय यह है कि हमें ग्राहक को वो सभी सुविधाएं देनी होंगी जो ये कंपनियां दे रही हैं। जैसे फोन या इमेल से सैंपल और डिटेल भेजना, ऑर्डर बुक करना, माल सप्लाई करना, ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करना आदि। घाटा नहीं सहन कर सकते तो इसके लिए दो काम करने होंगे। पहला लागत को कम करने का प्रयास और दूसरा वस्तु की क्वालिटी सुधारना। वैसे भी छोटे व्यापार में उपरी व्यय (ओवरहेड) कम होते हैं। अपनी स्थिति के अनुसार लागत कम करने के प्रयास करने होंगे। क्वालिटी अच्छी होगी तो ग्राहक कुछ मूल्य अधिक भी दे सकते है। उनका विश्वास जीतना होगा और वो गुणवत्ता से ही हो सकता है। सेवाओं को भी ऑनलाइन करने का प्रयास करे। समय तकनीकी का है और हमें समय के साथ कदमताल करनी ही होगी।

नम्रता माहेश्वरी

दुकान की जगह नहीं ले सकता ऑनलाईन व्यवसाय

विषम परिस्थितियों में से रास्ता निकालकर विपदा से लडने के लिये मात्र ऑनलाईन काम किया गया। लेकिन यह अब चलन बन जाएगा, ऐसा भी नहीं है। हमारे देश में अधिकांश लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जहां उनके व्यापारियों से बड़े संजीदा रिश्ते होते हैं। हर चीज सोच-समझकर, परखकर और नापतोल कर लेने की आदत हमें पारंपरिक व्यवसाय से जोड़े रखेंगी। हमें बहुत जागरूकता से ऑनलाईन व्यवसाय करना होगा। जरा से लाभ के लालच में अगर हमारा पैसा विदेशों में जाता हो, तो हमें ऐसी कंपनियों से जुड़ना ही नहीं है। व्यापारी बंधु आपस में ठान लें कि हम कोई भी चीज ऑनलाईन नहीं बुलाएंगे तो अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। ग्राहकों के साथ सोहार्द पूर्ण व्यवहार,योग्य दाम, मीठी वाणी रखे तो ग्राहक हमसे सीधे जुड़ें रहेंगे। हमें सजगता से व्यापार करना है। ग्राहकों का भरोसा बनाए रखना है। विपदा की घड़ी में हम व्यापारी उनके कितने काम आते है, यह बात अपने व्यवहार से ग्राहकों के दिल में उतारनी है।

दीपा बंग, परली वैजनाथ (महाराष्ट्र)

ऑनलाइन क्रय विक्रय समय की मांग

वर्तमान में कोरोना महामारी से निजात पाने हेतु कई तरह के नियम लॉकडाउन के रूप में जनता के लिए लागू किये गए। इससे हमारी अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ रहा था लेकिन इसी प्रभाव को संतुलित करने हेतु ऑनलाइन क्रय विक्रय प्रणाली ने वास्तव में बहुत ही सहायक, सुरक्षित, सुचारू और बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। एक क्लीक पर आपकी पसंद की और गुणवत्ता से परिपूर्ण वस्तु का आप तक पहुँच जाना एवं रुपये का भुगतान भी ऑनलाइन हो जाना वर्तमान समय की महती आवश्यकता थी। अब यह हर आयु वर्ग के लोगो द्वारा अपना ली गई है, इसलिए ऐसा लगता है आगे भी इसका विस्तृत रूप ही देखने मिलेगा। व्यवसाय चाहे पारंपरिक हो या आधुनिक उसे समय और मांग के अनुसार बदलते रहना ही चाहिए जिस प्रकार किसी भी वस्तु का फैशन बदलता रहता है, पुरानी की जगह और अच्छी एवम नई वस्तु आ जाती है। उसी प्रकार व्यवसाय करने के तरीके में ऑनलाइन प्रणाली का समावेश न केवल आपको टेक्नोलॉजी का जानकार बनाएगा बल्कि आपके व्यवसाय को भी दूर दूर तक फैलाने में सहायक सिद्ध होगा। अतः मुझे लगता है ऑनलाइन व्यवसाय की ये क्रांति आगे तक जाएगी और हर प्रकार के व्यवसायों को अपने अनुरूप ढालकर पारंपरिक व्यवसाय में आधुनिकता का सकारात्मक मेल कर बहुत लाभकारी सिद्ध होगी।

शालिनी चितलांगिया,
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

समय की माँग के अनुसार है यह बदलाव

विश्वव्यापी महामारी कोरोना के चलते भारत सहित अन्य देशों में लॉकडाउन घोषित किया गया। Stay home-Stay Safe की बात कही गई। इसका परिणाम यह हुआ कि ऑनलाइन गतिविधियां बहुत बढ़ गई। भीड़-भाड़ और समय की बचत की दृष्टि से ये सुविधाजनक भी है। किन्तु अब सामान्य रूप से भी अनेक समाजिक कार्य ऑनलाइन सम्पन्न किए जा रहे हैं, इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की व्यक्तित्व विकास समिति द्वारा आयोजित की गयी झूम मीटिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना है, जिसमें 1000 महिलाओं की भागीदारी रही। इसके साथ ही बाल एवं किशोरी विकास समिति के द्वारा आयोजित की गई ई संस्कार वाटिका में विश्व के 18 देशों के लगभग 31000 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन करवाए और शिविर का लाभ लिया। ये भी अपने आप में एक विश्व कीर्तिमान बना, जिसका गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी वर्क फ्रॉम होम एक अच्छी पहल है। घर के सुखद वातावरण में वह अपनी लगन से कार्य कर रहे हैं । साथ ही कार्यालयीन खर्चों जैसे बिजली, आदि की बचत भी हो रही है। देश की अर्थव्यवस्था, सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों की अर्थव्यवस्था में बदलाव का असर समाज पर दिखेगा। कोरोना संकट से निकलने के बाद पारंपरिक उद्योगों को भी नई तकनीक अपनाने की मजबूरी होगी। वर्तमान परिस्तिथियों के अनुसार छोटे मंझोले किराना व्यापारियों ने भी ऑनलाइन या घर पहुँच सेवा के माध्यम से व्यापार करना प्रारम्भ कर दिया है। अतः भविष्य में समय की बचत और भीड़ से दूरी बनाए रखने की दरकार के चलते ओनलाइन का महत्व बहुत बढ़ जाएगा ।

मनीषा राठी, उज्जैन (म.प्र.)

हितकर ही होगा ऑनलाईन जीवन

लॉकडाउन से पहले का जीवन लॉकडाउन के बाद के जीवन से बिल्कुल अलग होगा। कोरोना महामारी से वैश्विक स्तर पर बदलाव का संकेत मिलने लगा है। लॉकडाउन के बाद सभी की जीवन की असली लड़ाई शुरू होगी। लॉकडाउन के बाद स्वयं की और अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी ज्यादा होगी। सारी बातों का विचार करते हुए एसा लगता है कि वैक्सीन नहीं निकली तब तक सभी का झुकाव डिजिटल की और रहेगा। लॉकडाउन में कंपनी मे कार्यरत कर्मचारी घर से ही कार्य कर रहे है। इससे कंपनी का सबसे बड़ा खर्चा इलेक्ट्रीक का कम हुआ है। किराना दुकानदार अपनी सेवा घर बैठे ही माल की सप्लाई दे रहे हैं। पठन-पाठन, सभा, शिबिर का भी तरीका बदल गया है। सामाजिक कार्य भी ऑनलाइन पटरी पर दौड़ रहे है। ऑनलाइन से सगाई भी हो रही है।

संस्थानों के ऑनलाइन क्लास संचालन से भवन किराया, कर्मचारियो का वेतन, भवन की साफ सफाई सहित अन्य खर्च कम होगा। इसे देखते हुए ऐसा लगता है कि अब ऑनलाइन कोचिंग संचालित करने से खर्चा कम होगा तो विद्यार्थियो की फीस भी कम होगी और आम परिवार को इसका लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को घर बैठे पढ़ने की सुविधा मिलेगी, तो अपना गाँव,घर छोड़कर दूसरी जगह नही जायेगा। घर पर ऑनलाइन पढ़ाई से हॉस्टल का रहने का किराया, खाने - पीने सहित अन्य खर्च भी कम होंगे।

अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,
अमरावती (महाराष्ट्र)

ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनों जरूरी

लॉकडाउन का तो बहाना है, लोग तो पहले से ही ऑनलाइन सामान मंगाने के आदि हो चुके हैं। लॉक डाउन के कारण तो अब हम दो कदम और आगे बढ़ गए हैं। इससे मंझोले व्यापारी का तो डूबना तय है। ना लोग दुकान पर जायेंगे, ना सामान खरीदेंगे, तो नुकसान होना तय ही है। सरकार को शुरुआत में तो अर्थव्यवस्था में लाभ मिलेगा पर आने वाले समय में यह भारी नुकसान की तरफ जाती दिखाई दे रही है। सरकार को चाहिए कि कुछ ऐसे नियम बनाए जो ऑनलाइन भी काम होता रहे और व्यापारियों को नुकसान भी झेलना नहीं पड़े। कई ऑनलाईन शॉपिंग कंपनियां हैं उनकी सेल तो हर साल बढ़ती ही जा रही है, लेकिन नुकसान भी कई गुना बढ रहा है। जैसे फिलिप कार्ट जिसको 2018-19 में 3837 करोड का नुकसान का अनुमान था फिर भी वह कम दरों में सामान धड़ल्ले से बेच रही है।

भगवती प्रसाद बिहानी,
नाजिरा (शिवसागर), आसाम

ऑफलाईन खरीदी का अपना महत्व

लॉक डाउन से पहले हमें ऑनलाइन शॉपिंग के विज्ञापनों में आकर्षक ऑफरो के भ्रम जाल में युवा पीढ़ी फंसी हुई सी लगती थी, उन्हें समझाने पर भी वो समझती नहीं थी। इन दिनों हमें यह एहसास हुआ कि हमेशा ऑनलाइन शॉपिंग की वजह से हम अपने आसपास के दुकानदारों से दूर हो गए थे, जान पहचान होते हुए भी हम उनके संपर्क में नहीं थे, जब सब कुछ बंद हो गया था, तब यही हमारे काम आए। मगर लॉक डाउन के बाद बाजारों में उमड़ती भीड़ से करोना वायरस फैलने के डर से ऑनलाइन सामान मंगाना कम से कम एक,दो साल जारी रखना ही होगा, क्योंकि इससे हम भीड़ व बीमारी के संक्रमण से बच पाएंगे। जरूरत होगी सामान आने के बाद उसे सही तरीके से सेनिटाइजर करके काम में लाऐं। परंपरागत काम धंधे करने वालों को भी अपने व्यवसाय में परिवर्तन करके आधुनिक तौर तरीके अपनाकर ऑनलाइन व्यवसाय को अहमियत देना होगी। ऑनलाइन शॉपिंग अब सबकी पसंद के साथ जरूरत भी बन गई है, इससे बाजारों में फर्क तो आएगा। हमें बस इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त हम स्वदेशी कंपनियों को प्राथमिकता दें।

रेखा राजेश लखोटिया, गोरेपेठ, नागपुर

नये अंदाज नई सोच के साथ

लॉकडाउन के खुलने के पश्चात् भी आत्मनियंत्रण के साथ ही दिनचर्या बनानी होगी.किन्तु एक उद्घोष आत्मनिर्भरता का भी आकार ले रहा है। यदि हमें इस और भी सोचना है तो लोकल अर्थात निजी स्थान की वस्तुओं को भी बढ़ावा देना ही होगा। स्थानीय चीजों के लिए जागृति हेतु यदि हाथ न उठे तो मध्यम वर्ग भी हताश हो जायेगा। अतः आवश्यक यह है कि जनमानस यह बनाया जाये कि ऑनलाइन की तिलस्म को छोड़ निश्चित नियमों का पालन करते हुए आसपास की दुकानों को ही खरीदी केंद्र बनाया जाये। लॉकडाउन की ऑनलाइन की मज़बूरी कहीं आदत न बन जाये वरना अर्थव्यवस्था तो रसातल में पहुँच ही गई है सामान्य जन जीवन का मनोबल भी बिखर कर कहीं अवसाद बन महामारी के साइड इफ़ेक्ट के रूप में दुनिया को पंगु न बना दे। अतः ऑनलाइन ख़रीददारी की जगह समुचित सुरक्षा नियमों का पालन कर खुदरा बाजार से ही खरीदी करें। निश्चित ही वर्क फ्रॉम होम ने एक नई सोच को जन्म दिया और कार्य गति को सुचारु रूप से बरकरार रखने में एक नया दृष्टिकोण भी विकसित किया जो एक सकारात्मक कदम रहा किन्तु खरीदी के लिए एक मुहीम की तहत स्वदेशी और स्थानीय बस्तुओं को ही प्राथमिकता देनी होगा।

पूजा नबीरा, काटोल (नागपुर)

अब ऑनलाइन की ओर ही बढ़ेंगे कदम

कोरोना का यह प्रकोप लंबे समय तक चलने वाला है। अतः अब ज्यादातर सुशिक्षित लोग अपनी जीवनशैली बदलकर संक्रमण से बचने के लिए सजगता से ऑनलाइन व्यवहार तथा व्यापार की ओर जरूर कदम बढ़ाना ही पसंद करेंगे। ना बाहर जानेकी झंझट, ना लेनदेन की बात,कैशलेस व्यवहार...! समय के साथ चलने में ही ज्यादा सुकून ओर शांति मिलने वाली है। इसका फायदा तो उच्चवर्गीय ओर उच्चशिक्षित लोग अधिकतर उठानेवाले है। परम्परागत व्यवसाय तो 6-8 महीनों तक उभरनेका नाम ही नही ले सकते,पर फिर से ग्राम की ओर मुड़कर ऑनलाइन सेवा से फायदा हो सकता है। हमारे ग्रामीण भाइयो को भी ऑनलाइन का महत्व समझाकर इस कड़ी से जोड़ना होगा

सरोज गट्टाणी, परभणी

समय के साथ तो चलना ही होगा

यह विषय अक्सर ही बहस का कारण बन जाता है कि ऑनलाइन व्यापार के अस्तित्व को स्वीकार किया जाना चाहिए अथवा नही? पैसा दो स्त्रोतों से ही प्राप्त हो सकता है.पहले स्त्रोत है, किसी सरकारी या निजी संस्था मे नौकरी करना और दूसरा स्त्रोत स्वयं का व्यवसाय। वर्तमान समय को करोना की जटिलता भरा समय माना जा सकता है क्योंकि इसमे व्यावसायिक ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक हो गयी कि होने वाले खर्चों की तुलना मे मिलने वाला लाभ बहुत कम हो गया है। आम व्यापारी के लिये अपना व्यवसाय करना एक बडा जोखिम बनता जा रहा है। दुकानदारों की स्थिति निरतंर बिगडती जा रही है, घबराहट पहले से भी अधिक हो गई है। अब ओनलाइन व्यवसाय की सच्चाई को सभी को स्वीकार कर लेना चाहिए। व्यक्ति के क्रिया कलापो को केवल भाग्य ही प्रभावित करता है, ऐसी बात नही है। ऑनलाइन व्यापार का भविष्य उज्जवल है। अतः समय के साथ चलना ही होगा

श्याम सुंदर धनराज लखोटिया,
मालेगांव (नासिक)

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

श्री माहेश्वरी महिला मंडल, अमरावती

(अमरावती पंचायत अंतर्गत)

कार्यकारिणी सत्र-2018-20

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी
समाज बंधुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

विजया पुरुषोत्तम राठी
अध्यक्ष

संगीता राजकुमार टवानी
सचिव

गायत्री महेश सोमानी
कोषाध्यक्ष

रानी जितेन्द्र करवा
उपाध्यक्षा

पूजा अविनाश तापड़िया
उपाध्यक्षा

किरण राजगोपाल मूंदड़ा
स्वागत मंत्री

निशा प्रमोद जाजू
प्रचार मंत्री

अरुणा लक्ष्मीकांत भट्टड़
संगठन मंत्री

श्यामा ओमप्रकाश लाहोटी
संगठन मंत्री

सुनीता शिवप्रकाश मालानी
कार्यकारिणी सदस्य

निशा-राजेन्द्र राठी
कार्यकारिणी सदस्य

ख़ुश रहें... ख़ुश रखें...

ख़ुदा से प्रेम तो उसकी बनाई दुनिया से नफरत कैसे?

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

संसार में कुछ शब्द बहुत गलत तरीके से समझे गए और उन्हीं में से एक है प्रेम। इस शब्द के साथ न सिर्फ नादानी हुई बल्कि खूब अत्याचार भी हुआ। कभी इस पर वासना का आवरण लपेटा गया तो कभी मोह की चादर बांध दी गई। इमाम शाफी नाम के मुस्लिम संत इस कदर प्रेम में डूबे हुए थे कि उनसे छोटे, उनके हम उम्र तो उनके मुरीद थे ही लेकिन उनसे बड़ी उम्र के लोग भी उनके पीछे भागते फिरते थे।

अध्यात्म में परमात्मा के प्रति प्रेम और भय दोनों एक साथ चलते हैं। यह अजीब से मेलजोल है। वैसे जहां प्रेम है वहां भय नहीं होता और जहां भय है, वहां प्रेम नहीं होगा, लेकिन ऊपर वाले के रिश्ते में ये दोनों एक साथ चलते हैं।

एक बार एक खलीफा ने खयाल किया कि इमाम शाफी से एक फैसला करवाया जाए। उनकी परीक्षा भी हो जाएगी और मेरा भ्रम भी दूर होगा। खलीफा ने सवाल किया कि इमाम यह बताएं कि मैं जन्नती हूं या दोजखी? यानी मैं स्वर्गवासी हूं या नर्कवासी।

फैकीर इमाम ने खलीफा से एक सवाल पूछा, ''क्या जिंदगी में ऐसा हुआ है कि कोई गुनाह करने के पहले अल्लाह के खौफ के कारण आपने वह गुनाह नहीं किया?'' खलीफा ने कहा कि हाँ ऐसा मौका आया है। इमाम शाफी बोले तो आप जन्नती हैं, स्वर्ग के हकदार हैं, आप स्वर्ग में ही जाएंगे।

लोगों ने सवाल किया- आपके फैसले का आधार क्या है? तो फकीर ने कहा कि कुरआन में आयत आई है जिसका मतलब है कि जिस शख्स ने गुनाह का कस्द (विचार) किया और फिर खौफे-इलाही (प्रभु-भय) की वजह से गुनाह करने से दूर रहा तो उसका घर जन्नत है।

इसलिए उस परमपिता के प्रति हमारे भीतर ऐसा प्रेम होना चाहिए जो विस्तारित होकर सारी दुनिया के लिए फैल जाए। जो खुदा से प्रेम करे वह उसकी बनाई हुई दुनिया से नफरत कैसे कर सकता है।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
''खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद''.

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - ''ऐसा क्यों?'' लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन
90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

आमरस पानीपुरी

सामग्रीः- 2 कप आम रस 1 कप मिक्स कटा हुआ फ्रूट जैसे एप्पल, आम, अनार के दाने. 1 टीस्पुन चाट मसाला , 1 कप सेव, पूदिने की हरि चटनी, खट्टी मीठी चटनी (खजुर, ईमली की चटनी) 15 पुरियाँ

विधिः- 1.) एप्पल, आम के छोटे टुकड़ों में काट लिये और अनार के दाने लीजिए। पुरियों को बीच से जगह कीजिए और फ्रूट के कटे टुकड़े डालें. 2). और फिर आमरस डाले और ऊपर से थोड़ा चाट मसाला छिड़के और हरी चटनी और खट्टी-मीठी चटनी और सेव से सजाएं और मज़े ले इस आमरस पानी पूरी जो की बहुत ही लाजवाब है।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

महामारी में सोशल मीडिया री भूमिका

खम्मा घणी सा हुक्म आज आपा बात कर रिया हॉ महामारी में सोशल मीडिया री भूमिका पर... हुक्म किन्ही भी देश री उन्नति व प्रगति में सबसूं ज्यादा योगदान हुवे तो सोशल मीडिया रों हुवे। आज जिन दौर सूं गुजरिया और अबार गुजर रिया हॉ.. एक एड़ी वैश्विक महामारी (कोरोना-वायरस) जो देश विशेष में सीमित न हुने पूरे विश्व मे हाहाकार मचा दियो है और इण बीमारी सूं निजात पावण रो एक मात्र तरीको है... जिने सूं यो फैले... उण सूं बचणों रो यो ही तरीको है.. **आपसी संपर्क...** जिन्हें तहत पूरे देश मे चार चरण में लॉकडाउन प्रक्रिया लागू करी.. ऐड़ो नाजुक समय में जण घरों में बंद रेवण री सलाह दी इण समय मे सोशल मीडिया री भूमिका सराही जाणे लायक है फेसबुक टीवी व्हाटसअप रे माध्यम सूं आपाणे पूरी जानकारी मिल रही है।

मीडिया रे कारण ही महामारी रो वास्तविक आंकलन सामने आ रियों है। पल पल चिकित्सा री खबर, विशेषज्ञों री सलाह, चिकित्सालयों री स्थिति, मरीज़ों री स्थिति सूं **जनमानस** परिचित हो रियों है। निश्चित रूप सूं मीडिया विश्वभर में कंधे सूं कंधों मिला ने चाल रही है। लोगों ने महामारी री जानकारी बताणी, जागरुक करणो, मजदूर और बेसहारा लोगा रे हितों रे वास्ते सरकार एवं आम व्यक्ति ने जानकारी पहुँचावण में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा री है।

एक संदेशवाहक रूप में मीडिया लॉकडाउन रे दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, जीवन मे आरोग्यता, आहार दिनचर्या, योगा पर विशेषज्ञों द्वारा सुलभ जानकारी मिल रही है। सच कहूं हुक्म मीडिया ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी है मिडिया री वजह सूं कोई भी व्यक्ति **आइसोलेट** नही है शहर सूं लेने जंगलों में बैठो व्यक्ति भी इण बीमारी सूं वाकिफ है और इन नियमो पर सजगता सूं पालना भी कर रियों है।

मैं तहे दिल सूं **मीडियाकर्मियों** ने धन्यवाद देवणी चाहूं जो रात-दिन इन महामारी री जानकारी जुटा ने देश री जनता ने सजग कर रही है। इण समय मडिया रा देश रे प्रति सदभाव रे कार्यों ने आवण वाला समय में स्वर्णिम अक्षरों में लिखियों जावेला जो इण भारी त्रासदी सूं निकाळने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया

मुलाहिजा फरमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

तुम्हारी 'इक आवाज़' पर हम 'दौड़े' चले आएंगे...!!
बस शर्त ये है कि 'लहजे' में 'बेक़रारी' होनी चाहिए...!!

ये जिंदगी है जनाब,
जीना सिखाये बगैर मरने नही देती..!!

हम डरते थे कभी तन्हाई से बीमार न पड़ जायें
अब महफ़िलो से खौफ़ है कि रोग न ले आये

न जाने कैसी गुश्ताखी कर गये,
कि चेहरे पर नक़ाब लगाने पड़ गये।

इस घुटन से कब निकल पाएँगे,
खुली हवा में साँस कब ले पाएँगे।

उन्हें शिकायत है कि घर पर नहीं मिलते,
अब हैं तो वो घर के पास भी नहीं फटकते।

कोरोना हमारा क़ीमती खज़ाना ले गया,
दोस्तों के साथ बैठे जैसे ज़माना हो गया!

कुछ तो अलग गुनाह किये होंगे हमने मिलकर,
कि हाथ गंगाजल के बजाय मदिरा से धोने पड रहे हैं!!

कुछ तो अलग गुनाह किये होंगे हमने मिलकर,
कि हाथ गंगाजल के बजाय मदिरा से धोने पड रहे हैं!!

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस माह धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। धर्म के कारण मन प्रसन्न रहेगा। रुका धन मिलेगा। संतान के कार्यों पर व्यय होगा। परिवार के साथ प्रसन्न रहेंगे। जीवन साथी का सहयोग रहेगा। दिनचर्या व्यस्त रहेगी। विरोधी शांत रहेंगे। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। यात्रा सुखमयी होगी। आलस्य करना परेशानीदायक रहेगा। परिवारजनों के सहयोग से बिगड़ा कार्य पूरा हो जायेगा। जल्दबाजी एवं क्रोध से हानि उठाना पड़ सकती है। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यापार में लाभ होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

वृषभ

यह माह आपके लिये धन लाभ, मान-सम्मान दायक रहेगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सुख साधनों की बढ़ोत्तरी होगी। कोर्ट कचहरी के कार्य में प्रगति, नौकरी में स्थान परिवर्तन, जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। रुका धन प्राप्त होगा। आय से अधिक व्यय होगा। जीवन साथी से पूरा सहयोग प्राप्त होगा किंतु पारिवारिक उलझनें अधिक रहेंगी। मित्र सहयोगी रहेंगे। परिवार के साथ घूमने-फिरने में समय व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। विवाह संबंध, संबंधित कार्य पूर्ण होगा।

मिथुन

यह माह आपके लिये अनुकूल फलदायक रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। भौतिक सुख - सुविधा पर व्यय करेंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी एवं नौकरी में पद प्रतिष्ठा एवं पदोन्नति के योग रहेंगे। इस अवधि में स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलेगी। लंबी यात्रा का आनन्द उठायेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। प्रियजनों से भेंट होगी। क्रोध परनियंत्रण करना आवश्यक रहेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

कर्क

इस माह रुके कार्य पूर्ण होंगे। धन लाभ होगा। समय आनन्द से व्यतीत होगा। भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी। सामाजिक उत्सवों में भाग लेंगे। जीवन में नया उत्साह उत्पन्न होगा। संतान के कार्यों से मन प्रसन्न रहेगा। भ्रमण के लिये हिल स्टेशन की यात्रा करेंगे। अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। बच्चों की पढ़ाई में अरुचि रहेगी। जीवन साथी और बच्चों से अनबन या वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। परेशानियों से बचने के लिये आलस्य एवं क्रोध छोड़े। भागीदारों से लाभ होगा। आय में कमी व्यय अधिक होगा। घर में शुभ कार्य होगा।

सिंह

इस माह आपको पारिवारिक सुख मिलेगा। नये संपर्क बनेंगे। संतान सुख प्राप्त होगा। सभी कार्य आसानी से बन जायेंगे। मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। उन्नति के नये अवसर प्राप्त होंगे। धनलाभ होगा। सरकारी व प्राईवेट नौकरी से जुड़े लोग अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपने से मतभेद बना रहेगा। मान-सम्मान प्राप्त होगा। वाद-विवाद एवं मुकदमें से परेशानी उठानी पड़ेगी। शत्रु से भय बना रहेगा। चोट आदि से सावधान रहें। विपरित योनी की ओर अधिक रुझान बना रहेगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे।

कन्या

इस माह नये लोगों से भेंट, बौद्धिक कार्यों में लाभ, अधिकारियों का सहयोग, व्यापार में सुधार होगा। उन्नति के अवसर व आय बढ़ेगी। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। दूरदर्शिता एवं त्वरित निर्णय लेंगे। मकान खरीदेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। व्यस्तता अधिक रहेगी। झूठा आरोप लगेगा, संतान के कार्य पूरे होगे। सरकार से धन व मान सम्मान मिल सकता है। दिनचर्या यथावत रहेगी।

तुला

यह माह आपको संतान के कार्यों में सफलता व रुका धन मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ कार्यों में खर्च होगा। भोग विलास में समय व्यतीत करेंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मित्र सहयोग करेंगे। व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन में नये अवसर मिलेंगे। कार्य हो जाने से प्रसन्नता मिलेगी। लंबी यात्रा के योग पद व अधिकार प्राप्त होंगे। लेन-देन में सावधानी बरतें। पिता को कष्ट होगा। आलस्य से बचें। व्यापारिक लाभ होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। भागदौड़ की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक

इस माह रुके कार्य में गति आयेगी। हास-परिहास में समय व्यतीत होगा। स्वाध्याय में भी रुचि बढ़ेगी। पदोन्नति होगी। भाइयों से सहयोग, सामाजिक उत्सवों में भाग लेंगे। पारिवारिक सुखों में वृद्धि, व्यापार व जीवन साथी की उन्नति पर मन प्रसन्न होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशी माहौल रहेगा। मित्रों के सहयोग से रुके कार्य पूर्ण होंगे। संतान की सफलता से खुशी मिलेगी। उपहार मिलने से खुशी मिलेगी। कर्ज लेना पड़ेगा। यात्रा में परेशानी आयेगी।

धनु

यह माह रुके कार्य पूरे होंगे। प्रियजन से भेंट, भौतिक सुख बढ़ेगा। मांगलिक कार्य पर खर्च करेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, विलासिता के साधनों पर खर्च, जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव दूर होंगे। संतान की उन्नति से प्रसन्नता होगी। बड़ों का सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। लंबी दूरी की यात्रा होगी। वाहन खरीदेंगे और बेचेंगे। अधिक खर्च से बजट बिगड़ेगा। शरीर कष्ट होगा, चोर से सावधानी रखें।

मकर

इस माह बिगड़े कार्य पूर्ण होंगे। मेहमान आने से वातावरण में खुशी मिलेगी। विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल है। मान-सम्मान बढ़ेगा। मित्रों के सहयोग से धन लाभ परिवार में सुख शांति का वातावरण रहेगा। सबका सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी का पूरा साथ रहेगा। व्यर्थ के विवाद से बचे। नौकरी में असुविधा व परेशानी उठाना पड़ेगी। जोड़ों का दर्द रहेगा। बनते कार्य क्रोध के कारण बिगाड़ लेंगे। घर परिवार में मांगलिक कार्य करेंगे।

कुम्भ

यह माह व्यावसायिक सफलता मिलेगी। उन्नति के अवसर मिलेगे। शुभ समाचार, सबका सहयोग, सक्रियता से लोगों को अपने बना लेंगे। मनचाही वस्तु मिलने की खुशी होगी किंतु उत्साह में कमी, मित्र धोखा देंगे। उधार का पैसा वापस नहीं आएगा। शत्रु हानि पहुंचाएंगे। मनोरंजन, घूमने-फिरने के योग बनेंगे। यात्रा से लाभ होगा। चोरी या प्रिय वस्तु खो जाने से दुखी रहेंगे।

मीन

इस माह आपके लिये सुख समृद्धि बढ़ेगी। मनोकामना पूर्ण होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और खुशी मिलेगी। मांगलिक कार्य होंगे। परिवार में मनोविनोद का वातावरण बनेगा। अतिथि आने की संभावना रहेगी। पराक्रम बढ़ेगा, संतान की चिंता रहेगी। स्त्री के सहयोग से लाभ होगा। सरकारी कार्यों से लाभ, परिश्रम से सफलता मिलेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता, मित्र सहयोग नहीं करेंगे। माता-पिता की चिंता बढ़ेगी।

'यथा नाम तथा गुण' की उक्ति को चरितार्थ करते समाज सेवा पथ के संत के रूप में जाने-जाने वाले जबलपुर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री गिरधर गोपाल जेठा नहीं रहे। श्री जेठा की प्रतिष्ठा शहर में एक ऐसे समाजसेवी के रूप में थी, जो लोगों के सुख-दु:ख में ठीक गिरधर की तरह ही तन-मन-धन से ही खड़े दिखाई देते थे। गत 13 मई 2020 को शहरवासियों ही नहीं, बल्कि कई समाजसेवियों व शिक्षाविदों ने भी आपको नम आंखों से अंतिम बिदाई दी। टीम SMT

नहीं रहे समाज सेवा पथ के संत

श्री गिरधर गोपाल जेठा

श्री गिरधर जेठा के देहावसान का समाचार जिसे भी मिला उसकी आंखों के सामने उनका हंसमुख, मिलनसार एवं अपने बेबाक अंदाज वाला चेहरा घूमता रह गया और उनकी आंखें लॉकडाऊन के कारण स्व. श्री जेठा की अंतिम बिदाई में शामिल न हो पाने के बावजूद घर की चारदीवारी में भी नम हुए बिना नहीं रही। परिवार, दोस्तों या रिश्तेदारी में कहीं भी कोई मंगल कार्य हो, तो उसमें चार चांद लगाने के लिये हमेशा तन-मन-धन से जुट जाना उनके स्वभाव में शामिल था। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में रूचि रखने वाले श्री जेठा का जीवन बेहद सरल एवं सब में घुल मिल जाने वाला था। उनकी उपस्थिति कार्यक्रमों में रौनक पैदा कर देती थी। अखंड रामायण पाठ, श्रीमद्भागवत कथा आदि के आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे।

बचपन से थे कुशाग्र बुद्धि के स्वामी

जबलपुर के निकटस्थ ग्राम नटवारा में 20 मई 1953 को कृषक माहेश्वरी परिवार में स्व. श्री मांगीलाल व श्रीमती गंगादेवी जेठा के यहां एक कुशाग्र बालक के रूप में स्व. श्री जेठा का जन्म हुआ था। उन्होंने जबलपुर से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण की और इसी शहर को अपना कर्मस्थल बनाकर अपनी सफलता का वह ध्वज फहराया कि व्यापार जगत उनकी व्यवसायिक कुशाग्र बुद्धि का दीवाना हो गया। पिताजी के देहावसान के पश्चात अग्रज भ्राता मदन गोपाल जेठा का मार्गदर्शन एवं अनुज भ्राता हरिवल्लभ व रूपकिशोर जेठा का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। विवाहित बहनों श्रीमती रूकमणी देवी राठी (पिपरिया) एवं श्रीमती गीता देवी मरचुन्या (कोटा) का आत्मीय स्नेह भी सदैव प्राप्त रहा। स्व. श्री जेठा जिस व्यवसाय की ओर भी रूख अख्तियार किया उसे चरमोत्कर्ष तक पहुंचाकर ही दम लिया। व्यवसायिक गतिविधियों की उन्नति हेतु देश-विदेश की अनेक यात्राएं भी की। भाईयों की रूचि अनुसार व्यवसाय को उनके सुपुर्द करते रहे और हमेशा नए व्यवसाय की ओर अग्रसर होते रहे। कृषि, किराना, सीमेंट, इलेक्ट्रानिक्स, रेडीमेड गरमेंटस आदि व्यवसाय में बेहद सफलता प्राप्त की।

समाजसेवा में चहुंमुखी योगदान

नगर की 150 वर्ष पुरानी अतिप्रतिष्ठित हितकारिणी सभा जिसके 22 विद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, डेंटल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, बी.एड कॉलेज, महिला महाविद्यालय, आर्किटेक्चर कॉलेज, लॉ कालेज आदि सफलतापूर्वक चल रहे हैं। इसके अंतर्गत सभी स्कूल कॉलेजों की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधि संचालित करने वाली विद्या परिषद के स्व. श्री जेठा वर्षों तक अध्यक्ष रहें। अंतिम समय में हितकारिणी लॉ कॉलेज के चेयरमेन पद पर आसीन थे। माहेश्वरी समाज में उन्नयन में आपकी गहरी रूचि थी, महेश भवन हेतु जमीन प्राप्ति हेतु बाबू चंद्रमोहन से बातचीत में गिरधर जेठा की अहम भूमिका थी। माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक, ट्रस्टी एवं सचिव के साथ-साथ आप माहेश्वरी मंडल जबलपुर के संपत्ति सचिव के साथ ही अन्य कई पदों पर रह कर भी अपनी समर्पित सेवा दे चुके थे। अस्वस्थता के दरमियान भी समाज के प्रति उनकी चिंता उनके अथाह प्रेम को स्पष्ट दर्शाती थी। जबलपुर क्लब के सचिव एवं लांयस क्लब सेंट्रल के विभिन्न पदों पर आसीन रहे।

भरेपूरे परिवार का साथ

यह श्री जेठा का सौभाग्य ही कहा जा सकता है कि उन्हें बचपन से ही भरापूरा परिवार मिला। जीवन के उत्तरार्द्ध में अपने परिवार के साथ ही अपने भतीजे-भतीजियों के परिवार से भी उन्हें यथायोग्य सम्मान व अपनत्व प्राप्त होता रहा। स्व. श्री जेठा का विवाह नागदा जंक्शन (जिला उज्जैन) के प्रतिष्ठित परिवार में श्री मोहनलाल राठी की सुपुत्री सरोज के साथ हुआ था। आप अपने पीछे अपने परिवार में दो पुत्र तथा एक पुत्री सहित पौत्र-पौत्री एवं नाती-नातीन आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। श्री जेठा के बड़े सुपुत्र अनुराग का विवाह इंदौर निवासी उद्योगपति व समाजसेवी अशोक डागा की सुपुत्री दीप्ति तथा द्वितीय पुत्र अभिषेक का विवाह भोपाल निवासी बिल्डर्स शिशिर माहेश्वरी (तोषनीवाल) की सुपुत्री प्रियंका के साथ संपन्न हुआ है। सुपुत्री राखी का विवाह रायपुर निवासी व्यवसायी अनिवाश बागड़ी के साथ हुआ है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक होगा

समाज का गौरवशाली संस्कृति को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

इसमें ऐसे संग्रहणीय आलेख होंगे जो बनाऐंगे इसे अनमोल

व्यवसाय को भी दे सकते हैं ख्याति

यदि आप व्यवसायी हैं और चाहते हैं, देना अपनों को इस पावन पर्व की बधाई तो आप इस विशेषांक में विज्ञापन प्रकाशित करवा कर प्राप्त कर सकते हैं दोहरा लाभ। आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का यह विज्ञापन आपके अपनो को शुभकामनाएँ तो दिलवाएगा ही साथ ही आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान को ख्याति भी दिलवाएगा।

विज्ञापन दर

कव्हर अन्तिम पृष्ठ	रु. 31,000/-
कव्हर पृष्ठ 2 / 3	रु. 25,000/-
पूर्ण पृष्ठ	रु. 15,000/-
आधा पृष्ठ	रु. 10,000/-

अपनों को दें अपनी बधाई

क्या आप चाहते है कि इस पावन पर्व पर सभी बन्धुओं तक आपकी शुभकामनाएं पहुंचे। तो हम भेजेंगे आपकी शुभकामनाऐं, आपके अपने-अपनों तक **मात्र 3000/-** की सहयोग राशि में एक स्टपी विज्ञापन के रूप में। इसके लिए आपको पहुंचाना होगा आपका फोटो, परिचय एवं पता भी। श्री माहेश्वरी टाईम्स पहुंचाऐगी चार लाख से भी अधिक पाठको के दिलो तक आपका यह ''शुभकामना संदेश''।

SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Mo. : 94250-91161 ■ E-mail : smt4news@gmail.com

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals:

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

MODEL VILLAGES

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date -02 June, 2020

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in